हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता : कोच गंभीर, मेरा काम सुपरस्टार...

Page 09

देश

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे...

कृष्ण पक्ष, मूल, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरूवार • 12 मार्च 2026 • वर्ष 28 • अंक 99 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹1,49,700	₹ 2,90,000

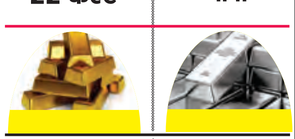

आज का इतिहास

1930 : भारत में नमक कर की अवहेलना में महात्मा गांधी ने 'समुद्र में मार्च' शुरू किया।

1993 : मुंबई में 13 बम धमाके हुए थे जिसमें 257 लोग मारे गए थे और 800 लोग घायल हो गए थे। इस दिन को भारत के इतिहास में ब्लैक फ्राइडे के रूप में जाना जाता है।

न्यूज बाइट्स

प्राइवेट स्कूलों में गरीब बच्चों की एडमिशन की डेट बढ़ी

पटना (नि.सं.)। बिहार के प्राइवेट स्कूलों में गरीब वर्ग के बच्चों के एडमिशन की तारीख आगे बढ़ गई है। शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों का निजी स्कूलों में नामांकन के लिए अब 10 दिन का और समय दिया गया है। पहले 10 मार्च तक नामांकन का आखिरी दिन था। अब इसे बढ़ाकर 20 मार्च कर दिया गया है। इस संबंध में बुधवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और डीपीओ को प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने भेज दिया है। बताया जा रहा है कि इस बार आरटीई के तहत इस बार 69193 छात्रों ने आवेदन किया था। इसमें 10 मार्च तक 40626 बच्चों का ही एडमिशन हो पाया है। लगभग 40 फीसदी बच्चों का नामांकन बाकी है। इसलिए एडमिशन की तारीख आगे बढ़ाई गई है। शिक्षा निदेशक ने अपने पत्र में नामांकन लेने से मना करने वाले स्कूल पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

सिपाही बहाली के दूसरे चरण की शारीरिक दक्षता जांच पूरी

पटना (नि.सं.)। पटना में 11 मार्च को सिपाही के 19838 पदों पर बहाली के लिए शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा पूरी हुई। इस चरण में 99,690 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, जिनमें से 79,932 ने परीक्षा दी। सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा और मेधा सूची जून 2026 तक जारी होगी। राज्य में सिपाही के 19838 पदों पर बहाली के लिए पटना में चल रही दूसरे चरण की शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा 11 मार्च को पूरी हो गयी। इस चरण में 99,690 अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता जांच के लिए हुआ था, जिनमें से 79,932 अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए।

समृद्धि यात्रा के दौरान सीएम नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

पांच साल में एक करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी : मुख्यमंत्री

महिला सशक्तिकरण के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण व 50 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने की मिली स्वीकृति

• शिक्षा, स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ अब उद्योगों की स्थापना पर रहेगा विशेष जोर

निज संवाददाता | किशनगंज

ठाकुरगंज के कृषि मैदान में आयोजित "समृद्धि यात्रा" के दौरान जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के विकास और भविष्य की योजनाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में एनडीए सरकार बनने के बाद बिहार में भय का माहौल समाप्त हुआ और राज्य लगातार विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले वर्षों में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि बीपीएससी के माध्यम से अब तक 2 लाख 28 हजार शिक्षकों की बहाली की जा चुकी है और वर्तमान में बिहार में कुल 5 लाख 24 हजार शिक्षक कार्यरत हैं। आने वाले समय में 45 हजार नए शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 से सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा की व्यवस्था लागू की गई है। राज्य में छह नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा चुके हैं और छह अन्य मेडिकल कॉलेजों पर काम किया जाएगा। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बेड की संख्या बढ़ाकर लगभग 5400 की जा रही है, वहीं पांच पुराने मेडिकल कॉलेजों में भी बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण से आवागमन काफी सुगम हुआ है। अब बिहार के किसी भी जिले से पटना तक करीब पांच घंटे में पहुंचना संभव हो गया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि रोडमैप के तहत व्यापक कार्य किए गए हैं और कृषि के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार ने 50 लाख घरों में मुफ्त सोलर पैनल लगाने की स्वीकृति दी है, जिससे लोगों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा मिल सकेगी।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। वर्तमान में राज्य में 10 लाख 78 हजार जीविका दीदियां स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य में उद्योगों की स्थापना पर विशेष जोर दिया जाएगा और बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से चालू करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल, बिहार राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष प्रहलाद सरकार सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार में 45 हजार नए शिक्षकों की होगी बहाली

वहीं समृद्धि यात्रा के दौरान अररिया में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में 45 हजार नए शिक्षकों की बहाली की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है और इसी दिशा में (बीपीएससी) के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 24 नवंबर 2005 से पहले बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। लोगों को शाम के बाद घरों से निकलने में डर लगता था और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं भी बदहाल थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में विकास के लिए कोई ठोस काम नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद से शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी योजनाएं शुरू की गईं, जिससे लड़कियों की स्कूलों में उपस्थिति बढ़ी। उन्होंने बताया कि पहले नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति हुई और बाद में बीपीएससी के माध्यम से शिक्षक बहाली की प्रक्रिया शुरू की गई।

बिहार में जमीन से जुड़े काम होंगे हाईटेक

हर जिले में बनेगा एआई सेल, एक अप्रैल से लागू हो सकती है नई व्यवस्था : विजय कुमार सिन्हा

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार राजस्व और भूमि प्रशासन को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य में अब जमीन और राजस्व से जुड़े कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग बढ़ाया जाएगा। इसके तहत हर जिले में एआई सेल का गठन किया जाएगा, जिससे जमीन से जुड़े मामलों के निपटारे में तेजी, पारदर्शिता और दक्षता लाने की योजना है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि तकनीक के बेहतर उपयोग से प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उनका कहना है कि सरकार का उद्देश्य है कि तकनीक के माध्यम से आम लोगों को तेज, सरल और भरोसेमंद सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के 'ईज ऑफ लिविंग' लक्ष्य को भी बल मिलेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से इस दिशा में आवश्यक पहल शुरू कर दी गई है। विभाग के अपर सचिव अजीव वत्सराज ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर प्रत्येक जिले में एआई सेल के गठन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। यह सेल पांच सदस्यों का होगा और इसकी अध्यक्षता अपर समाहर्ता (राजस्व) करेंगे। इसमें जिला आईटी मैनेजर, एक भूमि सुधार उप समाहर्ता, एक अंचल अधिकारी तथा एक राजस्व अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। यह टीम जिले में एआई के उपयोग से संबंधित योजनाओं और निर्णयों पर काम करेगी।

एआई सेल की बैठक हर शनिवार को अपर समाहर्ता (राजस्व) के कार्यालय में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें एआई आधारित कार्यों की समीक्षा और आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सरकार की योजना है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से एआई का प्रशिक्षण भी दिया जाए। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद परीक्षा आयोजित होगी और तय मानकों पर खरे उतरने वाले कर्मियों को जिलाधिकारी के आदेश से प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। विभाग ने लक्ष्य रखा है कि एक अप्रैल 2026 से राजस्व प्रशासन में एआई का उपयोग शुरू कर दिया जाए। इस संबंध में मुख्य सचिव की ओर से एआई टूल्स की सूची भी जिलों को भेजी गई है। सरकार प्रशासनिक कार्यों में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एआई आधारित डिजिटल सहायकों के इस्तेमाल को भी प्रोत्साहित कर रही है। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से जमीन और राजस्व से जुड़े मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक पारदर्शी तथा जनहितकारी बनेगी।

2026 के अंत तक बनकर तैयार होंगे 250 प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन

पटना(नि.सं.)। बिहार में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण करा रही है। भवन निर्माण विभाग द्वारा राज्य के 240 प्रखंडों में नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय तथा 59 प्रखंडों में कार्यालय के साथ आवासीय परिसर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। विभागीय जानकारी के अनुसार, राज्य में 250 से अधिक प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण कार्य फिलहाल प्रगति पर है। जिन प्रखंडों में निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हो पाया है, वहां भवन निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी की जा रही है ताकि जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ किया जा सके। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि सभी नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण वर्ष 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गंगा में डूबने से तीन युवकों की मौत, बुआ को बचाने में गई जान

निज संवाददाता | भागलपुर

भागलपुर में बुधवार को गंगा नदी में स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कृष्ण कुमार (26 वर्ष), सनी कुमार (24 वर्ष) और बॉबी कुमार (26 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक अपनी बुआ को डूबने से बचाने के प्रयास में खुद गंगा की तेज धारा और गहरे पानी में समा गए। जानकारी के अनुसार घोघा थाना क्षेत्र के ओलपुरा गांव निवासी शालिग्राम साह के घर में मुंडन संस्कार का कार्यक्रम आयोजित होना था। इस पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए कई रिश्तेदार गांव पहुंचे थे। कार्यक्रम शुरू होने से पहले परिवार के 6–7 सदस्य गंगा स्नान करने के लिए घोघा गंगा घाट पहुंचे थे। स्नान के दौरान शालिग्राम साह की बहन रुक्मिणी देवी अचानक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। उन्हें बचाने के लिए उनके भतीजे कृष्ण कुमार, सनी कुमार और बॉबी कुमार तुरंत नदी में कूद पड़े। लेकिन गंगा की गहराई और तेज बहाव के कारण तीनों युवक एक-एक कर डूब गए। इस हादसे में सनी कुमार और बॉबी कुमार, शालिग्राम साह के पुत्र थे, जबकि कृष्ण कुमार उर्फ छोटू के पिता का नाम नंदलाल साह बताया गया है। रिश्ते में तीनों युवक आपस में भाई थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों युवकों को नदी से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं रुक्मिणी देवी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि तीनों युवक मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली से अपने गांव ओलपुरा आए थे। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव और आसपास के इलाके में शोक की लहर फैल गई है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है और खुशियों का माहौल पल भर में मातम में बदल गया।

13 मार्च को जारी होगी पीएम किसान की 22वीं किस्त

पटना (नि.सं.)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान) की 22वीं किस्त जारी करने की तारीख घोषित कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च 2026 को असम के गुवाहाटी से देशभर के किसानों के खातों में इस किस्त की राशि जारी करेंगे। बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने बताया कि राज्य के 73.34 लाख से अधिक पात्र किसानों को इस किस्त का लाभ मिलेगा। किसानों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से लगभग 1467 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे भेजी जाएगी। इस किस्त के तहत प्रत्येक किसान को 2000 रुपये मिलेंगे। हालांकि बिहार सरकार की नई योजना कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली अतिरिक्त राशि अभी किसानों को नहीं मिलेगी। इसलिए इस बार किसानों के खाते में 3000 रुपये के बजाय केवल 2000 रुपये ही आएंगे। कृषि मंत्री ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। इससे किसानों को आर्थिक सहयोग मिलता है और कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार भी किसानों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए राज्य में किसानों का पंजीकरण, आधार सत्यापन और बैंक खातों को एनपीसीआई से लिंक करने का काम तेजी से कराया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

रोहतास जिले का नर्सिंग के क्षेत्र में विश्वसनीय संस्थान

शेरशाह मेडिकल रिसर्च एंड ट्रेनिंग संस्थान

(धर्मशीला महिला प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित इकाई)

(बिहार सरकार स्वास्थ्य पटना से मान्यता प्राप्त तथा बी.एन.आर.सी., पटना एवं बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय पटना से सम्बद्धता प्राप्त)

घटिकन सासाराम (रोहतास)

मो. नं. - 8521384934, 9431484126, 7480907815

एम.एल. सिंह (सचिव)

मो. 9162116808

ए.एन.एम, जी.एन.एम., बी.एस.सी. (नर्सिंग) एवं एम. एस. सी. (नर्सिंग) कोर्स में

रामनवमी के शुभ अवसर पर

11 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक

नामांकन में विशेष छूट

राज्य में घरेलू ईंधन को लेकर चल रही चर्चाओं और संभावित संकट, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने कहा

राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता

निज संवाददाता | पटना

राज्य में घरेलू ईंधन को लेकर चल रही चर्चाओं और संभावित संकट की आशंकाओं के बीच पेट्रोलियम एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अधिकारियों के अनुसार उपभोक्ताओं को घबराने या गैस एजेंसियों के पास अनावश्यक रूप से भीड़ लगाने की आवश्यकता नहीं है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने और सभी उपभोक्ताओं तक समय पर सिलेंडर पहुंचाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा एक व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत किसी भी घरेलू उपभोक्ता को अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिन बाद ही नए सिलेंडर की बुकिंग करने की अनुमति है।

विभाग ने बताया कि बुकिंग दर्ज होने के बाद 2 से 3 दिनों के भीतर घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि गैस वितरण प्रणाली संतुलित बनी रहे और सभी उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर मिल सके। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पूरे राज्य में घरेलू गैस आपूर्ति और वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति उत्पन्न न हो। विभाग का कहना है कि उपभोक्ताओं के हित में गैस वितरण प्रणाली को सुचारु, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, गैस एजेंसियों के बाहर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और किसी भी प्रकार की भ्रामक या अफवाहपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें। अधिकारियों के अनुसार यदि उपभोक्ता निर्धारित प्रक्रिया के तहत बुकिंग करते हैं तो उन्हें समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी के विरुद्ध विभाग कर रही लगातार कार्रवाई
172 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज,44 लाख रुपए का जुर्माना

रजौली। रजौली में बिजली चोरी के खिलाफ विभाग की कार्रवाई जारी है। विगत दो-तीन माह में 172 लोगों के विरुद्ध बिजली चोरी के कारण प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जबकि वर्तमान माह में 09 मार्च तक 49 लोगों के विरुद्ध भी बिजली चोरी के कारण प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बीते दो माह में लगभग 44 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना बिजली चोरी करने वालों पर लगाया गया है,जिसमें फरवरी माह में 32,67,445 रुपए जुर्माना किया गया था एवं मार्च में अबतक 11,36,745 रूपये जुर्माना लगाया गया है। राज्य सरकार के द्वारा पिछले वर्ष माह अगस्त से घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दिया गया है, लेकिन कई उपभोक्ता इसका गलत उपयोग कर रहे हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार के द्वारा बार-बार सम्मानित उपभोक्ताओं एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों से अपील की जा रही है कि अवैध रूप से बिजली का उपयोग नहीं करें। इसके बावजूद भी कतिपय लोगों के द्वारा कई प्रकार से बिजली चोरी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर विभाग के द्वारा बिजली चोरी के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। जांच के क्रम में कई घरों में पाया गया कि बकाया रहने के कारण लाईन काट देने के बाद बगैर बकाया राशि जमा किए एवं लाईन जोड़ने का शुल्क जमा किए लाईन जोड़कर उपयोग करने, मीटर के पूर्व तार काटकर बिजली की चोरी करने के कारण उपभोक्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ने अपने क्षेत्र के सम्मानित जनता एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि कृपया अवैध रूप से बिजली की चोरी ना करें, नहीं तो जांच के क्रम में दोषी पाए जाने पर बिजली चोरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा।

रसोईया के निधन पर जताया शोक

नरहट (नवादा)। नरहट प्रखण्ड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय गारो बिगहा नरहट में कार्यरत रसोइया रीता देवी का बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया। प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार ने बताया कि रीता देवी रसोईया के पद पर विद्यालय में 22 वर्षो से कार्यरत थी। यह महिला काफी मृदुल स्वभाव की थी तथा विधालय की सचिव भी रह चुकी थी। रसोईया के निधन पर विद्यालय प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार तथा शिक्षकों और छात्रो ने अपनी गहरी संवेदना प्रकट कर एक मिनट का मौन रख आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। नवसृजित विद्यालय गारो विगहा बेलदारी के प्रधान शिक्षक दीपक कुमार एवं सभी शिक्षक छात्रों ने भी दिवंगत आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की, उन्हें नमन किया।

दिल्ली में आयोजित होने बाली रैली को लेकर माकपा कार्यकर्ताओं ने किया बैठक

नारदीगंज(नवादा) । भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी) द्वारा आहूत आगामी 24 मार्च 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में विराट प्रदर्शन को लेकर नारदीगंज बाजार में बुधवार को एक सभा आयोजित की। अध्यक्षता पार्टी के जिला मंत्री सह सचिव दानी विद्यार्थी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा 24 मार्च 2026 को जन आक्रोश रैली है। यह रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होगी। पांच सूत्री मांगों को लेकर पार्टी प्रदर्शन करेगी। कहा गया तमाम मांगो के साथ बिहार में कार्यरत सभी स्कीम कामगारों ,आंगनबाड़ी ,आशा ,ममता,कुरियर कर्मचारी, मध्यान भोजन रसोइया आदि का स्थायीकरण व 26 हजार रुपये मासिक वेतन की मांग इस राष्ट्रीय रैली की प्रमुख मांग रखी गई है। आप सभी से अपील है कि आगामी 24 मार्च को पार्टी द्वारा आहूत जन आक्रोश रैली में अधिक से अधिक लोग पहुंचे, और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी चट्टानी एकता का परिचय अवश्य दें। मौके पर पार्टी के केंद्रीय कमिटी सचिव ए. आर. सिंधु,बिनोद कुमार,प्रो .नरेश चन्द्र,राकेश कुमार,रामयतन सिंह,राम पड़ी,सुधा सुमन, कांति कुमारी, जर्नादन कुमार समेत अन्य नेताओं ने विचार व्यक्त किये।

बिजली के चपेट में आने से एक भैंस की मौत, महिला सहित दो बच्ची झुलसी

केसरिया, पू.च। एसएच-74 मार्ग के केसरिया टोला के समीप बुधवार को बिजली का तार टूटकर गिरने से एक भैंस की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग महिला समेत दो बच्चियां झुलस कर घायल हो गई। बताया जाता है कि घटना में वीरेन्द्र राम की एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पास में मौजूद 60 वर्षीय बुनिया देवी, सात वर्षीय अंचली कुमारी तथा तीन वर्षीय अंकिता कुमारी बिजली के तार की चपेट में आकर झुलस गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से टूटे तार को जल्द ठीक कराने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

विद्यालयों व आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन पर इंटरफेस कार्यक्रम, बच्चों की सुरक्षा पर जोर

मोतिहारी। जिले के विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की सुरक्षा और आपदा से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को मीना बाजार स्थित नवयुवक पुस्तकालय में इंटरफेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार और बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) द्वारा सेल्सफोर्स के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी) को प्रभावी बनाने को लेकर अधिकारियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत संवाद हुआ। वक्ताओं ने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला बाढ़, आंधी-तूफान, जलजमाव और आगजनी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। ऐसे में विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा प्रबंधन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत जरूरी है।प्रभारी आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने कहा कि विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण और उसका नियमित अभ्यास बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। यदि स्कूल स्तर पर पहले से तैयारी होगी तो आपदा की स्थिति में नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।अग्निशमन विभाग के अमन कुमार ने कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव के लिए विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में जागरूकता, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल का आयोजन जरूरी है। इससे बच्चों और शिक्षकों को आपात स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी मिलती है।इस अवसर पर डॉ. सरिता कुमारी (एचएससी), सपना कुमारी (वरदाहा), मुखिया मोहन सहनी (वरदाहा), ब्रिजेश गिरी, शिक्षक उमेश ठाकुर, दीप नारायण ठाकुर, आंगनवाड़ी सेविका अनिता कुमारी,मैना देवी, मीना देवी सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भगवानपुर मोड़ के समीप अनियंत्रित बाइक सवार ने मारी टक्कर, एक व्यक्ति की हुई मौत

डायल 112 की टीम पहुंची घटनास्थल पर,बाइक सवार घटनास्थल से हुआ फरार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के भगवानपुर मोड़ के समीप बुधवार की देर शाम लगभग 7 बजे एक अनियंत्रित बाइक सवार ने एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में भगवानपुर गांव निवासी किशुन प्रसाद यादव के 70 वर्षीय पुत्र प्रकाश नारायण यादव लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से बाइक सवार को पकड़ा गया एवं मदद हेतु डायल 112 की टीम को बुलाया गया। डायल 112 की टीम में रहे एसआई दिलीप कुमार सिंह पुलिस बलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं घायल प्रकाश नारायण को वाहन में लादकर अस्पताल ले गए। इसी बीच स्थानीय लोगों की हिरासत में रहा बाइक सवार अपनी बाइक लेकर घटनास्थल से भागने में सफल रहा। अस्पताल में ड्यूटी में रही महिला चिकित्सक डॉ. सारिका स्वराज ने बताई कि घायल व्यक्ति की मौत अस्पताल पहुंचने से पूर्व हो चुकी थी। मृत होने की बात सुनने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावे एक बेटा और चार बेटी को छोड़ गए हैं।

घर जाने के क्रम में हुई दुर्घटना :- अस्पताल परिसर में मौजूद परिजनों ने बताया कि प्रकाश नारायण शाम को रजौली से बस पकड़ कर भगवानपुर मोड़ के समीप उतरे थे और सड़क को पार कर गांव वाले रास्ते में जा रहे थे। इसी बीच एक अनियंत्रित बाइक सवार ने प्रकाश नारायण में जोरदार टक्कर मार दी,जिससे वे सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि डायल 112 की टीम द्वारा दोषी बाइक सवार का मोबाइल नम्बर लिया गया है।

चिकित्सक से शिकायत करती पुलिस व परिजन

अस्पताल प्रबंधन पर लगा लापरवाही का आरोप :- अस्पताल परिसर में रहे परिजनों एवं पुलिस बलों ने स्वास्थ्यकर्मियों पर लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया है। पुलिस कर्मियों का कहना है कि वे जब भी दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को लेकर अस्पताल पहुंचते हैं,तो स्वास्थ्यकर्मी उनकी मदद नहीं करते हैं। इस बाबत चिकित्सक द्वारा कहा गया कि प्रबंधन संबंधी शिकायत अस्पताल के प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार से कीजिए,हमलोग अपना कर्तव्य बखूबी निभाते हैं।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :- इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाने में पदस्थापित एएसआई प्रमोद कुमार के साथ पुलिस बलों को अस्पताल भेजा गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेजा जाएगा। साथ ही बताया कि पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

महिला हुई सड़क दुर्घटना की शिकार,डायल 112 की टीम बना हनुमान, अस्पताल में करवाया भर्ती

सड़क पर पड़ी घायल महिला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के एनएच-20 पर छपरा मोड़ के समीप बुधवार की सुबह लगभग 10 बजे एक महिला सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। घायल महिला सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ी थी,जिसपर स्थानीय लोगों की नजर पड़ी,तो उन्होंने डायल 112 की टीम को मदद हेतु बुलाया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने हनुमान बन अज्ञात घायल महिला को अपनी गाड़ी में लादकर अनुमंडलीय अस्पताल ले गई। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. परितोष कुमार ने घायल महिला का इलाज किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल महिला को डायल 112 की टीम द्वारा भर्ती कराया गया था। साथ ही कहा कि घायल महिला विक्षिप्त बताई जा रही है,इस कारण उसका पहचान नहीं हो सका है। घायल महिला का प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है। वहीं डायल 112 की टीम ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल महिला को रजौली बाजार क्षेत्र में घूमते हुए देखा जा रहा था।

इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात महिला के घायल होने की सूचना मिली थी। सूचना के आलोक में चौकीदार की निगरानी में मरीज को नवादा ले जाने को निर्देशित किया गया था,किंतु अस्पताल परिसर में महिला के परिजन भी पहुंच गए थे और वे अपने साथ इलाज के लिए लेकर गए हैं। उन्होंने कहा कि घायल महिला कुम्हरुआ गांव की बताई जा रही है,जो कुछ महीनों से विक्षिप्त है।

उप समाहर्त्ता की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। उप समाहर्त्ता बैंकिंग नवीन कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति-सह-जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित हुई। उप समाहर्त्ता बैंकिंग द्वारा बैठक में जिले में चल रही विभिन्न वित्तीय और विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा हुई :-

कृषि एवं किसान कल्याण – अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक ने किसानों को केसीसी ऋण उपलब्ध कराने की स्थिति, फसल ऋण, पशुपालन एवं मत्स्य पालन ऋण वितरण की प्रगति के बारे में बताया गया। राज्य सरकार द्वारा निर्देशित कृषि ऋण वितरण शिविर सभी प्रखंडों में कल दिनांक-12 मार्च 2026 को आयोजित होना है, जिसमें सभी बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे और शिविर में प्राप्त ऋण आवेदन का शीघ्र निष्पादन करेंगे।

उप समाहर्त्ता बैंकिंग ने सभी बैंकों को निर्देश दिया गया कि जिले में कृषि ऋण को बढ़ावा देने के लिए केसीसी (पशुपालन) एवं केसीसी (मत्स्य) योजना अंतर्गत किसानों को लाभान्वित करें।

स्वरोजगार योजनाएँ :- स्वरोजगार योजना अंतर्गत उप समाहर्त्ता द्वारा सभी बैंकों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में वित्तीय लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शिविर का आयोजन हो रहा है, जिसमें सभी बैंक ज्यादा से ज्यादा ऋण आवेदन का निष्पादन करें जिससे जिले का लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

अग्रणी जिला प्रबंधक श्री मनीष कुमार द्वारा बताया गया कि अभी तक इस योजना में बैंकों द्वारा 68 लक्ष्य के विरूद्ध 61 आवेदनों का निष्पादन हो चुका है। उन्होंने बताया कि पीएमएफएमई योजना अंतर्गत 174 लक्ष्य के विरूद्ध 114 आवेदनों का निष्पादन हो चुका है। सभी बैंकों को निर्देश दिया गया कि लक्ष्य प्राप्ति हेतु ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। इसलिए सभी बैंक उक्त निर्देश का पालन करना सुनिश्चित करेंगे। मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, पीएमईजीपी एवं अन्य स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण वितरण की समीक्षा की गई।

स्वयं सहायता समूह एवं महिला उद्यमिता :- स्वयं सहायता समूहों को बैंकों से जोड़ने और वित्तीय सहायता प्रदान करने की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैंकिंग सेवाओं की सुगमता :- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता, बैंक शाखाओं एवं एटीएम की संख्या बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया।

निदेशक, आरसेटी के द्वारा यह बताया गया कि हमारे यहां से लाभुक ट्रेनिंग लेने के बाद वित्तीय सहायता के अभाव में रोजगार शुरू नहीं कर पाते हैं। अतः सभी बैंकों को निर्देश दिया गया कि स्वरोजगार हेतु जो भी ऋण का आवेदन आरसेटी से जाता है, उसका त्वरित निष्पादन किया जा सके।

♦ जिले में कृषि ऋण को बढ़ावा देने के लिए केसीसी एवं केसीसी योजना अंतर्गत किसानों को लाभान्वित करने का निर्देश

उप समाहर्त्ता बैंकिंग ने उपस्थित बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों, उद्यमियों एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराएँ, ताकि जिले में आर्थिक गतिविधियाँ तेज हों। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण सुनिश्चित करने एवं सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे जनहित में योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करें और जिले के आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान दें।

बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी, आरबीआई के एलडीओ श्री मोहित कुमार, डीडीएम नावार्ड श्री सुशांत रौशन, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, विभागों के अधिकारी एवं अन्य संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मथुरासिनी महोत्सव की भक्ति में डूबा रजौली भव्य शोभायात्रा और देवी जागरण ने बांधा समां

कुलदेवी की आराधना में उमड़ा माहुरी समाज, परंपरा और आधुनिकता के संगम से प्रदर्शित हुई अटूट एकता

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली के स्थानीय बाजार में मंगलवार को माहुरी समाज की कुलदेवी मां मथुरासिनी का जन्मोत्सव अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिसमें भक्ति, शक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर पंचायत स्थित उमा शंकर सेठ के धर्मशाला में आयोजित इस मुख्य समारोह की शुरुआत सुबह मां की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद गाजे-बाजे और ध्वजा-पताकाओं से सुसज्जित एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूरे बाजार भ्रमण के दौरान मां मथुरासिनी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा और समाज के लोगों ने अपनी दुकानें बंद रख इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रजौली माहुरी वैश्य मंडल के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में न केवल स्थानीय बल्कि सिरदला, हरदिया, दिबौर और अमावां जैसे क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समाज की एकजुटता का परिचय दिया।

विधायक और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि के साथ माहुरी समाज के लोग

महोत्सव का आकर्षण केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सांस्कृतिक चेतना और सेवा भाव का भी पुट दिखा। पूजा के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, वहीं सांस्कृतिक मंच पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों ने आपसी नफरत को मिटाकर भाईचारे और प्रेम के सूत्र में बंधने का संकल्प लिया।आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए रजौली विधायक विमल राजवंशी सहित कई नगर पार्षद और जन प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिन्होंने प्रशासन के पुख्ता इंतजामों के बीच मां के दरबार में मत्था टेका। रजौली माहुरी मंडल के नेतृत्व में युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों की सक्रियता ने इस महोत्सव को एक नई ऊंचाई प्रदान की।

श्रद्धालु महिलाओं के लिए यह उत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही विरासत का सम्मान है। स्थानीय श्रद्धालु अनीता भदानी ने बताया कि मां मथुरासिनी को शीतला माता के रूप में पूजा जाता है और होली के दूसरे दिन से ही इसकी तैयारियां शुरू हो जाती हैं। परंपरा के अनुसार, शीतलाष्टमी के दौरान दो दिनों तक अग्नि देव को विश्राम देकर ठंडा भोजन ग्रहण करने का विधान है, जिसे समाज की महिलाएं आज भी निष्ठापूर्वक निभा रही हैं ताकि परिवार निरोग रहे और चेचक जैसी बीमारियों से रक्षा हो सके। संजय प्रसाद कंधवे, उपेन्द्र प्रसाद, नित्यानंद प्रसाद, पवन कुमार, रितेश कंधवे, उज्ज्वल कुमार और उनकी युवा टीम के नेतृत्व में निकली इस शोभायात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि आधुनिक दौर में भी अपनी जड़ों और संस्कृति के प्रति माहुरी समाज का समर्पण अडिग है।

एक साथ 4 जगह चोरी, तीन दुकानों में वेंटिलेटर से घुसे चोर

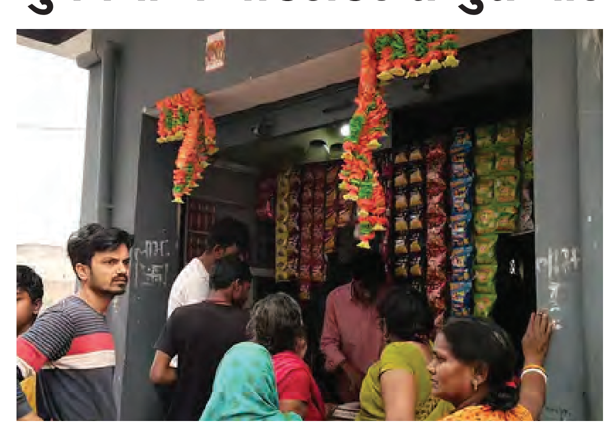

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। बिहार शरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र के मेहरपर मोहल्ले में बीती रात एक साथ 4 जगह चोरी हुई। बदमाशों ने 2 जनरल स्टोर, एक आई हॉस्पिटल और एक सीएसपी (ग्राहक सेवा केंद्र) में चोरी की है। चारों जगहों पर चोरी का पैटर्न बिल्कुल एक समान था, जिससे किसी पेशेवर गिरोह या स्थानीय नशाखोरों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

घटनास्थल का मुआयना करने पर यह बात सामने आई कि बदमाशों ने वेंटिलेटर के रास्ते दुकानों में एंट्री की। मौके पर एक बांस भी बरामद हुआ है, जिसके सहारे बदमाश छत या वेंटिलेटर तक पहुंचे। चोरी के तरीके से स्पष्ट है कि वारदात को अंजाम देने के लिए किसी छोटे बच्चे या बेहद दुबले-पतले युवक का लगाया गया होगा, जो आसानी से वेंटिलेटर की संकरी जगह से दुकान में घुस सके। कै

चोरी श्याम प्रसाद के 'बोल बम जनरल स्टोर', ऋषभ कुमार के 'ऋषभ जनरल स्टोर', चंदन कुमार के 'आई हॉस्पिटल' और मालती देवी के 'दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक सीएसपी सेंटर' में हुई है। बोल बम स्टोर से 5 हजार नगद और 10 डिब्बा सिगरेट, जबकि ऋषभ जनरल स्टोर से 8 हजार नगद, मोबाइल और 40 डिब्बा सिगरेट की चोरी हुई है। आई हॉस्पिटल से 4 हजार और सीएसपी से करीब 1

हजार रुपए की चोरी की गई है।

कैमरों के तार काट दिए: सीएसपी संचालिका मालती देवी ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से मैं बैंक में ज्यादा पैसे नहीं रखती थीं। बदमाशों ने भीतर घुसते ही सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया, ताकि उनकी पहचान न हो सके। मोहल्ले वासियों का आरोप है कि पुलिस की रात्रि गश्ती केवल खानापूर्ति तक सीमित है, जिसका फायदा उठाकर आसपास सक्रिय नशाखोरों का जमावड़ा चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

सीसीटीवी को खंगाला जा रहा: इधर, घटना की सूचना मिलते ही लहेरी थाना अध्यक्ष रंजीत रजक स्वयं दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। उन्होंने बताया कि साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) की टीम को भी बुलाया गया है। थाना अध्यक्ष ने कहा कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और लिखित आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक प्रासंगिक है भारतीय ज्ञान परम्परा कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय की भारतीय ज्ञान परम्परा समिति द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान परम्परा एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य विषयक सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा आज सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने के लिए उसके मूल संदर्भों तथा भारतीय चिंतन परम्परा को जानना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की भारतीय ज्ञान परम्परा समिति द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. ब्रजेश पाण्डेय, प्रो. विमलेश कुमार सिंह, प्रो. श्याम कुमार झा, संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल तथा डॉ. विश्वजीत वर्मन सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अतिथिगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।अतिथियों का स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने भारतीय ज्ञान परम्परा को वेदकालीन परम्परा बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ही भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा का विकास विभिन्न भाषाओं में हुआ है और इसकी जड़ें अत्यंत गहरी हैं।

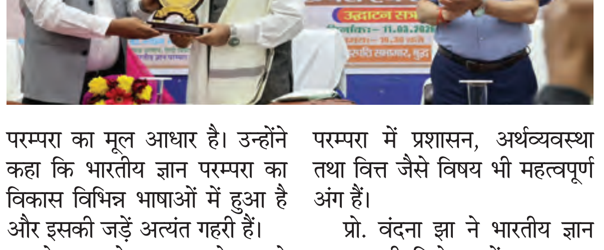

प्रो. ए. के. शरण ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा के विकास के लिए संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में प्रशासन, अर्थव्यवस्था तथा वित्त जैसे विषय भी महत्वपूर्ण अंग हैं।

प्रो. वंदना झा ने भारतीय ज्ञान परम्परा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए महाकवि विद्यापति की प्रसिद्ध पंक्तियों— जनम अवधि हम रूप निहारल... तथा "नंदक नंदन कदंबक तरु तर, धीरे-धीरे मुरली बजाव..." — का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा वह परम्परा है जो मनुष्य को पुनर्जीवित करती है और उसे अपने अस्तित्व को समझने की दिशा प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में कला, संस्कृति और धरोहर की समृद्ध परम्परा समाहित है तथा इसमें पंचमहाभूतों की अवधारणा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि व्यक्ति का बौद्धिक विकास परम्परा के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने भारतीयता की प्रकृति को समझने को भारतीय ज्ञान परम्परा की मूल आधारशिला बताया।प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी, कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा ने तत्त्वमीमांसा के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए ब्रह्माण्ड तथा ज्ञान से विज्ञान की ओर अग्रसर होने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांख्य दर्शन भारतीय ज्ञान परम्परा का महत्वपूर्ण अंग है। साथ ही उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा को कालखण्डों में विभाजित न करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका कहना था कि ज्ञान मनुष्य को भौतिक जगत में व्यवहार करना सिखाता है और भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने के लिए विज्ञान की समझ भी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बबलू पाल ने किया, तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्याम कुमार झा ने प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त समाचार

गया में रसोई गैस की किल्लत से लोग परेशान, बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

गया। शहर में रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के बीच अब इसकी किल्लत भी सामने आने लगी है। समय पर सिलेंडर नहीं मिलने से उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों का कहना है कि बुकिंग कराने के बावजूद गैस की डिलीवरी नहीं हो रही है, जिससे घरों में खाना बनाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। मॉडनपुर स्थित विनय गैस घर पहुंचे उपभोक्ता आकाश ने बताया कि बुकिंग कराने के बाद भी उन्हें समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मोबाइल नंबर के माध्यम से आसानी से बुकिंग हो जाती थी और सिलेंडर भी जल्दी मिल जाता था, लेकिन अब फोन नंबर भी ठीक से नहीं लग रहा है। ऐसे में उपभोक्ताओं को गैस लेने के लिए एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। शहर के निवासी जीतू कुमार ने बताया कि उन्होंने 27 फरवरी को गैस सिलेंडर के लिए बुकिंग कराई थी, लेकिन अब तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। जब उन्होंने एजेंसी से संपर्क किया तो बताया गया कि उनकी बुकिंग ही रद्द हो गई है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

नालंदा से दिल्ली-मुंबई की ट्रेनें फुलःश्रमजीवी के स्लीपर कोच में 5 अप्रैल तक लंबी वेटिंग

नालन्दा। होली के बाद काम पर लौटने वाले यात्रियों की परेशानियां बढ़ गई है। नालंदा से देश के 2 बड़े महानगरों, दिल्ली-मुंबई जाने वाली तमाम प्रमुख ट्रेनें पूरी तरह से फुल है। आरक्षण काउंटरों से लकेर ऑनलाइन पॉर्टल तक लंबी वेटिंग लिस्ट है। राजगीर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली जाने वाली जिले की लाइफलाइन मानी जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस की स्थिति सबसे खराब है। इस ट्रेन के स्लीपर कोच में 5 अप्रैल तक लंबी वेटिंग चल रही है। वहीं, इस्लामपुर से नई दिल्ली जाने वाली मगध एक्सप्रेस में भी 30 मार्च तक पैर रखने की जगह नहीं है। दिल्ली के साथ-साथ मुंबई जाने वालों को भी राहत नहीं मिल रही है। राजगीर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) जाने वाली जनता एक्सप्रेस में 29 मार्च तक सभी सीटें फुल हैं और वेटिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। एसी कोच की भी यही स्थिति है। पर्व-त्योहारों के मौके पर यात्रियों का दबाव इतना अधिक है कि ट्रेनों के स्लीपर और थर्ड एसी कोच की स्थिति भी जनरल कोच जैसी हो गई है। जनरल बोगी तो साल भर अपनी क्षमता से अधिक भरी रहती ही हैं, लेकिन फिलहाल आरक्षित कोचों में भी गैलरी और गेट के पास बैठकर यात्रा करने की मजबूरी दिख रही है। रेल प्रशासन की ओर से यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पटना से महानगरों के लिए कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हालांकि, जिला मुख्यालय और आसपास के यात्रियों का कहना है कि इन स्पेशल ट्रेनों में भी मारामारी कम नहीं है। स्थानीय लोगों की मांग है कि भीड़ को देखते हुए प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएं ताकि आम जनता को कुछ राहत मिल सके। फिलहाल, जो यात्री पहले से टिकट बुक नहीं करा पाए थे, वे अब तत्काल टिकट या स्पेशल ट्रेनों के भरोसे अपनी यात्रा की योजना बना रहे हैं।

सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा विस्तार, हर बीमारी के लिए होगा अलग ओपीडी

15 मार्च से पुराने इमरजेंसी भवन में शुरू होगी सुविधा

नालन्दा। बिहारशरीफ सदर अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की बढ़ती संख्या और बेहतर उपचार की सुविधा को देखते हुए ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) सेवाओं के विकेंद्रीकरण का निर्णय लिया है। अब अस्पताल में हर रोग के विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए अलग-अलग ओपीडी कक्ष निर्धारित किए जाएंगे, जिससे मरीजों को लंबी कतारों और अफरा-तफरी से मुक्ति मिलेगी। इस नई व्यवस्था के संचालन के लिए सदर अस्पताल के पुराने इमरजेंसी वार्ड के भवन का कायाकल्प कर उसे इस्तेमाल में लाया जाएगा। सदर अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक (डीएस) डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि इस नई पहल को जमीन पर उतारने की तैयारी अंतिम चरण में है और पूरी संभावना है कि 15 मार्च से यह सेवा विधिवत रूप से शुरू हो जाएगी। वर्तमान में सदर अस्पताल के मॉडल भवन में संयुक्त ओपीडी सेवा संचालित होती है, जहां एक ही छत के नीचे विभिन्न रोगों के मरीज परामर्श लेते हैं। हालांकि, महिला रोगियों के लिए वर्तमान में भी अलग ओपीडी की व्यवस्था बहाल है, लेकिन अब अन्य सभी विभागों को भी स्वतंत्र केबिन आवंटित किए जाएंगे। नई कार्ययोजना के अनुसार, मेडिसिन, सर्जरी, ईएनटी (नाक-कान-गला), नेत्र रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग और सिजेरियन परामर्श के लिए अलग-अलग केबिन बनाए जा रहे हैं। फिजिशियन और अन्य संवर्ग के विशेषज्ञ भी अपने निर्धारित कक्षों में बैठेंगे, जिससे संबंधित बीमारी के मरीजों को सीधे अपने डॉक्टर तक पहुंचने में आसानी होगी। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि इस बदलाव से न केवल मरीजों के परीक्षण और उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि भीड़ प्रबंधन में भी बड़ी मदद मिलेगी। 15 मार्च से शुरू होने वाली इस कवायद को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों के बीच उत्साह देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा में घोषित योजनाओं की समीक्षा डीएम ने समय सीमा में काम पूरा करने का दिया निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान गया जिले के विकास के लिए की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने कलेक्ट्रेट स्थित सभा कक्ष में समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारियों के साथ योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने अपर समाहर्ता (राजस्व) और संबंधित विभागों के अधिकारियों को भूमि अर्जन की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा करने का निर्देश दिया, ताकि विकास योजनाओं को जल्द से जल्द जमीन पर उतारा जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी परियोजनाओं में हर हाल में प्रगति दिखाई देनी चाहिए और कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि 13 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान गया जिले के विकास के लिए 13 महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थीं, जिन्हें राज्य सरकार की ओर से स्वीकृति भी मिल चुकी है। इन योजनाओं में इमामगंज प्रखंड

में मोरहर नदी पर कोठी वीयर का निर्माण, लावावार और सोनदाहा बांधों का जीर्णोद्धार, बसतपुर वीयर से लोदीपुर तक पईन का जीर्णोद्धार और पुलिया का चौड़ीकरण शामिल है। इसके अलावा घुघरीटांड़ और मुफस्सिल मोड़ पर दो फ्लाईओवर का निर्माण, गया-परैया-गुरारू होते हुए औरंगाबाद-रफीगंज सड़क का चौड़ीकरण तथा कोठी से सलैया होते हुए झारखंड को जोड़ने वाली सड़क के विस्तार का कार्य भी प्रस्तावित है। इनके अलावा बेल्थू गांव में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय का निर्माण, कंडी नवादा और सिलौंजा में दो पार्कों का निर्माण तथा 14 प्रखंडों में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन बनाने की योजना भी शामिल है। साथ ही गया रेलवे स्टेशन से रामशिला जाने वाले मार्ग पर रेल ओवरब्रिज का निर्माण, बेला-पनारी रोड से शाकिर बिगहा तक सड़क चौड़ीकरण, बांकेबाजार के बारा गांव में पुल निर्माण और इमामगंज में डिग्री कॉलेज की स्थापना भी प्रस्तावित परियोजनाओं में शामिल है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं को पूरी जिम्मेदारी के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि जिले के लोगों को इन विकास कार्यों का लाभ जल्द मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता (राजस्व) परितोष कुमार, वरीय उप समाहर्ता धनराज कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और अभियंता उपस्थित थे।

वजीरगंज में मथुरासिनी पूजा महोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार हुए शामिल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

वजीरगंज। माहुरी वैश्य समाज की कुलदेवी माँ मथुरासिनी के नौवें वार्षिक पूजा महोत्सव के अवसर पर हर वर्ष की भांति आज भी वजीरगंज नगर में एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में बिहार विधानसभा के माननीय अध्यक्ष सह गया के लोकप्रिय विधायक डॉ. प्रेम कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा के वजीरगंज पहुँचने पर माहुरी वैश्य मंडल के पदाधिकारियों और मथुरासिनी पूजा समिति के सदस्यों ने माननीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच पदाधिकारियों ने माला और अंगवस्त्र पहनाकर उनकी अगवानी की।

शोभायात्रा के दौरान माहुरी समाज के स्त्री पुरुष और बच्चों के जय माँ मथुरासिनी.. के जयकारों से पूरा वजीरगंज गुंजायमान रहा। डॉ. प्रेम कुमार ने समाज के लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर पदयात्रा की और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, पारंपरिक नृत्य और संगीत ने श्रद्धालुओं और विधानसभा अध्यक्ष का मन मोह लिया।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि माँ मथुरासिनी की कृपा से समाज में एकता, शांति और समृद्धि बनी रहे। माहुरी वैश्य समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है और यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करता है। उन्होंने शांतिपूर्ण, भव्य और व्यवस्थित आयोजन के लिए पूजा समिति की सराहना भी की।

कार्यक्रम में माहुरी वैश्य मंडल के पदाधिकारियों सहित मथुरासिनी पूजा समिति के समस्त पदाधिकारी, भारी संख्या में पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद रहा। विधि व्यवस्था एवं यातायात की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उनके सहयोग की जितनी प्रशंसा की जाय कम है। मथुरासिनी पूजा समिति के सदस्य मनोज कुमार ने बताया कि रात्रि में समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

बाराचट्टी में 'स्वच्छ गांव–समृद्ध गांव' अभियान की समीक्षा, 31 मार्च तक 181 सोख्ता निर्माण का लक्ष्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बाराचट्टी, गया। प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा भवन में "स्वच्छ गांव–समृद्ध गांव" अभियान के तहत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला जल एवं स्वच्छता समिति के निर्देश पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक कुमार आशीष ने की। इस दौरान प्रखंड स्वच्छता प्रवेक्षक संजय कुमार ने सभी पंचायत स्वच्छता प्रवेक्षकों को प्रतिदिन स्वच्छता कार्यों की ऑनलाइन रिपोर्ट भेजना अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में स्वच्छता से जुड़े कार्य नहीं हो रहे हैं, वहां स्वच्छता कर्मियों को सक्रिय होकर काम करना होगा और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि जिन स्थानों पर पानी का जमाव हो रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सोख्ता का निर्माण कराया जाएगा। प्रखंड की सभी 13 पंचायतों में कुल 181 सोख्ता निर्माण

का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 47 सोख्ता का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य हर हाल में 31 मार्च तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि निर्माण कार्य पूरा होते ही भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अधिकारियों ने अगले तीन दिनों के भीतर पंचायत स्तर पर उपयुक्त स्थल चयन कर उसकी सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निजी भूमि पर सोख्ता निर्माण के लिए भूमि मालिक की सहमति लेना अनिवार्य बताया गया है। साथ ही पहले से बने सोख्ता का निरीक्षण करने और बाजार क्षेत्रों में सामुदायिक कचरा डस्टबिन लगाने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में बाजार क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सफाई शुल्क बढ़ाने पर भी विचार किया गया। इसके अलावा डब्ल्यू पीओ केंद्रों पर कम्पोस्ट तैयार करने और कचरा प्रबंधन को व्यवस्थित करने की दिशा में भी कदम उठाने की बात कही गई। अधिकारियों ने पंचायतों में सोख्ता, आउटलेट और सामुदायिक डस्टबिन लगाने के लिए उपयुक्त स्थानों का चयन करने का निर्देश दिया। साथ ही हर महीने गांवों में स्वच्छता बैठक आयोजित करने तथा सक्षम लोगों, जनप्रतिनिधियों, सरकारी कर्मियों और समृद्ध किसानों से उपयोगिता शुल्क लेने की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया। बैठक में प्रमुख प्रतिनिधि जगदीश यादव सहित विभिन्न पंचायतों के मुखिया और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इमामगंज में विधवा महिला हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, देवर समेत दो गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

इमामगंज। थाना क्षेत्र के नगवां पंचायत स्थित झिलमिलवा पहाड़ी के पास नाला से बरामद 20 वर्षीय विधवा महिला के क्षत-विक्षत शव मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने मृतका के देवर समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों में उजियार बहेरा गांव निवासी आदित्य कुमार, जो मृतका का देवर है, तथा बेदौली गांव निवासी गोलू कुमार शामिल हैं। इस संबंध में इमामगंज थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ कमलेश कुमार ने मामले की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मृतका की मां शांति देवी ने 9 मार्च को अपनी पुत्री समुद्री देवी के लापता होने और अपहरण की आशंका को लेकर इमामगंज थाना में

प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामला दर्ज होते ही पुलिस सक्रिय हो गई और इसकी सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार को दी गई। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर एसडीपीओ कमलेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई, जिसमें थानाध्यक्ष अमित कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मृतका के देवर आदित्य कुमार ने 3 मार्च को फोन कर उसे रानीगंज बुलाया था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि झिलमिलवा जंगल क्षेत्र के पहाड़ी नाला में एक महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पूछताछ के दौरान मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद मृतका और उसके देवर आदित्य कुमार के बीच नजदीकी संबंध हो गए थे। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद आदित्य कुमार ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर 3 मार्च को समुद्री देवी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए आरोपितों ने शव को झिलमिलवा जंगल के नाला में फेंक दिया। शव को जल्द गलाने के उद्देश्य से उस पर नमक भी डाला गया और उसे खर-पतवार से ढंक दिया गया, ताकि किसी को घटना की जानकारी न मिल सके। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। वहीं इस मामले में शामिल तीसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार, एसआई ममता कुमारी, पवन कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में पहली बार शामिल हुई बावनबूटी साड़ी

युवाओं के पास 15 मार्च तक मौका, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा की ऐतिहासिक पहचान और विश्व प्रसिद्ध 'बावनबूटी साड़ी' के सुनहरे दिन अब बहुरने वाले हैं। राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में पहली बार बावनबूटी साड़ी उद्योग को आधिकारिक तौर पर शामिल किया है। सरकार के इस कदम से जिले में दम तोड़ते हस्तकरघा उद्योग को न केवल नई रफ्तार मिलेगी, बल्कि यहां के पारंपरिक बुनकरों को भी अपने पुश्तैनी कारोबार को आधुनिक ढंग से विस्तार देने और आत्मनिर्भर बनने में बड़ी मदद मिलेगी।

इस बार योजना का दायरा बढ़ाते हुए सरकार ने युवाओं को पहले के 51 के मुकाबले अब कुल 74 प्रकार के लघु उद्योग लगाने का विकल्प दिया है, जिससे स्वरोजगार के क्षेत्र में विविधता आएगी। शिक्षित युवाओं और इच्छुक उद्यमियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित की गई है।

10 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगीः इस योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को अपना नया स्टार्टअप या लघु उद्योग स्थापित करने के लिए कुल 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना की सबसे आकर्षक कड़ी यह है कि इस राशि का 50 प्रतिशत यानी 5 लाख रुपए सीधे तौर पर अनुदान (सब्सिडी) के रूप में होगा, जिसे लौटाने की आवश्यकता नहीं होगी। शेष 50 प्रतिशत राशि बिना किसी ब्याज के ऋण के रूप में दी जाएगी, जिसे लाभार्थियों को 7 वर्षों की आसान किस्तों में वापस करना होगा। इस वर्ष जिले में कुल 253 लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 30 प्रतिशत आवेदकों को प्रतीक्षा सूची में सुरक्षित रखा जाएगा।

योजना की श्रेणियों में भी बदलाव किया गया हैः सामाजिक समावेश को और मजबूती देते हुए इस बार योजना की श्रेणियों में भी बदलाव किया गया है। पूर्व में जहां एससी-एसटी, अति पिछड़ा, युवा, महिला और अल्पसंख्यक जैसी पांच श्रेणियों में आवेदन लिए जाते थे, वहीं अब दिव्यांगजनों के लिए एक अलग छठी कैटेगरी बनाई गई है।

आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को मैट्रिक और इंटर के प्रमाणपत्रों के साथ-साथ जाति, आवासीय, आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो जैसे अनिवार्य दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। जिला उद्योग विभाग के महाप्रबंधक सचिन कुमार ने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए यह योजना एक मील का पत्थर है। उन्होंने जिले के बेरोजगार शिक्षित युवाओं से अपील की है कि वे अपनी पसंद के सर्विस या मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का चयन कर 15 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

राजगीर में सजेगा साहित्य का महाकुंभ, 12 मार्च से शुरू होगा नालंदा अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव, संगीत की सुरीली प्रस्तुति दी जाएगी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को वैश्विक पटल पर पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आने वाले 12 से 14 मार्च तक राजगीर अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 'नालंदा अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 2026' का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समागम में देश-विदेश के प्रख्यात लेखक, विद्वान, पत्रकार और सांस्कृतिक हस्तियां जुटेंगी, जो साहित्य, इतिहास, दर्शन और आधुनिक तकनीक जैसे विविध विषयों पर मंथन करेंगे। आयोजन का मुख्य आकर्षण प्राचीन भारतीय बौद्धिक संस्कृति को समकालीन विमर्श से जोड़ना है, जिसमें संवाद

सत्रों के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और कवि सम्मेलन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। महोत्सव का औपचारिक शंखनाद 12 मार्च को अपराह्न 3 बजे एम्फीथिएटर में उद्घाटन सत्र के साथ होगा। उद्घाटन के बाद पहले दिन '21वीं सदी में नालंदा का महत्व' विषय पर डॉ. कविता शर्मा और डॉ. आनंद सिंह जैसे विद्वान अपने विचार रखेंगे। इसके तुरंत बाद प्राचीन भारत की बहस और संवाद परंपरा पर केंद्रित सत्र में वरिष्ठ पत्रकार ओम थानवी और लेखिका क्षमा कौल हिस्सा लेंगी।

सुरीली संगीत प्रस्तुति दी जाएगीः पहले दिन की शाम प्रसिद्ध कलाकार रंजना झा की सुरीली संगीत प्रस्तुति के साथ संपन्न होगी, जो आगंतुकों को बिहार की लोक संस्कृति से रूबरू कराएगी। कार्यक्रम के दूसरे दिन, 13 मार्च को चर्चा का केंद्र प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और क्षेत्रीय साहित्य का वैश्विक संदर्भ रहेगा। इस दौरान विकास वैभव, गुरु प्रकाश पासवान और नीलोत्पल मृणाल जैसे वक्ता साहित्य और समाज के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालेंगे। विशेष रूप से 'बिहार की पहचान निर्माण में मीडिया की भूमिका' जैसे समसामयिक विषयों पर भी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पत्रकारिता जगत के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। यह दिन पूरी तरह से अकादमिक विमर्श और सामाजिक सरोकारों को समर्पित होगा।

सिनेमा और तकनीक का संगम दिखेगाः महोत्सव के अंतिम दिन, 14 मार्च को सिनेमा और तकनीक का संगम देखने को मिलेगा। दिग्गज अभिनेता अमोल पालेकर एक विशेष सत्र में सिनेमाई अनुभवों को साझा करेंगे, वहीं 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और नालंदा की शिक्षण परंपरा' जैसे आधुनिक विषयों पर भी गंभीर चर्चा होगी। आयोजन का समापन एक भव्य कवि सम्मेलन के साथ होगा, जिसमें संजीव मुकेश और प्रतीक गुप्ता सहित कई चर्चित कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। आयोजकों ने इस बौद्धिक महाकुंभ में व्यापक जन-भागीदारी की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

रैंकिंग में राजपुर अंचल का हुआ जबरदस्त सुधार वर्तमान अंचलाधिकारी निपटा रहे हैं तेजी से पेंडिंग कार्य

राजपुर। रैंकिंग में राजपुर अंचल का हुआ जबरदस्त सुधार हुआ है.बिहार अंतर्गत कुल 534 जिलों में राजपुर अंचल की स्थिति में तेजी से सुधार होकर अब 40 वें नम्बर पर आ गया है. कुछ दिनों पूर्व कार्य रैंकिंग में राजपुर 530 वें नंबर पर चला गया था.लेकिन कुछ माह में पेंडिंग कार्य तेजी से निपटाने जाने के कारण सुधार हुआ है. अंचलाधिकारी पिंटू कुमार चौधरी ने बताया कि रैयतों के राजस्व संबंधित कार्यों को तेजी से निपटने का प्रयास जारी है.जिसका नतीजा है कि अक्टूबर महीना में रैंकिंग में सुधार होकर 197 पर चला गया.नवम्बर में चुनाव के दौरान शिविर के महा अभियान के दौरान कुल 812 नया आवेदन रैयतों का दर्ज हुआ था. अभियान रैन बसेरा सर्वे के दौरान कुल 14 नये भूमिहीनों का नाम जोडा गया था.जिस कारण नवम्बर महिने में 264 वें नम्बर पर रैंकिंग दर्ज हुआ था.दिसम्बर 2025 से फरवरी महिने तक तेजी से काम निपटाया गया है.

थाना में एफआईआर दर्ज मारपीट के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार गया जेल

सूर्यपुरा/ रोहतास। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुसुम्हरा में हुए मारपीट मामले में प्रथम पक्ष के तरफ से धर्मशीला देवी और दूसरे पक्ष के अशोक चौधरी पिता नरसिंह बिंद ने प्राथमिकी दर्ज कराया है । जिसमें अशोक चौधरी का सिर फट गया था, इन्ही के द्वारा दर्ज कराए गए कांड के प्राथमिकी नामजद अभियुक्त गोपाल कुमार पिता सुरेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया,जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने दी ।

गमन के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार गया जेल

रोहतास। जिले के नटवार थाना की पुलिस ने गबन से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है । यह कार्रवाई थाना में पहले से दर्ज कांड संख्या 140/24 के आलोक में की गई है । थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धर्मपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसीरीत केशो सिंह टोला निवासी संजय कुमार सिंह की पत्नी नम्रता कुमारी को नोखा बाजार से गिरफ्तार किया । गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।पुलिस के अनुसार इसी मामले में नम्रता कुमारी के पति संजय कुमार सिंह तथा उनके ससुर को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है और दोनों अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं । थानाध्यक्ष ने बताया कि गबन के इस मामले में अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है । पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच पड़ताल की जा रही है ।

पेड़ों से झरते पीले और भूरे पत्ते सड़कों,गलियों और बाग-बगीचों में मानो सुनहरी चादर बिछा रहे

सासाराम /रोहतास। इलाके में पतझड़ का मौसम अब पूरी तरह महसूस होने लगा है । पेड़ों से झरते पीले और भूरे पत्ते सड़कों,गलियों और बाग-बगीचों में मानो सुनहरी चादर बिछा रहे हैं । हल्की हवा के साथ पत्तों की सरसराहट वातावरण में एक अलग ही सुकून और सौंदर्य घोल रही है । जिसे देखकर लोग प्रकृति के इस अद्भुत रूप को निहारने को मजबूर हो जाते हैं ।सुबह और शाम के समय पार्कों और खुले मैदानों में टहलने वाले लोगों को पतझड़ का यह दृश्य खास तौर पर आकर्षित कर रहा है । पेड़ों से लगातार गिरते पत्ते यह संकेत दे रहे हैं कि प्रकृति अपने पुराने रूप को विदा देकर नई शुरुआत की तैयारी कर रही है ।पर्यावरण विशेषज्ञ बताते हैं कि पतझड़ केवल पत्तों के गिरने का मौसम नहीं,बल्कि प्रकृति के संतुलन और पुनर्जन्म की प्रक्रिया का अहम चरण है । इस दौरान पेड़ पुराने पत्तों को त्यागकर अपनी ऊर्जा बचाते हैं,जिससे आने वाले मौसम में नई कोंपलें और हरियाली जन्म ले सके । ग्रामीण क्षेत्रों में भी पतझड़ का अलग ही महत्व है । किसान मानते हैं कि यह मौसम बदलाव का संकेत लेकर आता है । पतझड़ के बाद धीरे- धीरे बसंत का आगमन होता है और खेतों में नई फसलों की तैयारी शुरू हो जाती है । पतझड़ हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में बदलाव स्वाभाविक है । जैसे पेड़ अपने पुराने पत्तों को गिराकर नए जीवन का स्वागत करते हैं,वैसे ही हर अंत अपने साथ एक नई शुरुआत की संभावना लेकर आता है ।

दादी हृदय मोहिनी का 5 वॉ स्मृति दिवस मनाया गया

केसरिया, पू.च। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के केसरिया स्थित दिव्य अनुभूति भवन सेवा केंद्र में बुधवार को राजयोगिनी दादी हृदय मोहिनी का 5 वां स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भाई-बहनों ने दादी हृदय मोहिनी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संबोधित करते हुए केंद्र प्रभारी बीके मनोरमा दीदी ने कहा कि दादी हृदय मोहिनी का जीवन सेवा, त्याग और आध्यात्मिक मूल्यों से प्रेरित था। उन्होंने राजयोग के माध्यम से लाखों लोगों को सकारात्मक जीवन जीने की राह दिखाई। उनका सादा जीवन और उच्च विचार आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलकर समाज में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मौके पर बीके पवन भाई, जयप्रकाश भाई, बीके अमृता बहन, बीके चंदना बहन, बीके शिरस्ती बहन, बीके बिपिन भाई सहित अन्य मौजूद थे।

आगामी 14 मार्च को लोक अदालत आयोजित जागरूकता अभियान को लेकर हरी झंडी दिखाई गई

मोतिहारी। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14 मार्च 2026 के सफल आयोजन के उद्देश्य से 11 मार्च 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान के तहत प्रचार रथ को रवाना किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार मोतिहारी अभिषेक कुमार दास एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नितिन त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया गया।यह प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, न्यायालय परिसरों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व, इसके लाभ तथा इसमें निःशुल्क एवं त्वरित न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करेगा। इस रथ के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी जाएगी कि लोक अदालत में आपसी सहमति से विवादों का निपटारा कर समय, धन और श्रम की बचत की जा सकती है।इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय इसरार अहमद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद अरुण कुमार सिन्हा कमलेश मिश्रा, ब्रजेश कुमार, मुकुंद कुमार, रेशमा वर्मा एवं ऋचा भार्गव, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रसेनजीत सिंह, राहुल रंजन, श्वेता सिंह, गरिमा रानी एवं अविनाश कुमार सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।साथ ही इस अवसर पर अग्रणी बैंक के प्रबंधक राजेंद्र पांडे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय प्राप्ति का एक सशक्त एवं प्रभावी माध्यम है, जिसमें लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामलों का निपटारा कर इस व्यवस्था का लाभ उठाएं।सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नितिन त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, बीमा दावा, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, विद्युत एवं दूरसंचार बिल, चेक बाउंस, राजस्व एवं अन्य सुलह योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने सभी वादकारियों से अनुरोध किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का आपसी सहमति से निपटारा कराएं।

रोहतास में घरेलू गैस की कालाबाजारी पर प्रशासन की कार्रवाई, 10 सिलेंडर जब्त, दो गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बरामद गैस सिलेंडर

सासाराम। ईरान-इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। एक ओर जहां गैस सिलेंडर की कमी के कारण उपभोक्ता एजेंसियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ मुनाफाखोर कालाबाजारी कर स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इसे देखते हुए बिहार पुलिस मुख्यालय ने एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए सभी जिलों के डीएम और एसपी को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

इसी क्रम में रोहतास जिला प्रशासन ने घरेलू गैस की कालाबाजारी की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए बुधवार को सासाराम शहर के जक्की शहीद मोहल्ले में छापेमारी की। एसडीएम नेहा कुमारी के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान एक घर से 10 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पकड़ा गया। प्रशासन की टीम ने सभी सिलेंडरों को मौके पर ही जब्त कर लिया।

छापेमारी के दौरान वहां से रिजवान और कामरान नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मार्केटिंग ऑफिसर राजदीप कुमार ने बताया कि जिस घर में किराने की दुकान चल रही थी, वहीं से अवैध रूप से रखे गए भरे और खाली गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं। साथ ही उपभोक्ताओं की पासबुक भी बरामद हुई है, जिससे कालाबाजारी के नेटवर्क की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में अन्य ठिकानों की भी तलाश की जा रही है और शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने गैस की कालाबाजारी को लेकर नाराजगी भी जताई।

इस संबंध में एसडीएम नेहा कुमारी ने कहा कि जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि गैस की कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वहीं दूसरी ओर कई उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग को लेकर भी परेशानी जताई है। उनका कहना है कि एजेंसी द्वारा जारी किया गया बुकिंग नंबर अक्सर नहीं लगता, जिससे गैस बुक कराने में दिक्कत हो रही है और लोगों को बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्र चेतना बढ़ाने के लिए आगे आया प्रज्ञा प्रवाह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। प्रज्ञा प्रवाह बिक्रमगंज जिला के अंतर्गत 8 मार्च से 23 मार्च तक कुल 15 दिनों का संपर्क अभियान शुरू किया है। जिसका मुख्य उद्देश्य अपने समाज में मौजूद सज्जन शक्ति को पहचाना तथा सम्मान देना है। इसी कड़ी में उत्तर पूर्व क्षेत्र संयोजक श्रीमान देवब्रत प्रसाद (प्रज्ञा प्रवाह) जी का आगमन अपने बिक्रमगंज में प्रवास के दौरान हुआ। इस अभियान के अंतर्गत प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल के संरक्षिका श्रीमती संगीता शर्मा, विद्यालय के निदेशक श्री अभिजीत आनन्द, अभिषेक कुमार (रेलवे), अंजावित सिंह महाविद्यालय में डॉ रविकांत पाण्डेय, डॉ रिंकी तथा इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद कुमार सिंह, उप प्राचार्य उमेश्वर सिंह, डॉ रविन्द्र सिंह, धीरेन्द्र सिंह सहित कई विद्वानों मिलकर संपर्क किया गया। इस दौरान विभाग संयोजक डॉ अरुण कुमार, जिला संयोजक डॉ दिलीप कुमार तथा सह संयोजक श्री अजय शंकर तिवारी उपस्थित थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सेक्रेटरी बने अमित कुमार 'आर्या'

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम /रोहतास। चैंबर ऑफ कॉमर्स रोहतास इकाई के द्वारा समाजसेवी एवं युवा उद्यमी अमित कुमार आर्या' को संस्था का सेक्रेटरी मनोनीत किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए उन्होंने संस्था के जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद प्रसाद के साथ साथ सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। नवमनोनीत सेक्रेटरी अमित कुमार 'आर्या' ने कहा कि यह पद उनके लिए केवल एक दायित्व नहीं बल्कि संस्था द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स का मुख्य उद्देश्य जिले के व्यापार और उद्योग को सशक्त बनाना, व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा युवाओं को व्यापार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि यह संस्था सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करती रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, जनसेवा, राहत कार्य तथा विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से चैंबर ऑफ कॉमर्स समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। अमित कुमार आर्या ने कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा व्यापारियों और समाज के हित में कार्य करने का प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि संस्था के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर मिलता रहेगा, जिससे रोहतास जिले के व्यापार, उद्योग और समाज के विकास में और अधिक योगदान दिया जा सकेगा।

आपको बताते चले कि श्री आर्या वर्तमान में सासाराम व्यापार मंडल के अध्यक्ष भी हैं, साथ ही लायंस क्लब ऑफ सासाराम, नया सवेरा शिक्षा संस्थान जैसे सामाजिक संस्था के साथ भी जुड़ कर समाज हित में काम करते रहते हैं तथा उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए ही उन्हें एक नए दायित्व कि जिम्मेदारी सौपी गयी है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए एक बार फिर चैंबर ऑफ कॉमर्स परिवार के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया हैं।

तिलौथू में विकास की अनोखी मिसालः सड़क बनी, टूटी और अब झील का आनंद!

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

तिलौथू का सबसे चर्चित स्थान—स्टेट बैंक के सामने का इलाका—आजकल अपने "विकास मॉडल" को लेकर खूब चर्चा में है। यहां हजारों लोगों की आवाजाही होती है, आसपास स्कूल, बैंक, पोस्ट ऑफिस और दर्जनों दुकानें हैं, जिन्हें तिलौथू की शान कहा जाता है। लेकिन फिलहाल यह इलाका विकास से ज्यादा नाले, पानी और मच्छरों की खुशबू के लिए प्रसिद्ध होता जा रहा है।

दो साल पहले जिस समस्या से लोग परेशान थे, वही समस्या आज फिर पूरी शान से लौट आई है। सड़क बनाई गई, लेकिन अब उसी सड़क को तोड़कर नाला बनाया जा रहा है। उसके बाद नल-जल योजना का पाइप डालने के लिए फिर खुदाई होगी। और कुछ साल बाद नई सड़क का टेंडर आएगा, फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाएगी। मानो यह हर पांच साल में चलने वाला विकास का स्थायी चक्र हो।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां विरोध भी नहीं होता। आखिर तिलौथू के लोग पढ़े-लिखे और समझदार हैं—उन्हें पता है कि विकास का यह मॉडल बिना आवाज उठाए ही चलता है। इधर सड़क बनाने वाली कंपनी अपना "कारनामा" दिखाकर आगे बढ़ चुकी है। ठेकेदार मालामाल हो चुका है, जबकि स्थानीय लोग फिर उसी समस्या से जूझ रहे हैं। नतीजा यह कि स्टेट बैंक के सामने का नाला अब छोटी सी झील का रूप ले चुका है, जहां मच्छरों की फौज और गंदे पानी की महक लोगों का स्वागत कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास इतने महत्वपूर्ण संस्थान होने के बावजूद अगर यही हाल रहा, तो आने वाले समय में तिलौथू का यह इलाका शायद विकास से ज्यादा बदहाली का प्रतीक बन जाएगा।

फिलहाल सवाल वही है— क्या यह विकास है या विकास के नाम पर चल रही एक अंतहीन कहानी?

रामनवमी त्योहार को लेकर जगन्नाथ मठ के संतो को किया गया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ मठ के संतों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया

राजपुर। राजपुर अमरपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी मठ परिसर में रामनवमी का त्योहार भव्य तरके से मनाये जाने को लेकर बुधवार को बंगलोर लक्ष्मी नारायण मंदिर के संत धरनीधर रामाचार्य स्वामी एवं माजसेवियों द्वारा मठ के संतों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. इस दौरान मठाधिश्वर सुदर्शनाचार्य जी को संतो द्वारा कई तरह के भेट आदी प्रदान कर सम्मानित किया.

मौके पर मौजूद शशिकान्त तिवारी उर्फ घुरहु बाबा अंजनी सवामी ने बताया कि रामनवमी की शुरुआत 19 मार्च से हो रहा है. जिसका समापन 27 मार्च को पुर्णाहुती के साथ सम्पन्न होगा. इस दौरान प्रतिदिन श्री रामचरितमानस का पाठ साधु संतों द्वारा किया जायेगा.रोज भगवान को नूतन प्रसाद का भोग समर्पित किया जायेगा.बाहर से आये संतों द्वारा आज गुरूवार 12 मार्च को भगवान जगन्नाथ जी को मालपुआ का भोग लगाते हुए सैकडों संतो को प्रसाद पवाया जायेगा.

मौके पर डिहरी ऑन सोन मठ के संत त्रिदंडी रंगनाथाचार्य, शशिकान्त तिवारी उर्फ घुरहु बाबा, सेवानिवृत्त शिक्षक समाजससेवी श्यामजी तिवारी, संतोष सोनी, बडन दुबे, पवना पवार के साधु विजय सिंह जी, संत बिलास उर्फ बंगाली डाक्टर, बीरेन्द्र जी, मदनमोहन तिवारी, शनि वर्मा, भाई जयराम सिंह अकेला, कृष्णा सिंह यादव समेत अन्य मौजूद रहे.

पुलिस ने अज्ञात शव की बरामद शव की नहीं हो पाई पहचान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

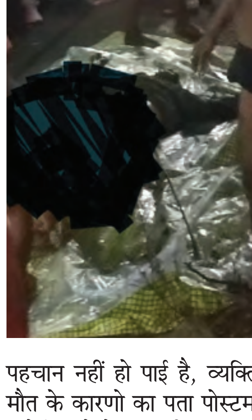

कोचस (रोहतास)। परसथुआ थाना क्षेत्र के शेख बहुआरा गांव के निकट नहर से मंगलवार की देर शाम सड़ा गला अवस्था मे एक व्यक्ति के शव को पुलिस ने बरामद किया है। शव मिलने की सूचना के बाद इलाके मे सनसनी फैल गई तथा देखते देखते लोगो की काफी भीड जुट गई।

इसकी जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष रामचंद्र चौपाल ने बताया कि उक्त गांव के लोग बीते शाम को नाहर के तरफ टहलने गए थे तभी देखा कि नाहर के पानी मे एक व्यक्ति का शव सड़ा गला अवस्था में दुर्गंध देते हुए तैर रहा है, तभी इसकी जानकारी गांव के लोगों ने स्थानीय थाने को दी जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकलवाया जहां कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अग्रतर कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। वही इस संदर्भ में डीएसपी टू कुमार वैभव ने बताया कि शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, व्यक्ति के मौत के कारणो का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा, पुलिस हर एंगल से जांच में जुट गई है और शव के पहचान के लिए सभी थाने तथा स्थानीय लोगों को जानकारी दे दी गई है। फिलहाल शव की पोस्टमार्टम करा पहचान हेतु शव को 72 घंटे के लिए शवगृह मे रखा गया है ताकि पहचान की जा सके।

125 यूनिट मुफ्त बिजली मिलने के बावजूद बिजली चोरी पर कार्रवाई, दो उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी व जुर्माना

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास। बिजली बिल के बकायेदार उपभोक्ताओं एवं बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्व वसूली के साथ-साथ बिजली चोरी के मामलों की भी लगातार जांच की जा रही है। अभियान के दौरान विभागीय टीम गांव-गांव एवं शहरी मोहल्लों में जाकर बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया बिजली बिल जमा करने की अपील कर रही है। इसी क्रम में जांच के दौरान बिजली चोरी के दो मामले सामने आए हैं, जिन पर विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान गीधा गांव निवासी हरी नारायण चौधरी पिता-गुलाब चंद चौधरी द्वारा मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर अतिरिक्त तार जोड़ते हुए मीटर को बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी करते पाया गया। इस मामले में विभाग द्वारा 26711 रूपये की राजस्व क्षति का आकलन करते हुए उनके विरुद्ध दावथ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं नावाडीह गांव निवासी अजय साह पिता-रामनाथ साह पर बिना वैध विद्युत कनेक्शन लिए एलटी पोल से अवैध रूप से तार जोड़कर बिजली चोरी करने का आरोप पाया गया। जांच के दौरान उनके परिसर में मीटर स्थापित नहीं पाया गया तथा वैध विद्युत कनेक्शन से संबंधित कोई दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इस मामले में विभाग द्वारा 12663 का जुर्माना लगाया गया है। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बिजली चोरी की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दी गई है, इसके बावजूद कुछ उपभोक्ता बिजली चोरी जैसे अवैध कार्य कर रहे हैं, जो पूरी तरह दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित रखने तथा विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए समय पर बिजली बिल का भुगतान करना अत्यंत आवश्यक है।

बकाया रहने से विभाग को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ई.ब्रवीम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 20 हजार रुपये से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में 5 हजार रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया रहने पर उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए विभाग द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो नियमित रूप से क्षेत्रों में जांच और कार्रवाई कर रही हैं। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिजली बिल का भुगतान करें तथा बिजली चोरी जैसे अवैध कार्यों से बचें, अन्यथा नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

6 जून को आम्रपाली एक्स. डायवर्ट होकर चलेगी

भागलपुर| दिल्ली मंडल में शाहबाद मारकंडा व मोहारी स्टेशन पर पावर और ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। मई में होने वाला ट्रैफिक ब्लॉक के कारण नवगछिया रूट की ट्रेनें भी डायवर्ट होकर चलेंगी। रेलवे के अनुसार 6 जून को अमृतसर से कटिहार आने वाली आम्रपाली एक्सप्रेस अंबाला, सहारनपुर, खुर्जा होकर आएगी। इस दिन ट्रेन करनाल, पानीपत, बादली, सब्जी मंडी और दिल्ली नहीं जाएगी। कामाख्या से रोहतक के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस 8 मई को भी डायवर्ट की गई है। ट्रेन दिल्ली ना जाकर साहिबाबाद से निकलेगी। इस डायवर्ट रूट की वजह से यात्रियों को थोड़ी परेशानियों का समाना करना पड़ सकता है।

अमन ने 5 विकेट झटके, शमशाद ने 75 रन बनाए

भागलपुर| सैंडिस क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से बीसीसीए मेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी 2025-26 का आगाज हुआ। पहले ही दिन जमुई डीसीए ने लखीसराय को 10 विकेट से शिकस्त दी। टॉस जीतकर जमुई ने पहले गेंदबाजी करते हुए लखीसराय की पूरी टीम को 31.2 ओवर में महज 87 रनों पर ढेर किया। अंकित अजय राज ने नाबाद 27 रन और बाबुल प्रदीप आर्य ने 20 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। जमुई के अमन कुमार सिंह ने 9.2 ओवर में 34 रन देकर 5 विकेट झटके। सोनू पवन कुमार ने 8 ओवर में केवल 6 रन देकर 1 विकेट लिया। सुयश दीपक और बादल प्रदीप को 2-2 सफलताएं मिलीं। 88 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमुई के सलामी बल्लेबाज मो. शमशाद तौफीक ने महज 25 गेंदों पर नाबाद 73 रन ठोक डाले, जिसमें 9 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। दूसरे छोर पर सचिन कुमार (11 रन) ने उनका साथ दिया और जमुई ने सिर्फ 5.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

जमुई के शिक्षक के गलत रिटायरमेंट क्लेम मामले में विवि की कार्रवाई नहीं

भागलपुर। दो अलग-अलग कॉलेजों के शिक्षक और प्रिंसिपल की मिलीभगत से सेवांत लाभ के लिए धांधली का मामला सामने आने के बावजूद टीएमबीयू कार्रवाई से बच रहा है। विवि ने मामले की जांच कराई थी जिसमें धांधली का मामला सही पाया गया था। कमेटी ने इस पर दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा की थी। इस पर विवि ने प्रिंसिपल को शोकॉज किया। इसके बाद से कुछ नहीं हुआ है। मामला सबौर कॉलेज और मुंगेर विवि के जमुई कॉलेज का है। शोकॉज का पत्र रजिस्ट्रार प्रो. रामाशीष पूर्वे ने जारी किया था जिसमें उन्होंने सबौर कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज को केकेएम कॉलेज जमुई के एक रिटायर्ड शिक्षक के सेवांत लाभ के दावे को टीएमबीयू को भेजने का आरोपी बताया था। जबकि प्राचार्य को पता था कि शिक्षक सबौर कॉलेज से रिटायर नहीं हुए थे और मुंगेर विवि बनने के बाद वे टीएमबीयू के कर्मी भी नहीं रह गए थे। प्राचार्य ने अपना नाम नहीं छापने का आग्रह कर कहा कि उन्होंने कॉलेज की ओर से शोकॉज का जवाब दे दिया है। इधर मामले को लेकर रजिस्ट्रार उपलब्ध नहीं हुए। सूत्रों ने बताया कि विवि ने एफआईआर करने के लिए रजिस्ट्रार को ही अधिकृत किया है। साथ ही इस मामले में हाईकोर्ट ने भी विवि से जवाब मांगा है। आरोपों की जांच के लिए बनी विवि की कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि शिक्षक पहले सबौर कॉलेज के शिक्षक थे। छह मार्च 2010 को उनका तबादला केकेएम कॉलेज जमुई हो गया। इस बीच जब टीएमबीयू के कॉलेजों को बांटकर मुंगेर 2018 में मुंगेर विवि बना तो सरकार ने अपने संकल्प में कहा कि बंटने के बाद जो शिक्षक टीएमबीयू के कॉलेज में रह गए वे वहीं के कर्मी होंगे और जो मुंगेर विवि के कॉलेजों में रह गए वे मुंगेर विवि के कर्मी माने जाएंगे। केकेएम कॉलेज मुंगेर विवि में रह गया। संबंधित शिक्षक 2022 में वहां से रिटायर हुए थे। लेकिन सबौर कॉलेज ने उनके वर्ष 2015 से फरवरी 2022 तक के सेवांत लाभ के डॉक्यूमेंट को संपुष्ट कर दिया।

वारदात स्थल से 200 मीटर उत्तर तीनों कथित शूटरों का घर बताया जा रहा है

बेगूसराय। बहुचर्चित परना मुखिया हत्याकांड के शूटर ललन महतो ने मारी है गोली प्रॉपर्टी डीलर वरूण चौधरी की हत्या गहरी साजिश रच कर की गई है। वरूण चौधरी हत्याकांड में शामिल तीनों बदमाश पहले से हत्या के केस के अभियुक्त हैं। ललन महतो पर बहुचर्चित परना मुखिया वीरेंद्र शर्मा की हत्या में शामिल होने का आरोप है। ललन महतो वीरेंद्र शर्मा हत्या कांड में 3 साल से फरार है। राजीव साह 4-5 साल पहले हरहर महादेव चौक पर हुए डबल मर्डर केस का अभियुक्त है। वहीं चंदन साह पर अपनी पत्नी की गोली मार कर हत्या करने में नामजद है। सूत्रों के अनुसार वरूण चौधरी की हत्या के योजनाबद्ध तरीके से शटरों को हायर कर कराई गई है। वारदात स्थल से 200 मीटर उत्तर तीनों कथित शटरों का घर बताया जा रहा है। व्यवसायी हत्याकांड में एक साल पहले संतोष सिंह को उम्रकैद मिली पीड़ित का कहना है कि वह नागदह से अपने पिता और चचेरे भाई राजन के साथ अलग-अलग बाइक से घर लौट रहा था। निर्मल कुमार अपने चचेरे भाई राजन कुमार के साथ बाइक पर बैठा था। वरूण सिंह दूसरी बाइक चला रहे थे। जब दोनों बाइक रेलवे गुमटी 49-नंबर पार किया तो पीछे से बाइक पर सवार तीनों नामजद पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर वरूण सिंह को गोली मार दिया। इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि दो दशक पहले शहर बड़े व्यवसायी मुन्ना सिंह हत्याकांड में एक साल पहले संतोष सिंह को आजीवन कारावास की सजा हुई है। वह बेगूसराय जेल में बंद है। उस पर हत्या के आधा दर्जन केस समेत एक दर्जन संगीन केस दर्ज है। क्राइम रिपोर्टर। बेगूसराय जेल में बंद कुख्यात संतोष सिंह ने प्रॉपर्टी डीलर वरूण चौधरी उर्फ वरूण सिंह की हत्या की साजिश रची थी। हत्यारों ने मृतक के पुत्र निर्मल कुमार उर्फ छोटू की आंखों के सामने ही वरूण चौधरी को गोलियों से छलनी किया था। निर्मल कुमार ने मंगलवार को सिंघौल थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें आजीवन कारावास की सजा काट रहे भगवानपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर निवासी संतोष सिंह पर अपने पिता की साजिश रच कर हत्या करने की बात कहीं है। पीड़ित का कहना है कि कुछ दिन पूर्व संतोष सिंह ने जेल से फोन कर मेरे पिता को जान से मारन की धमकी दी थी। एफआईआर में नागदह के ललन महतो, राजीव साह और चंदन साह को नामजद किया है।

अभिभावकों का सहयोग और शिक्षकों का मार्गदर्शन ही बच्चों की सफलता की कुंजी

बेगूसराय। एसएस मिशन स्कूल, हरदिया का नौवां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनकवि दीनानाथ सुमित्र ने की। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीकृष्ण सिंह ने कहा कि इस विद्यालय के शिक्षक मेहनती और संघर्षशील हैं, इसी कारण यह विद्यालय क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बना हुआ है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे घर पर भी बच्चों की पढ़ाई और गतिविधियों पर ध्यान दें। अभिभावकों के सहयोग से ही बच्चे शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर उज्वल भविष्य बना सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के निदेशक दीपक कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं और अभिभावकों का सहयोग तथा शिक्षकों का मार्गदर्शन ही बच्चों की सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरु ही ऐसे होते हैं जो बिना स्वार्थ के बच्चों के हित में कार्य करते हैं, इसलिए इन्हें साक्षात भगवान का रूप माना गया है। इस अवसर पर प्राचार्य चंदन ठाकुर ने विद्यालय की गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह के दौरान गीत एवं भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। गायन में भव्या वत्स, तबला पर गोविंद वत्स तथा ऑर्गन पर रंजीत अलबेला ने अपनी प्रस्तुति दी। भाषण प्रतियोगिता में अंशु कुमार को प्रथम, पियुष कुमार को द्वितीय और खुशी कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतिभावान छात्रों को विद्यालय परिवार की ओर से पुरस्कृत किया गया। मौके पर रंगकर्मी अनिल पतंग, अमरेंद्र कुमार सिंह, आजाद सहनी, बबलू कुमार, सौरभ कुमार, रामकिसुन यादव, राजेंद्र महतो, रंजीत अलबेला, प्रियरंजन कुमार, चंदन ठाकुर और दीपक कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

बुआ को बचाने में तीन भतीजों की डूबकर हुई मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के घोघा गंगा घाट पर बुधवार को मुंडन के दौरान नदी में डूब रही महिला को बचाने में 3 युवकों की डूबकर मौत हो गई। हालांकि, महिला को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक महिला के भतीजे थे। इसमें दो संगे भाई थे। घटना घोघा थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान नया टोला ओलपुरा के रहने वाले नंदलाल साह के 26 साल के बेटे कृष्ण कुमार, शालिग्राम साह के 24 साल के बेटे सनी कुमार और 26 साल के बॉबी कुमार के रूप में हुई है। वहीं, डूब रही महिला की पहचान तीनों मृतकों की बुआ 35 साल की रुक्मणी देवी के रूप में की गई है।

मृतकों में दो सगे जबकि तीसरा चचेरा भाईः मृतकों में शामिल बॉबी और सन्नी सगे भाई हैं, जबकि कृष्ण कुमार दोनों का चचेरा भाई था। जानकारी के मुताबिक, घोघा के रहने वाले छतरी साह के घर एक बच्चे का मुंडन कार्यक्रम था। मुंडन के लिए छतरी साह के परिवार, रिश्तेदार और गांव के लोग गंगा घाट पर पहुंचे थे। इसी दौरान रुक्मणी देवी गंगा नदी में नहाने उतरी। नहाने के दौरान रुक्मणी देवी गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी।

बुआ का डूबता देख तीनों लड़कों ने लगाई नदी में छलांगः रुक्मणी देवी को नदी में डूबता देख कृष्ण कुमार, सनी और बॉबी ने नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, रुक्मणी देवी को बचा लिया गया, लेकिन कृष्ण, सनी और बॉबी गंगा नदी में डूब गए। घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने तीनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उधर, तीनों युवकों के डूबने के बाद छतरी साह और उनके परिवार के सदस्यों ने स्थानीय घोघा थाना की पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस तत्काल गोताखोरों की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची। गोताखोरों की टीम ने करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद एक-एक कर कृष्ण, सनी और बॉबी की लाश को गंगा से निकाला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

SHO बोले- नदी की तेज धारा की चपेट में आए तीनों युवकः घटना के संबंध में घोघा थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि मुंडन कार्यक्रम के दौरान गंगा स्नान करते समय महिला डूबने लगी थी, जिसे बचाने के प्रयास में तीन युवक नदी में कूद पड़े और तेज धारा की चपेट में आकर उनकी डूबने से मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

धूम्रपान निषेध दिवस पर स्कूली बच्चों को दिलाया गया संकल्प

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज के तिरसकुण्ड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में धूम्रपान निषेध दिवस मनाया गया।जिसमें स्कूली शिक्षकों ने छात्रों को धूम्रपान से होने वाले स्वास्थ्य पर खतरे को लेकर जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने बच्चों को धुम्रपान से दूर रहने का संकल्प दिलाने के साथ ही धूम्रपान निषेध दिवस के बारे में जानकारी दी और कहा कि यह दिवस प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को मनाया जाता है।यह दिन लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करने और सिगरेट के स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूकता फैलाने और धूम्रपान मुक्त जीवन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह दिवस धूम्रपान करने वालों को आदत छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना और सेकेंड-हैंड स्मोकिंग के खतरों के बारे में शिक्षित करना होता है।धूम्रपान छोड़ने के बाद फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। सांस लेना आसान हो जाता है और समय के साथ हृदय रोगों का जोखिम कम होता है। भारत सरकार ने कानून लाकर कोटपा 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित कर दिया है और इसके लिए 200 रुपये का जुर्माने का प्रावधान है। इस अवसर पर बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर गगन भेदी नारे लगाए। वहीं कार्यक्रम में प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार सिंह युवा शिक्षक रंजीत कुमार मंडल ने भी अपने-अपने विचार रखे। रसोईया लुखी देवी ने संथाली भाषा में बच्चों से कहा कि नशा कोई भी मनुष्य को नहीं करनी चाहिए।

14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लंबित मामलों के त्वरित और आपसी सहमति से निपटारे के उद्देश्य से बुधवार को भागलपुर न्यायालय परिसर से एक जागरूकता रथ रवाना किया गया। न्यायिक अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया। ये जागरूकता रथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में माइकिंग के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देगा। इसका मुख्य उद्देश्य सुलहनीय मामलों को लोक अदालत में निपटाने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों ने पक्षकारों से अपने मामलों का समाधान लोक अदालत के माध्यम से करने की अपील की।

'सुलभ, तत्काल, कम खर्च में न्याय दिलाने का माध्यम': कोर्ट के प्रिंसिपल जज राजकुमार राजपूत ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत लोगों को सुलभ, त्वरित और कम खर्च में न्याय दिलाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने जानकारी दी कि इस बार विशेष रूप से ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रिंसिपल जज ने बताया कि कई बार लोगों के एक ही दिन में दो-दो चालान कट जाते हैं, जो लंबे समय तक लंबित रहते हैं। इन मामलों का निपटारा भी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर किया जा सकता है।

कहलगांव, नवगछिया में भी होगा लोक अदालत का आयोजनः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की सचिव रंजीता कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि इस बार भागलपुर के साथ-साथ कहलगांव और नवगछिया में भी लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इन सभी स्थानों पर कुल 27 बेंच स्थापित की गई हैं, जहां बड़ी संख्या में लंबित मामलों के निपटारे का लक्ष्य रखा गया है। रंजीता कुमारी ने आम लोगों से अपील की कि जिन मामलों का समाधान आपसी सहमति से संभव है, वे 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर अपने मामलों का निपटारा कराएं और इस व्यवस्था का लाभ उठाएं।

गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंप पर नजर रखने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर अब रसोई और सड़कों पर देखने को मिल सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच बिहार पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। इसको लेकर विशेष शाखा के पुलिस उप-महानिरीक्षक (DIG) ने इस संबंध में सभी जिलों के डीएम-एसपी को निर्देश जारी किए हैं। पत्र में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध और तनावपूर्ण स्थितियों के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। युद्ध के इस अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता का सीधा असर बिहार में एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर पड़ने की संभावना है। आने वाले दिनों में राज्य में इन जरूरी ईंधनों की कमी हो सकती है। ईंधन की कमी की खबर फैलते ही पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर भारी भीड़ उमड़ सकती है। जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। संकट का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व और कुछ विक्रेता गैस सिलेंडर तथा पेट्रोल-डीजल का अवैध स्टॉक कर सकते हैं। आपूर्ति कम होने की खबर से आम जनता में घबराहट (Panic Buying) फैल सकती है, जिससे अराजकता की स्थिति पैदा होने की संभावना है। सभी जिलों के डीएम और एसपी को अपने क्षेत्र की गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

ब्लैक मार्केटिंग करने वाले चिह्नित होंगेः पेट्रोल पंपों के आसपास पुलिस बल की तैनाती का निर्देश दिया गया है। जिससे संभावित भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और कोई विवाद नहीं हो। जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग करने वाले तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुकूल सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन आपूर्ति विभाग के साथ मिलकर काम करे, जिससे स्टॉक की वास्तविक स्थिति का पता रहे। आम लोगों को वस्तुस्थिति से अवगत कराने का भी निर्देश दिया गया है। जिससे किसी भी तरह की अफवाह न फैले और लोग घबराकर खरीदारी नहीं करें। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि उपलब्ध संसाधनों का वितरण पारदर्शी तरीके से हो और कोई भी इसका नाजायज फायदा नहीं उठा सके। हालांकि अभी घबराने की जरूरत नहीं है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 41-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 10.03.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम/स्थानः आसनसोल मंडल - आसनसोल मंडल में नए ओएफसी रूम के लिए दूरसंचार अवसंरचना की व्यवस्था। विज्ञापित निविदा मूल्यः रु. 2,13,66,790.79; बयाना राशिः रु. 2,56,800; कार्य समापन अवधिः एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 02.04.2026 को 14.00 बजे। वेबसाइट का विवरणः http://www.ireps.gov.in/

(ASN-386/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गैस की किल्लत, एजेंसी के बाहर लगी कतार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से जुड़ी खबरों के बीच गैस आपूर्ति की दिक्कत अब भागलपुर में भी दिखने लगी है। आज शहर के अलग-अलग गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। लोग घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेने के एजेंसियों के बाहर पहुंच गए और घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कई जगहों पर उपभोक्ताओं को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी के बाहर कतार में खड़े दिखाई दिए। स्थिति यह रही कि सुबह से ही एजेंसियों के बाहर अफरा-तफरी जैसा माहौल बना रहा। लोगों में इस बात को लेकर चिंता देखी गई कि कहीं गैस की आपूर्ति बाधित न हो जाए। कतार में लगे उपभोक्ता सुधीर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गैस की कमी को लेकर तरह-तरह की बातें सुनने को मिल रही हैं। इसी कारण वे पहले ही सिलेंडर लेने के लिए पहुंच गए हैं, ताकि आने वाले दिनों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लोग बोले- घर में सिलेडर नहींः उपभोक्ता भगत कुमार ने कहा कि ने कहा कि अगर अभी सिलेंडर नहीं लिया तो बाद में गैस मिलने में दिक्कत हो सकती है। 2 सप्ताह पहले ही मैने बुकिग करवाया था। आज मुझे गैस नहीं मिल रहा है। यहां लोगों का कहना है कि जीरो माइल से गैस मिलेगा। वहां भी आज गाड़ी नहीं है। कल गाड़ी आएगी। अगर कल भी गाड़ी नहीं आएगी, तो कल भी गैस नहीं मिलेगा। मेरे घर में सिलेडर नहीं है। एजेंसी संचालकों पंकज ने बताया कि भागलपुर में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराई जा रही है। अचानक भीड़ बढ़ने के कारण वितरण की प्रक्रिया थोड़ी धीमी जरूर हो गई है। गैस एजेंसी के संचालक प्रणव सिंह ने बताया कि अफवाहों के कारण लोग घबरा रहे हैं, जबकि ऐसी कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि एजेंसी के पास पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को जरूरत के अनुसार सिलेंडर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य तरीके से ही गैस की बुकिंग कराएं।

2 करोड़ की ठगी का आरोपी भागलपुर से गिरफ्तार

भागलपुर। भागलपुर के नवगछिया में वैभव होटल से मंगलवार को कोटा शहर पुलिस ने अंतरराज्यीय ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा किया। इस दौरान कोटा पुलिस ने 8500 से अधिक महिलाओं और अन्य से करीब 2 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोटा पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ ले गए। आरोपी पर कोटा रेंज के आईजी की ओर से 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। कोटा शहर पुलिस एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 15 नवंबर 2025 को अनंतपुरा थाना क्षेत्र में पीड़ित कुलदीप शर्मा समेत कई लोगों ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया कि कुमार सानू उर्फ दीपक सिंह नाम के व्यक्ति ने 'ओएसिस एंटरप्राइजेज' नाम से एक कंपनी खोलकर घर बैठे रोजगार देने का झांसा दिया। किताबें तैयार करने के नाम पर ली रकमः आरोपी ने लोगों से किताबें तैयार करने का काम देने के नाम पर 2500 रुपए सिक्योरिटी अमाउंट के तौर पर जमा करवाए और करीब 8500 लोगों से लगभग 2 करोड़ रुपये की रकम ठग ली। इसके बाद वह रातों-रात कार्यालय बंद कर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोटा एसपी ने टीम (SIT) का गठन किया। जांच का जिम्मा डीएसपी मनीष शर्मा को सौंपा गया और अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया के नेतृत्व में तकनीकी टीम बनाई गई।

पूर्व रेलवे

निविदा का निरस्तीकरण

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा वरिष्ठ मंडल अभियंता (को-ऑर्डिनेशन)/हावड़ा के अधीन हावड़ा मंडल के किसी भी स्थान पर/अन्य मंडल में ट्रेलर के प्रयोग द्वारा सभी प्रकार की पी. वे सामग्रियों यानी रेल, स्विच, क्रॉसिंग इत्यादि तथा ट्रक के प्रयोग द्वारा ईआरसी, बोल्टों एवं नटों, बीयरिंग प्लेटों तथा अन्य पी. वे सामग्रियों तथा ट्रैक मशीन के पुर्जों यानी कॉनवेयर बेल्टों, कटर, चेनों, वीयर प्लेटों, फिल्टरों, वॉल्वों, सिलिंडरों, बैटरियों, पम्पों, मोटर इत्यादि के परिवहन के साथ साइट के अभियंता के निर्देश पर 30 मी की लीड के भीतर मल्टीपल ट्रैकों की सभी लीड, लिफ्ट के साथ यांत्रिक लोडिंग, अनलोडिंग तथा ढेरी लगाना, पृथकीकरण इत्यादि कार्य के लिए पूर्व प्रकाशित ऑन लाइन निविदा ई-निविदा सं. 296_2025-26, बंद होने की तारीख एवं समयः 27.03.2026 को 14.00 बजे एतद्द्वारा निरस्त कर दी गई है।

(HWH-682/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू- II, दिनांक 09.03.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, केजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए नीचे उल्लेखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: निविदा सं. : टीएन-186-25-26; कार्य का नामः सहायक अभियंता/बारुईपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन लक्ष्मीकांतपुर, निश्चिंदपुर, काकद्वीप, नामखाना जैसी लूप लाइनों सहित शेष सीटीआर(पी)-9.600 किमी, बारुईपुर में यार्ड के सुधार के लिए टीएफआर-5.493 टीकेएम तथा सीटीआर(एस)-1.774 टीकेएम तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः रु. 1,89,88,975.62; ईएमडीः रु. 2,45,000; कार्य समापन अवधिः 9 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 02.04.2026 को 15.00 बजे। निविदा खुलने की तारीख एवं समयः 02.04.2026 को 15.30 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे।

(SDAH-433/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कृषि यांत्रिकीकरण मेला शुरू, डीएम ने किया उद्घाटन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका के चंद्रशेखर सिंह नगर भवन में दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण-सह-उपादान मेले का शुभारंभ हुआ। जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के सभी पदाधिकारी, कर्मी और जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला ने कृषि यांत्रिकीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाया जा सकता है। डीएम ने जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर किसानों को जलवायु अनुकूल खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 14 मार्च 2026 तक जारी परमिट के आधार पर किसानों को प्रेरित कर शत-प्रतिशत कृषि यंत्रों का उठाव सुनिश्चित किया जाए। इसका उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना है।

पंचायत स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दियाः जिला कृषि पदाधिकारी ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बांका जिले में कृषि यांत्रिकीकरण वर्ष 2025-26 के तहत सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन (SMAM) योजना की उपलब्धियों की जानकारी दी। इसमें एकल यंत्र, कृषि यंत्र बैंक और फार्म मशीनरी बैंक शामिल हैं। उप निदेशक (कृषि अभियंत्रण) बांका ने वर्ष 2025-26 के लक्ष्य और अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रखंड और पंचायत स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों द्वारा उठाए गए यंत्रों से संबंधित अभिश्रव पत्र तुरंत कार्यालय में जमा कराएं। यह सुनिश्चित करेगा कि अनुदान राशि का भुगतान समय पर हो सके।

फसल पर रोगों की विशेष जानकारी दीः इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी और सहायक निदेशक (रसायन) ने भी अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। कृषि विज्ञान केंद्र, बांका के कृषि वैज्ञानिक ने फसलों में लगने वाले रोगों और उनके नियंत्रण के उपायों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में जिला पदाधिकारी ने नगर भवन परिसर में लगे विभिन्न कृषि यंत्रों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रॉ रीपर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर और पावर वीडर सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी ली। मेले में किसानों ने भी आधुनिक कृषि उपकरणों में विशेष रुचि दिखाई।

संक्षिप्त समाचार

14 मार्च को आरा व्यवहार न्यायालय में आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, 17 बेंचों का गठन

आरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर की ओर से व्यवहार न्यायालय परिसर में 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर के सचिव गौतम कुमार ने बताया कि इस बार लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन का लक्ष्य रखा गया है। विशेष रूप से बैंक ऋण से जुड़े मामलों के समाधान पर जोर दिया जा रहा है। सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भोजपुर, आरा द्वारा कुल 17 बेंच का गठन किया गया है। इन बेंचों में विभिन्न प्रकार के सुलहनीय वादों का निष्पादन आपसी सहमति के आधार पर किया जाएगा। लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक मामले, दुर्घटना बीमा दावा, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भू-अधिग्रहण, अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व वाद, बिजली एवं पानी से जुड़े मामले, वन अधिनियम से संबंधित वाद, बैंक ऋण वाद, एनआई एक्ट की धारा 138 से संबंधित मामले, सेवा से जुड़े वाद (वेतन-भत्ता एवं सेवानिवृत्ति लाभ) तथा अन्य दीवानी वाद जैसे किराया, सुखाधिकार और निषेधाज्ञा आदि मामलों का निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित 5500 से अधिक मामलों के पक्षकारों को नोटिस जारी किए गए हैं, जिन्हें थाना एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों के माध्यम से तामील कराया जा रहा है। इसके अलावा विद्युत, माप-तौल, श्रम और वन विभाग से जुड़े विभागीय वादों में जिन पक्षकारों को नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है, वे नोटिस का इंतजार किए बिना सीधे लोक अदालत के दिन उपस्थित होकर गठित बेंच में अपने मामले का सुलह के आधार पर निष्पादन करा सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में होर्डिंग लगाए गए हैं। साथ ही पैनल अधिवक्ताओं एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों द्वारा विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय के दूरभाष संख्या 06182-222555 पर संपर्क किया जा सकता है। लोक अदालत में मामलों का त्वरित, सस्ता और आपसी सहमति से निपटारा किया जाता है। इसमें कोई कोर्ट फीस नहीं लगती और लंबित मामलों की फीस वापस मिल जाती है।

झपट्टामार गिरोह से बचने के क्रम में ट्रेन से गिरा युवक

आरा| मंगलवार को दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर स्थित आरा स्टेशन के आउटर पर पटना से अपनी मां के साथ घर लौट रहा एक युवक झपट्टामार गिरोह के सदस्य द्वारा मोबाइल छीनने की कोशिश के दौरान ट्रेन से नीचे गिरकर घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के दिलदारनगर (जमानिया) निवासी संतोष उपाध्याय का पुत्र जय उपाध्याय अपनी माता के साथ ट्रेन से पटना से वापस लौट रहा था। जैसे ही ट्रेन आरा स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास पहुंची, जय ट्रेन के गेट के पास खड़ा था। इसी दौरान रेलवे ट्रैक के किनारे छिपे मोबाइल झपट्टा मार गिरोह के एक सदस्य ने उसके हाथ से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। मोबाइल बचाने की जद्दोजहद में जय का संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद युवक को गंभीर चोटे आई। स्थानीय लोगो की मदद से घायल युवक को तत्काल आरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सको की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है।

जंक्शन पर मोबाइल झपट्टामार युवक गिरफ्तार

आरा। सोमवार की शाम आरा रेलवे स्टेशन पर मोबाइल छीनकर भाग रहे एक युवक को पीड़ित ने स्थानीय लोगो की मदद से पकड़ लिया। पीड़ित मनेर के रामपुर दियारा निवासी स्व उमाकांत सिंह के पुत्र प्रकाश कुमार आरा स्टेशन पर दानापुर जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। उसी दौरान जब वे अपना सैमसंग मोबाइल चला रहे थे, तभी एक युवक उनके हाथ से मोबाइल छीनकर भागने लगा। प्रकाश कुमार ने तुरंत शोर मचाया और पीछा करके पब्लिक की मदद से आरोपी को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के रामस्वरूप टोला वार्ड 8 निवासी पिन्टू राय के पुत्र सोनू कुमार यादव के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 और 139 पर सूचना दी। मौके पर मौजूद आरपीएफ जवान मुन्ना प्रसाद और आरक्षी रविन्द्र ने आरोपी को हिरासत में लिया, जिसके बाद उसे आरा रेल थाना को सौंप दिया गया। रेल थाना पुलिस ने पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर धारा 317(एस) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

16 मार्च को मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष करेंगे भोजपुर का दौरा

आरा| भोजपुर जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष हरेंद्र प्रसाद यादव ने16 मार्च को मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय के प्रस्तावित भोजपुर दौरे को सफल बनाने के लिए मंगलवार को चरपोखरी, पिरो और तरारी प्रखंडों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रखंडों में मुखियाओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष ने परिसीमन, शस्त्र लाइसेंस, मनरेगा सहित पंचायतों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही 16 मार्च को आयोजित होने वाली बैठक को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रतिनिधियों को शामिल होने को कहा।चरपोखरी प्रखंड में बैठक में प्रखंड अध्यक्ष पप्पू कुमार साह, भोजपुर के प्रधान महासचिव लालमुक्ति पासवान, ठाकुरी पंचायत की मुखिया मोनिका कुमारी, बाबूबांध की मुखिया सीमा देवी, सोनवर्षा की मुखिया मीरा देवी तथा मुकुंदपुर के मुखिया प्रवीण कुमार सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।वहीं तरारी प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष गौरीशंकर यादव, प्रखंड उपाध्यक्ष गुड्डू यादव, प्रखंड सचिव रामईश्वर यादव, चकिया के मुखिया मुन्ना कुमार तथा जेठवार के मुखिया मुन्ना कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए।पिरो प्रखंड में बैठक में मुखिया अमोद सिंह, सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, बबलू कुमार, कन्हैया सिंह, संतोष बैठा, श्रीमन नारायण तिवारी, प्रियंका कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष हरेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि 12 मार्च को गड़हनी, सहार और संदेश प्रखंडों का भी दौरा कर बैठक की तैयारी की समीक्षा की जाएगी, ताकि 16 मार्च को होने वाली बैठक को सफल बनाया जा सके।

सर्वेक्षण कार्य के लिए पंचायतों की ओर रवाना हुए एच.डी. जैन कॉलेज के छात्र

आरा। एचडी जैन महाविद्यालय, आरा के अर्थशास्त्र विभाग के पीजी सेमेस्टर-फोर सत्र, 2024-26 के छात्र-छात्राएं मंगलवार को सर्वेक्षण कार्य के लिए महाविद्यालय परिसर से विभिन्न पंचायतों की ओर रवाना हुए। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि विकसित करना तथा ग्रामीण पंचायतों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति से उन्हें अवगत कराना है। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. कमलेश कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को कई समूहों में विभाजित कर अलग-अलग विषयों पर सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। सर्वेक्षण से पहले छात्रों को सर्वेक्षण पद्धति, आंकड़ों के संकलन तथा उनसे संबंधित अन्य आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी गई, ताकि वे पंचायतों में जाकर व्यवस्थित तरीके से जानकारी जुटा सकें। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद सभी छात्र अपने-अपने विषयों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को इस शैक्षणिक गतिविधि के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के फील्ड सर्वे से छात्रों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है ।

भाकपा माले-अखिल भारतीय किसान महासभा का शांति मार्च

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के डुमरांव में मंगलवार को भाकपा माले और अखिल भारतीय किसान महासभा के कार्यकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय युद्ध के विरोध में शांति मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अमेरिका और इजराइल की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और ईरान के खिलाफ जारी युद्ध को तुरंत रोकने की मांग की। यह शांति मार्च डुमरांव के मुख्य मार्ग से शुरू होकर मेन रोड, गोला रोड और शहीद पार्क से गुजरा, और अंत में एक सभा में परिवर्तित हो गया। मार्च में शामिल कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां थीं और वे युद्ध विरोधी नारे लगा रहे थे। कार्यकर्ताओं का कहना था कि अमेरिका और इजराइल की नीतियों के कारण दुनिया के कई हिस्सों में अशांति फैल रही है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों और बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

हमलों को मानवता के लिए बताया घातकः सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव नवीन कुमार, किसान नेता अलख नारायण चौधरी और पूर्व विधायक अजीत कुमार सिंह ने कहा कि भारत हमेशा से अमन और शांति का पक्षधर रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर किए जा रहे हमलों को मानवता के लिए घातक बताया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल का साम्राज्यवादी गठजोड़ दुनिया भर में अशांति फैला रहा है, जिसका उदाहरण वेनेजुएला और ईरान जैसे देशों पर हमले हैं।

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि पर चिंताः नेताओं ने भारत सरकार से अपील की कि देश को शांति की पहल करनी चाहिए और वैश्विक स्तर पर युद्ध रोकने के लिए प्रयास करने चाहिए। वक्ताओं ने यह भी कहा कि युद्ध के कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ती है, जिसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है। कार्यकर्ताओं ने गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि को लेकर भी चिंता व्यक्त की। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'अमेरिका-इजराइल साम्राज्यवादी गठजोड़ मुर्दाबाद', 'ईरान के खिलाफ युद्ध बंद करो', 'जंगखोर ताकतें होश में आओ' और 'महंगाई पर रोक लगाओ' जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व मुखिया रामदेव सिंह, मुखिया रामजी यादव, नगर सचिव कृष्णा राम, ललन प्रसाद और रेखा देवी ने किया। इस मौके पर माले नेता ललन राम, भगवान दास, शंकर तिवारी, बाबूलाल राम, सुरेन्द्र कुशवाहा, जाबिर कुरैशी, मानरूप जी, अरविंद यादव, पूजा कुमारी, ऊषा देवी, ददन यादव, यमुना राम और राधेश्याम शर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीण चिकित्सकों ने नीतीश कुमार के समर्थन में की अहम बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गड़हनी। स्थानीय गड़हनी प्रखंड में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थन में ग्रामीण चिकित्सकों ने बैठक किया। बैठक कर हाथ में तख्ती लेकर उनके समर्थन में नारेबाजी भी की। बैठक ग्रामीण चिकित्सक डॉ शेष कुमार ने नेतृत्व में की गई। ग्रामीण चिकित्सकों का कहना है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही रहना था। भाजपा ने इनको राज्य सभा भेज कर ठीक नहीं किया है। नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री रहेंगे इसके लिये पूरा बिहार की जनता आक्रोश में है और आंदोलन करने की मूड में है। नीतीश कुमार ने ग्रामीण चिकित्सकों के लिये बहुत कुछ किया है। ग्रामीण चिकित्सकों को ग्रामीण चिकित्सक का दर्जा दिया उसके लिये गड़हनी प्रखंड सहित पूरे बिहार के ग्रामीण चिकित्सक उनका आभार व्यक्त करता है और इस समय उनके समर्थन में उनके साथ खड़ा है और आगे भी रहेगा। इस मौके पर आई एम शर्मा, राज किशोर, के के सिंह, दुर्गेश शर्मा, मनोज कुमार, मिथलेश तिवारी सहित कई ग्रामीण चिकित्सक उपस्थित थे।

4 लाख की शराब जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में अवैध शराब के खिलाफ मद्यनिषेध विभाग का अभियान लगातार जारी है। विभाग की टीम ने दो अलग-अलग वाहनों से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान 4 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 272.520 लीटर बताई जा रही है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 4 लाख रुपए आंकी गई है। बताया जाता है कि डीएम तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध लगातार छापेमारी और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त मद्यनिषेध भोजपुर रजनीश के नेतृत्व में मद्यनिषेध विभाग की टीम ने 2 वाहनों से अवैध विदेशी शराब जब्त की। वाहन जांच के दौरान एक मारुति सुजुकी वैन की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई 155.520 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। निरीक्षक प्रकाश चंद्र ने बताया कि जब्त शराब उत्तर प्रदेश से बिहार लाई जा रही थी। तस्कर इसे हाजीपुर और पटना के विभिन्न इलाकों में खपाने की योजना बना रहे थे। हालांकि इससे पहले ही मद्यनिषेध विभाग की टीम ने कार्रवाई कर पूरे खेप को जब्त कर लिया।

कार से 117 लीटर शराब मिलीः वहीं एक एसयूवी 500 कार से भी 117 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। दोनों वाहनों से कुल 1514 पीस 'ऑफिसर्स चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की' की 180 एमएल बोतलें बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपितों में मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेनपुर पचरुखिया निवासी विपिन कुमार, मुसहरी थाना क्षेत्र के राजवाड़ा निवासी चंदन कुमार, समस्तीपुर जिले के ताजपुर हरहर ओपी क्षेत्र के मालपुर निवासी मुन्ना कुमार और कल्याणपुर थाना क्षेत्र के जटमलपुर निवासी प्रशांत कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार सभी आरोपितों को कोर्ट में प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।

जीविका दीदियों की सफलता की गूंज, सुनीता और खुशबू को मिला सम्मान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर भवन में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान जीविका से जुड़ी कई दीदियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की आत्मनिर्भरता, आजीविका संवर्धन और सामाजिक बदलाव की प्रेरक कहानियां भी साझा की गईं, जिसने उपस्थित लोगों को काफी प्रेरित किया। इसी क्रम में चौसा प्रखंड के पवनी गांव की रहने वाली सुनीता देवी की कहानी विशेष रूप से चर्चा का विषय बनी। "कृष्णा स्वयं सहायता समूह" से जुड़ी सुनीता देवी शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के बावजूद अपने साहस और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की मिसाल बनकर सामने आई हैं। किराना दुकान से शुरु हुई आत्मनिर्भरता की कहानी जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सुनीता देवी ने महावीर ग्राम संगठन से किराना दुकान शुरु करने के लिए सहयोग मांगा। जीविका के माध्यम से उन्हें 20 हजार रुपये जीविकोपार्जन निवेश निधि की पहली किस्त, 7 हजार रुपये अंतराल राशि और 10 हजार रुपये विशेष निधि के रूप में सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही उनके व्यवसाय को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए उन्हें सीबेड प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे उन्हें व्यवसाय प्रबंधन की जानकारी मिली। बाल विवाह और महिला अधिकारों पर जागरुकता फैलाती हैं खुशबू कार्यक्रम में डुमरांव के दीदी अधिकार केंद्र में कार्यरत खुशबू देवी को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने घरेलू हिंसा, बाल विवाह और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज साढ़े 9 बजे से लगेगा जॉब कैंप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), आरा में 11 मार्च को जॉब कैंप सह जॉब मेला लगेगा। हीरो मोटर्स लिमिटेड युवाओं को रोजगार का मौका देगी। यह जॉब कैंप बुधवार को सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक आईटीआई आरा के कार्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि श्रम संसाधन विभाग के सहयोग से इस जॉब मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिले सहित आसपास के बेरोजगार युवक-युवतियां भाग लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जॉब कैंप में निजी क्षेत्र की कंपनी हीरो मोटर्स लिमिटेड, हरिद्वार प्लांट के लिए योग्य अभ्यर्थियों का कैंपस चयन करेगी। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की आवश्यकतानुसार रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

तकनीकी ट्रेड के अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैंः बताया गया कि इस जॉब कैंप में 18 वर्ष से 26 वर्ष तक के पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों के लिए आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विभिन्न ट्रेड जैसे फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, मैकेनिक, मशीनिस्ट, टर्नर, एमएमवी, ट्रैक्टर मैकेनिक समेत अन्य तकनीकी ट्रेड के अभ्यर्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। वहीं, महिला अभ्यर्थियों के लिए भी फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, मशीनिस्ट, टर्नर, पेंटर, एमएमवी, डीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक और मैकेनिक एग्रीकल्चर जैसे ट्रेड में आवेदन का अवसर दिया गया है।

17 हजार रुपए इन हैंड सैलरी मिलेगीः कंपनी की ओर से चयनित अभ्यर्थियों को हरिद्वार स्थित हीरो मोटर्स प्लांट में नौकरी दी जाएगी। कंपनी की ओर से अभ्यर्थियों को कुल 24,933 रुपए सीटीसी (CTC) का पैकेज दिया जाएगा, जिसमें लगभग 17,247 रुपए इन-हैंड वेतन मिलने की जानकारी दी गई है। जॉब कैंप में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने साथ निबंधन प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, बायोडाटा (रिज्यूम) तथा सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल प्रति लेकर आना अनिवार्य होगा।

जॉब कैंप में शामिल होने के लिए नहीं लगेंगे पैसेः प्राचार्य ने बताया कि जॉब कैंप में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है और इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि नियुक्ति से संबंधित शर्तों और नियमों के लिए नियोजक कंपनी स्वयं जिम्मेदार होगी, जबकि आईटीआई आरा की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता के रूप में रहेगी। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं।

बिना बुलाए पिता के घर पर भी जाने से करें परहेजः रणधीर ओझा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के चौसा में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा में मामाजी के कृपा पात्र आचार्य श्री रणधीर ओझा ने कहा कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान न हो। आचार्य श्री ने कहा कि यदि अपने गुरू और इष्ट के अपमान होने की आशंका हो तो उस स्थान पर नहीं जाना चाहिए। चाहे वह स्थान अपने जन्म दाता पिता का ही घर क्यों न हो। प्रसंगवश भागवत कथा के दौरान सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने से अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा था। श्रीमद्भागवत कथा बड़े से बड़े पापियों को भी पापमुक्त कर देती है। जो व्यक्ति भागवत कथा आत्मसात कर लेता है, वह सांसारिक दुखों से मुक्त हो जाता है। आचार्य श्री ने कहा कि जीवन में यदि मान, बड़ा पद या प्रतिष्ठा मिला जाए तो उसे ईश्वर की कृपा मानकर भलाई के कार्य करना चाहिए, लेकिन यदि उसका जीवन में किंचित मात्र भी अभिमान हुआ तो वह पाप का भागीदार बना देता है। आचार्य श्री ने कहा कि अहंकार से भरे राजा परीक्षित ने जंगल में साधना कर रहे शमीक ऋषि के गले में मरा हुआ सर्प डाल दिया। परिणामस्वरूप राजा परीक्षित को एक सप्ताह में मृत्यु का शाप मिला। जब परीक्षित ने अपने सिर से स्वर्ण मुकुट को उतारा तो उन पर से कलियुग का प्रभाव समाप्त हो गया और उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिवार को बचाने के लिए धैर्य संयम जरूरी भागवत कथा में उत्तानपाद के वंश में ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाते हुए बाल व्यास जी ने समझाया कि ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया, जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया। परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है। भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। भक्तों पर विपदा आती है तब भगवान उनके कल्याण के लिए प्रकट होते हैं आचार्य श्री ने कहा कि जब जब भगवान के भक्तों पर विपदा आती है तब भगवान उनके कल्याण के लिए सामने आते हैं। परीक्षित को भवसागर से पार लगाने के लिए अब भगवान शुकदेव के रूप में प्रकट हो गए और श्रीमद्भागवत कथा सुनाकर परीक्षित को अपने चरणों में स्थान प्रदान किया। मानव को कर्म के आधार पर मिलती है मृत्यु आचार्य श्री ने कहा कि व्यक्ति अपने जीवन में जिस प्रकार के कर्म करता है उसी के अनुरूप उसे मृत्यु मिलती है। भगवान ध्रुव के सत्कमोर् की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुव की साधना, उनके सत्कर्म तथा ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा के परिणाम स्वरूप ही उन्हें वैकुंठ लोक प्राप्त हुआ। संसार में जब-जब पाप बढ़ता है, भगवान धरती पर किसी न किसी रूप में अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि कलयुग में भी मनुष्य सतयुग में भगवान कृष्ण के सिखाए मार्ग का अनुसरण करे तो मनुष्य का जीवन सफल हो सकता है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया गया है ।

मर्यादा, प्रेम और आदर्श दांपत्य का संदेश देता है श्रीराम विवाह : स्वामी अनंताचार्य

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

ब्रह्मपुर। निमेज गांव में चल रहे हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दौरान संत जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य जी महाराज ने श्रीराम विवाह प्रसंग की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि श्रीराम और माता सीता का विवाह केवल एक पारिवारिक उत्सव नहीं, बल्कि धर्म, मर्यादा और आदर्श दांपत्य जीवन का महान संदेश है। स्वामीजी ने बताया कि मिथिला के राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर के लिए एक कठिन शर्त रखी थी। उन्होंने घोषणा की थी कि जो वीर भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, वही सीता का वरण करेगा। इस स्वयंवर में अनेक राजाओं और वीरों ने प्रयास किया, लेकिन कोई भी उस धनुष को हिला तक नहीं सका।उसी समय महर्षि विश्वामित्र के साथ अयोध्या के राजकुमार श्रीराम और लक्ष्मण स्वयंवर में पहुंचे। गुरु की आज्ञा मिलने पर श्रीराम ने अत्यंत सहज भाव से शिव धनुष को उठाया और जैसे ही उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने लगे, धनुष भंग हो गया। यह दृश्य देखकर पूरा सभागार आश्चर्यचकित हो उठा और राजा जनक ने सीता का विवाह श्रीराम से संपन्न कराया। स्वामी अनंताचार्य जी महाराज ने कहा कि श्रीराम विवाह में केवल राम और सीता का ही नहीं, बल्कि चारों भाइयों का विवाह जनक परिवार की चार कन्याओं से हुआ। श्रीराम का विवाह सीता से, लक्ष्मण का उर्मिला से, भरत का मांडवी से और शत्रुघ्न का श्रुतकीर्ति से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मिथिला और अयोध्या दोनों ही नगर उत्सव में डूब गए। उन्होंने कहा कि श्रीराम विवाह हमें यह शिक्षा देता है कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कृतियों का मिलन होता है। राम और सीता ने अपने जीवन से त्याग, प्रेम, सम्मान और कर्तव्य का आदर्श प्रस्तुत किया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। स्वामीजी ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि यदि परिवार में राम-सीता जैसा आदर्श और मर्यादा का पालन किया जाए तो समाज में सुख, शांति और सद्भाव बना रह सकता है। स्वामी अनंताचार्य जी महाराज ने श्रीराम के वन गमन प्रसंग की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का वनवास भारतीय संस्कृति में त्याग, मर्यादा और कर्तव्य पालन का सर्वोच्च उदाहरण है।स्वामीजी ने बताया कि अयोध्या के राजा दशरथ ने अपने जीवनकाल में रानी कैकेयी को दो वरदान देने का वचन दिया था। जब श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही थी, तब मंथरा के बहकावे में आकर कैकेयी ने राजा दशरथ से वही दो वरदान मांग लिए। उन्होंने पहला वरदान यह मांगा कि उनके पुत्र भरत को अयोध्या का राजा बनाया जाए और दूसरा वरदान यह कि श्रीराम को 14 वर्ष के लिए वनवास भेज दिया जाए। राजा दशरथ अपने वचन से बंधे हुए थे और अत्यंत दुखी होकर भी उन्हें कैकेयी की मांग स्वीकार करनी पड़ी। जब श्रीराम को यह बात पता चली तो उन्होंने बिना किसी विरोध के पिता के वचन और राजधर्म की रक्षा के लिए प्रसन्नतापूर्वक वन जाने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त समाचार

15 मार्च से पटना-थावे के बीच नई फास्ट पैसेंजर ट्रेन शुरू, यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पटना और थावे के बीच एक नई फास्ट पैसेंजर ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 15 मार्च 2026 से नियमित रूप से संचालित की जाएगी। नई ट्रेन के परिचालन से पटना, सारण और गोपालगंज क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 55515/55516 पटना-थावे-पटना फास्ट पैसेंजर का परिचालन पाटलिपुत्र और दीघवारा के रास्ते किया जाएगा। इस ट्रेन में कुल 24 कोच होंगे, जिनमें सामान्य श्रेणी के 22 कोच और एसएलआरडी के 2 कोच शामिल हैं। रेलवे के अनुसार 15 मार्च से प्रतिदिन गाड़ी संख्या 55515 पटना-थावे फास्ट पैसेंजर पटना जंक्शन से दोपहर 12:10 बजे खुलेगी। इसके बाद यह ट्रेन 12:13 बजे फुलवारीशरीफ, 12:40 बजे पाटलिपुत्र, 12:52 बजे दीघा ब्रिज हॉल्ट और 13:50 बजे दीघवारा स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद गोल्डिनगंज समेत अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए शाम 7:00 बजे थावे पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 55516 थावे-पटना फास्ट पैसेंजर थावे स्टेशन से प्रतिदिन रात 8:05 बजे खुलेगी। यह ट्रेन विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव करते हुए रात 12:40 बजे गोल्डिनगंज, 1:00 बजे दीघवारा, 1:55 बजे दीघा ब्रिज हॉल्ट, 2:05 बजे पाटलिपुत्र और 2:25 बजे फुलवारीशरीफ पहुंचेगी। इसके बाद सुबह 3:20 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस नई ट्रेन के शुरू होने से पटना और थावे के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही मार्ग के बीच पड़ने वाले कई छोटे स्टेशनों के यात्रियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

नशे में धुत व्यक्ति ने बच्चे को पीटा, गंभीर घायल, वैशाली में लोहे की रॉड से सिर फोड़ा, सदर अस्पताल रेफर

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के करीओ गांव में एक मामूली विवाद के बाद नशे में धुत एक व्यक्ति ने 15 वर्षीय किशोर करण झा को लोहे की रॉड से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। करण स्वर्गीय गोपाल झा के पुत्र हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अंजनी झा नशे की हालत में बाइक से जा रहे थे। उन्होंने किशोर करण को गाली दी, जिसका करण ने विरोध किया। इसके बाद अंजनी झा ने करण की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। पिटाई के दौरान अंजनी झा ने लोहे की रॉड से करण के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। उन्होंने अंजनी झा के चंगुल से किशोर को छुड़ाया और उसे इलाज के लिए महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। महुआ अनुमंडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद, किशोर की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। करण झा का इलाज वर्तमान में हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। महुआ थाना अध्यक्ष राजेश रंजन ने बताया कि इस घटना के संबंध में थाने में अभी तक कोई सूचना या लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

7 लोक शिकायत मामलों पर सुनवाई, हाजीपुर समाहरणालय में 4 आवेदनों पर अंतरिम, 3 पर अंतिम आदेश सुरक्षित

हाजीपुर। वैशाली DM वर्षा सिंह की अध्यक्षता में 10 मार्च 2026 को समाहरणालय, हाजीपुर में लोक शिकायत निवारण से संबंधित द्वितीय अपील मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान कुल सात आवेदनों पर विचार किया गया। सुनवाई के क्रम में चार आवेदनों को अंतरिम आदेश के लिए रखा गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शेष तीन आवेदनों को अंतिम आदेश के लिए सुरक्षित रखा गया है। जिन मामलों में जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई के निर्देश दिए गए, उनमें वैशाली प्रखंड में ग्रामीण सड़क ढलाई की जांच, बिदुपुर प्रखंड में जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने, वैशाली प्रखंड में ग्रामीण सड़क निर्माण, तथा सहदेई बुजुर्ग प्रखंड में भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने से संबंधित मामले शामिल हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को इन मामलों में शीघ्र कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, जिन तीन मामलों को अंतिम आदेश पर रखा गया है, उनमें वैशाली प्रखंड में ग्रामीण सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराने, लालगंज प्रखंड में शौचालय निर्माण की राशि से संबंधित शिकायत, तथा हाजीपुर में दुकान तोड़ने से संबंधित मामला शामिल है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर दिया कि आम लोगों को त्वरित न्याय एवं राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिला प्रशासन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर 5.75 करोड़ की ठगी, 2 महीने में 19 केस, क्रिप्टो करंसी-शेयर मार्केट

पटना। इन दिनों सोशल मीडिया पर एडवरटाइजमेंट निकालकर आम लोगों से ठगी हो रही है। खासकर पढ़े लिखे नौकरीपेशा वाले लोग इसके शिकार बन रहे हैं। पिछले जनवरी महीने से अब तक 2 महीने के भीतर 19 मामले सामने आए हैं। इसमें 5,75,81,608 (5.75 करोड़) रुपये की ठगी हुई है। इसमें लोगों से क्रिप्टो करेंसी, Mutual Fund, गेमिंग एप, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की गई है। इसमें से अधिकतर निवेश करने वाले नौकरी पेशे से जुड़े हैं। साइबर SHO नीतिश चंद्र धारिया(DYSP) ने बताया कि, 'इन दिनों कम समय में ज्यादा मुनाफा देने के नाम पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए एडवर्टाइजमेंट निकाले जा रहे हैं। इनके टेलीग्राम, WhatsApp ग्रुप वगैरह भी है, जिसमें जो लोग एडवर्टाइजमेंट के जरिए संपर्क करते हैं, उन्हें जोड़ा जाता है। छोटे-छोटे अमाउंट में इन्वेस्टमेंट के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। भरोसा जीतने के लिए कभी कभार साइबर अपराधी रुपए वापस भी करते हैं। जैसे लोगों का विश्वास जमने लगता है, निवेश के नाम पर बड़े अमाउंट्स अलग-अलग एकाउंट्स में मंगा लेते हैं। जब तक लोगों को समझ में आता है तब तक वह काफी आगे निकल चुके होते हैं।'

बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन, सभी खिलाड़ियों को महिला कोच दे रही ट्रेनिंग

पटना। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के इंडोर हॉल में आज से बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन होगा। यह चैंपियनशिप, लीग का दूसरा संस्करण है। इसमें छह टीमों के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। राज्य भर से चुनी हुई महिला खिलाड़ी मैच में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। इस बार लीग का पैटर्न कबड्डी चैंपियंस लीग (KCL) के पैटर्न पर होगा, ताकि मैच रोमांचक हो। इस लीग में हर मैच डू और डाई मैच होगा। कोई भी मैच टाई नहीं होगा। 17 मार्च तक इस लीग का आयोजन किया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि यह पहला मौका है जब सभी छह टीमों की कोच और असिस्टेंट कोच महिला है, जो उन्हें ट्रेनिंग दे रही है। हमने पुराने कबड्डी प्लेयर्स को ही कोच बनाया है, ताकि नए प्लेयर्स को तैयार करके अपने प्रतिभा को निखारेंगे। इसके साथ ही इस माध्यम से हमें ये भी पता चल जाएगा कि बिहार में इस खेल के लिए कोच बनने लायक कौन लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि कल शाम ट्रॉफी का अनावरण उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह करेंगी। इस दौरान बिहार के DGP विनय कुमार और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत भी मौजूद रहेंगे। इसके माध्यम से अच्छे खिलाड़ियों को सिलेक्ट कर कैंप लगाई जाएगी, जिसमें उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। ताकि कॉमनवेल्थ गेम्स, ओलिंपिक गेम्स में प्लेइंग 7 में भारतीय टीम में बिहार के 2 खिलाड़ी जरूर रहे। अब हम हरियाणा, पंजाब का पूंछ पकड़कर नहीं चलेंगे। हम अब अपनी पहचान खुद बनाएंगे। बिहार कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने कहा कि इस लीग के माध्यम से बिहार में छिपी हुई प्रतिभा को निखार जाएगा। भाग लेने वाली छह टीमों में- सीतामढ़ी सेटनेल्स, मगध वारियर्स, सारण स्ट्राइकर्स, पटना पेलिकन, नालंदा निंजा और सीवान टाइटंस है। इस लीग को जीतने वाली टीम को 1.5 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर आने वाले को 75 हजार रुपये और तृतीय विजेता को 51 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, लीग खेलने के लिए 5 हजार रुपये हर प्लेयर को दिया जाएगा, चाहे वो जीते या हारे। वहीं, बिहार में महिलाओं के लिए प्रो कबड्डी लीग कराने की भी तैयारी चल रही है।

बिहार में राजस्व सेवा के पांच अधिकारियों का इस्तीफा मंजूर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में राजस्व कर्मचारी और अंचलाधिकारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे अंचल कार्यालयों के कामकाज पर असर पड़ रहा है। इसी बीच राज्य सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लेते हुए बिहार राजस्व सेवा के पांच अधिकारियों के त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया है। डिप्टी सीएम सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को इन अधिकारियों के इस्तीफे को मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद विभाग में हलचल मच गई है। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार संबंधित जिलाधिकारियों की अनुशंसा के आधार पर इन अधिकारियों के त्यागपत्र स्वीकार किए गए हैं। इस्तीफा देने वाले अधिकारियों में तीन महिला और दो पुरुष अधिकारी शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इन सभी के त्यागपत्र

विभाग में मचा हड़कंप

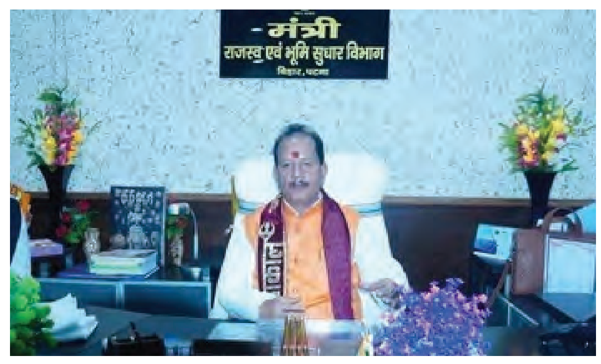

को उनके आवेदन की तिथि से प्रभावी मानते हुए स्वीकृति प्रदान की है। त्यागपत्र देने वालों में अंशु कुमार, जो वैशाली जिले के गोरौल अंचल के तत्कालीन अंचलाधिकारी थे, उनका इस्तीफा 19 दिसंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। राजन कुमार, जो रोहतास जिले के बिक्रमगंज में राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, उनका त्यागपत्र 26 जून 2025 से प्रभावी किया गया है। महिला अधिकारियों में शिवांगी पांडेय, जो सारण जिले के परसा में राजस्व अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं, उनका त्यागपत्र 7 मई 2025 से प्रभावी माना गया है। वहीं रोहतास जिले के राजपुर की तत्कालीन अंचलाधिकारी अंकिता वर्मा का त्यागपत्र 27 अगस्त 2024 से प्रभावी किया गया है। इसके अलावा हाजीपुर सदर की राजस्व अधिकारी स्मृति कुमारी का त्यागपत्र 20 अगस्त 2025 से प्रभावी मानते हुए स्वीकार किया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार संबंधित जिलाधिकारियों की ओर से भेजी गई अनुशंसा और आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इस संबंध में औपचारिक आदेश भी जारी कर दिया है, जिसके बाद इन अधिकारियों का त्यागपत्र आधिकारिक रूप से प्रभावी हो गया है। गौरतलब है कि राजस्व सेवा से जुड़े कर्मचारी अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इसके कारण दाखिल-खारिज, जमाबंदी सुधार, जमीन मापी, परिमार्जन समेत कई राजस्व संबंधी सेवाएं कई स्थानों पर धीमी या बाधित हो गई हैं। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की सख्त चेतावनी के बावजूद हड़ताल समाप्त नहीं हुई है। ऐसे में पांच अधिकारियों के इस्तीफे को मंजूरी मिलने से विभाग में और हलचल बढ़ गई है।

नौबतपुर में हाइवा की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नौबतपुर, पटना। नौबतपुर थाना क्षेत्र में एनएच-139 पर बुधवार दोपहर करीब तीन बजे तेज रफ्तार हाइवा ट्रक की टक्कर से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बड़की कोपा गांव के सामने हुई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को एंबुलेंस की मदद से नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान जफरा भगवानपुर गांव निवासी 25 वर्षीय छोटे लाल पासवान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से ससुराल चैनपुरा दरियापुर जा रहा था। इसी दौरान जब वह नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़की कोपा गांव के पास एनएच-139 पर पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक हाइवा ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छोटे लाल पासवान सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं उनकी बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस के पहुंचने पर घायल युवक को नौबतपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है। इधर दुर्घटना के बाद हाइवा चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। नौबतपुर थाना प्रभारी मंजीत ठाकुर ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फरार हाइवा और उसके चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पंचदीप भवन स्थित क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में बुधवार को 'सुविधा समागम' का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपनिदेशक राकेश रंजन तिवारी ने की। कार्यक्रम में बीमाकृत व्यक्तियों को मिलने वाले विभिन्न लाभों जैसे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय और प्रसूति व्यय से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान नौ बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिजनों की समस्याएं सुनी गईं, जिनमें खासकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े मामलों का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया गया। सुविधा समागम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न शाखा कार्यालयों और औषधालय सह शाखा कार्यालयों से जुड़े बीमाकृत व्यक्तियों की समस्याओं का भी त्वरित निष्पादन

किया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में निजी अस्पतालों में इलाज कराने पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान सीजीएचएस या सरकारी दरों के अनुसार किया जाता है। इसलिए गैर-आपातकालीन मामलों में पहले ईएसआईसी आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या ईएसआईसी अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा में इलाज कराने की सलाह दी गई। बैठक में डॉ. बिजय कुमार केशरी (एसएमओ), डॉ. विनय कुमार, ईएसआईसी अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय बिहटा के प्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे। अंत में सदस्य सचिव ने सभी बीमाकृत व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया।

बलिदान दिवस पर याद किए गए शहीद जुब्बा सहनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। किासशील इंसान पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक अमर शहीद जुब्बा सहनी का शहादत दिवस बुधवार को मसौढी पाली रोड स्थित वीआईपी कार्यालय में मनाया गया.इस मौके पर सभी वीआईपी के नेता और कार्यकर्ता उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी वीर गाथाओं को याद किया।वीआईपी के पटना जिलाध्यक्ष राजू बिंद ने कहा कि शहीद जुब्बा सहनी को इतिहास में जो उचित स्थान मिलना चाहिए, वह आज तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि शहीद जुब्बा सहनी ने छोटी से उम्र में बड़ा काम कर दिखाया था। देश के सामने स्वयं को कुर्बान कर दिया। उन्होंने कहा कि त्याग और बलिदान का ऐसा बहुत कम उदाहरण मिलता है।अमर शहीद जुब्बा सहनी जी का आज़ाद भारत की लड़ाई में किया गया योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।मुजफ्फरपुर के धरती पर जन्मे, जुब्बा सहनी जी का योगदान

इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से सुशोभित है.वही जिलाध्यक्ष डॉ राजू बिंद एवं उनकी पत्नी दुललर देवी द्वारा सैकड़ों महिला को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर वीआईपी पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष भदौरा निवासी उपेंद्र बिंद निषाद विकास संघ के जिला प्रभारी राजेश राही डॉ गुडडू चौहान पप्पू बिंद धनरूआ प्रखंड अध्यक्ष बिंदा बिंद मालती देवी मिथलेश बिंद सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

बापू सभागार में मनाया गया अमर शहीद जुब्बा साहनी का शहादत दिवस, उपमुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। जल मित्र सामाजिक संगठन के तत्वावधान में बुधवार को पटना स्थित बापू सभागार में अमर शहीद जुब्बा साहनी का शहादत दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी तथा सहकारिता मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में निषाद समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा शहीद जुब्बा साहनी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान सपूतों के आदर्शों पर चलना ही युवाओं का वास्तविक संकल्प होना चाहिए। उन्होंने जल मित्र सामाजिक संगठन

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित अन्य नेता।

और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष सकलदेव बिंद को बधाई देते हुए कहा कि जुब्बा साहनी के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जुब्बा साहनी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ साहस के साथ संघर्ष किया और उनकी शहादत देशवासियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में जल मित्र सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सकलदेव बिंद ने कहा कि निषाद समाज प्रदेश की तीसरी बड़ी आबादी है, लेकिन उसे अब तक उचित भागीदारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष जारी रहेगा और जहां भी समाज के साथ अन्याय होगा, वहां संगठन मजबूती से खड़ा रहेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि एनडीए सरकार मल्लाह समाज को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को सम्मान देकर प्रधानमंत्री ने अतिपिछड़ा समाज का सम्मान बढ़ाया है। वहीं सहकारिता मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने भी देश और प्रदेश के विकास में अतिपिछड़ा समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर केशव मूवी एंटरटेनमेंट की ओर से भोजपुरी फिल्म 'जुब्बा दी वॉरियर' का आधिकारिक पोस्टर भी जारी किया गया। यह फिल्म अमर शहीद जुब्बा साहनी के जीवन पर आधारित होगी। फिल्म का निर्माण मुकेश निषाद और सकलदेव बिंद कर रहे हैं, जबकि इसका निर्देशन अमित विक्रम करेंगे। फिल्म की पूरी शूटिंग बिहार में ही की जाएगी और इसे जनवरी 2029 में रिलीज करने की योजना है।

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, रायफल और छह कारतूस बरामद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी के लहसुना थाना क्षेत्र के हरवंशपुर गांव में शादी समारोह के दौरान अवैध हथियार से हर्ष फायरिंग करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 3.15 बोर की रायफल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस घटना में दो बच्चे घायल हो गए थे।

जानकारी के अनुसार 9 मार्च को हरवंशपुर गांव में उपेंद्र शर्मा की बेटी की शादी का समारोह आयोजित था। उस समय जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था और बड़ी संख्या में लोग मंच के पास मौजूद थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने अचानक हर्ष फायरिंग कर दी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई और दो बच्चे घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने छापेमारी अभियान चलाकर 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) परिचय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जांच के दौरान औरंगाबाद जिले के बन्देया थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय पारस नाथ सिंह के पुत्र विकास कुमार और बुलबुल कुमार का नाम सामने आया। पुलिस ने विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी बुलबुल कुमार फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी के पास से 3.15 बोर की रायफल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद हथियार का किसी आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध तो नहीं है।

इस मामले में पुलिस ने आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने कहा कि सार्वजनिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग करना कानूनन अपराध है और इससे लोगों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शादी या अन्य समारोह के नाम पर हथियारों का प्रदर्शन और फायरिंग किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शहीद जुब्बा सहनी के शहादत दिवस पर बापू सभागार में दी गई श्रद्धांजलि, सामाजिक कार्यकर्ताओं की रही बड़ी भागीदारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी (पटना)। अमर शहीद जुब्बा सहनी के शहादत दिवस के अवसर पर बुधवार को पटना के बापू सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जल मित्र सामाजिक संगठन के तत्वावधान में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लेकर शहीद को नमन किया।

कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी शकलदेव बिंद के आह्वान पर किया गया, जबकि इसका नेतृत्व प्रदुम्न बेलदार ने किया। इस अवसर पर मसौढ़ी

और धनरूआ क्षेत्र से सैकड़ों लोग बापू सभागार पहुंचे। सभी ने शहीद जुब्बा सहनी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके देशभक्ति व बलिदान को याद किया।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने शहीद जुब्बा सहनी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जुब्बा सहनी का बलिदान देश की आजादी की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उनके आदर्श और संघर्ष आज भी समाज को प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य उपेंद्र बिंद, मुखिया पति छोटे बिंद, जितेंद्र राज उर्फ बिंदु सिंह, नौलेश बिंद, सतेंद्र बिंद, सियाराम बिंद, अमित बिंद सहित कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने शहीद के बताए रास्ते पर चलने और समाज की सेवा करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

ईडी बनाम रांची पुलिस : उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच का दिया आदेश

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो अधिकारियों की ओर से दायर याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की अदालत ने मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया है। अदालत ने सीबीआई में प्राथमिकी दर्ज कर और उसका अनुसंधान करने का भी निर्देश दिया है। मामले में अदालत ने 24 फरवरी को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। ईडी की ओर से एसजीआई एसवी राजू, अधिवक्ता एके दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा था। वहीं राज्य सरकार की ओर से उच्चतम न्यायालय के वरीय अधिवक्ता एस नागामुथु, महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता दीपांकर ने दलील पेश की थी। सूचक की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा था। यह मामला एयरपोर्ट थाना कांड संख्या 05/2026 से संबंधित है, जिसमें संतोष कुमार ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। ईडी ने अदालत में याचिका दायर कर प्राथमिकी को रद्द करने और मामले की सीबीआई जांच कराने का आग्रह किया था। साथ ही शिकायतकर्ता संतोष कुमार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि संतोष कुमार पर लगभग 23 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन का आरोप है, जो कथित पेयजल घोटाले से जुड़ा है। ईडी ने इस मामले में उनके खिलाफ इसीआईआर दर्ज किया है। ईडी के अनुसार, संतोष कुमार 12 जनवरी 2026 को खुद ईडी कार्यालय पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान वे अचानक उत्तेजित हो गए और खुद ही जग उठाकर अपने सिर पर मार लिया, जिससे उन्हें मामूली चोट आई। इसके बाद संतोष कुमार ने ईडी अधिकारियों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में मामला दर्ज कराया। मामले को लेकर रांची पुलिस ईडी कार्यालय भी जांच करने गई थी और ईडी अधिकारियो से पूछताछ भी की थी।

चलती बाइक से कूदकर बच्ची ने की अपहरण की कोशिश नाकाम

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मनोहरपुर प्रखंड में एक स्कूली बच्ची की सूझबूझ और साहस से संभावित अपहरण की घटना टल गई। अज्ञात युवक ने बाइक पर बैठाकर ले जाए जाने के दौरान बच्ची ने चलती बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई। मिली जानकारी के अनुसार मनोहरपुर थाना क्षेत्र के पानी टंकी निवासी लक्ष्मी धनवार (09) मंगलवार की शाम मनोहरपुर बाजार से घर के लिए सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान एक अज्ञात युवक ने उसे घर तक छोड़ने का झांसा दिया और बाइक बैठा लिया। बच्ची को लगा कि युवक उसे घर तक पहुंचा देगा, लेकिन कुछ दूर जाने के बाद वह उसके घर के पास से आगे निकल गया। जब बच्ची ने युवक से बाइक रोकने को कहा तो उसने बाइक नहीं रोकी। स्थिति को भांपते हुए लक्ष्मी ने साहस दिखाया और चलती बाइक से छलांग लगा दी। सड़क पर गिरने से वह घायल हो गई, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। इसके बाद सामने से आ रहे कुछ राहगीरों से मदद मांगी और किसी तरह अपने घर पहुंच गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्ची की मां उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। इस घटना के बाद परिवार की ओर से मनोहरपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। बुधवार को मनोहरपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

शिक्षा से ही बदलेगी जनजातीय समाज की किस्मत : प्रफुल्ल

खूंटी। जिले के डोड़मा गांव में मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निर्मित 249 वें नूतन शिक्षा भवन सरस्वती धाम का लोकार्पण बुधवार को धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक कोचे मुंडा और वनवासी कल्याण केंद्र के संगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित प्रफुल्ल अकांत ने ट्रस्ट के किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दूरदराज और वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से बनाए जा रहे विद्यालय भवनों से वनवासी समाज और जनजातियों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। अकांत ने कहा कि शिक्षा से ही जनजातीय समाज की किस्मत बदल सकती है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सूरत (गुजरात) के उद्योगपति केशुभाई गोटी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों से देश के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्यालयों और छात्रावासों के स्थान पर नए भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। अब तक ट्रस्ट के सहयोग से 351 भवनों के निर्माण का कार्य आरंभ हो चुका है, जिनमें यह डोड़मा स्थित भवन 249 वां सरस्वती धाम है । कार्यक्रम में श्रीहरि वनवासी कल्याण केंद्र की अध्यक्षा डॉ तनुजा मुंडा ने कहा कि बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे मूल्य आधारित शिक्षा की ओर प्रेरित होंगे। इससे पढ़ाई का स्तर भी और अधिक ऊंचा होगा। पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि हरि वनवासी कल्याण केंद्र जनजातीय बहुल इलाके में लगातार शिक्षा का अलख जगा रहा है और सेवा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास हो सकता है। समारोह में ट्रस्ट के प्रतिनिधि दिनेशभाई पटेल, शिक्षाविद् हरिकृष्ण शास्त्री, ट्रस्ट के झारखंड संयोजक धनजीभाई वानानी, चंद्रकांत रायपत, प्राचार्य बजरंग साहू, बीकेबी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाइक, भूमि दाता अनिरुद्ध मांझी, अमित मांझी सहित कई लोग मौजूद थे। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से संचालित शिक्षा साथी अभियान, कुपोषण मुक्ति अभियान और मानस परिवर्तन विचार क्रांति अभियान जैसे चार प्रमुख प्रकल्पों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके पूर्व अतिथियों ने माता सरस्वती और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पूजा अर्चना कर भवन का लोकार्पण किया। विद्यालय के बच्चों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया।

आंगनवाड़ी कर्मियों ने उपायुक्त कार्यालय पर किया धरना-प्रदर्शन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जिले की आंगनवाड़ी सेविका और सहायिकाओं ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। झारखंड आंगनवाड़ी कर्मचारी एसोसिएशन (एकेए) और संयुक्त मोर्चा (जाका) के बैनर तले बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कर्मियों ने साकची आमबगान से जुलूस निकालते हुए उपायुक्त कार्यालय तक मार्च किया। इस दौरान उनके हाथों में बैनर और पोस्टर थे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की। धरना-प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि राज्य भर की आंगनवाड़ी सेविका और सहायिकाएं वर्षों से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं की गई है। संगठन का कहना है कि आंगनवाड़ी कर्मी सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसके बावजूद उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। आंगनवाड़ी कर्मियों ने सरकार से मांग की है कि सेविका और सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और उन्हें सभी वैधानिक लाभ उपलब्ध कराए जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति के बाद कम से कम पांच लाख रुपये का रिटायरमेंट लाभ देने, मानदेय का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में देने, आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में दो लाख रुपये की सहायता राशि देने और सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 65 वर्ष करने की मांग भी उठाई गई। संगठन की ओर से यह भी बताया गया कि कई बार नेटवर्क की समस्या के कारण एफआरएस (फेस रिकॉग्निशन सिस्टम) के माध्यम से लाभार्थियों का सत्यापन नहीं हो पाता है, जिससे पोषाहार वितरण में परेशानी होती है। ऐसे में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बेहतर नेटवर्क व्यवस्था उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। धरना कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्वी सिंहभूम जिला की सचिव लक्ष्मी बेनी पाली ने किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंगनवाड़ी कर्मी चरणबद्ध आंदोलन के लिए विवश होंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले की आंगनवाड़ी सेविका और सहायिकाएं मौजूद रहीं और एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की।

ट्यूशन शिक्षक ने की दो बच्चों की पिटाई, थाने में शिकायत

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जुगसलाई थाना क्षेत्र में ट्यूशन पढ़ाने वाले एक शिक्षक की क्रूरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि परीक्षा में कम अंक आने से नाराज़ शिक्षक ने दो छोटे बच्चों को बुरी तरह पीट दिया। इस मारपीट में एक बच्ची की उंगली टूट गई, जबकि दोनों बच्चों के शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक जुगसलाई निवासी तैयबा के बच्चे गुलाम गौश और मायरा फिरदौस स्थानीय शिक्षक प्रभात के पास ट्यूशन पढ़ने जाते थे। दोनों बच्चे बेलडीह चर्च स्कूल के छात्र हैं। सोमवार को स्कूल में परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ था। मंगलवार को दोनों बच्चे अपना रिजल्ट लेकर ट्यूशन शिक्षक के पास पहुंचे थे। बताया जाता है कि जैसे ही शिक्षक प्रभात ने बच्चों के कम अंक देखे, वह गुस्से से भड़क उठा और दोनों को डंडे और हाथ से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। बच्चों को इस तरह पीटा गया कि उनके शरीर पर चोट के गहरे निशान पड़ गए और मायरा फिरदौस की एक उंगली भी फ्रैक्चर हो गई। बच्चों की मां तैयबा ने बताया कि जब वह शाम को ट्यूशन से बच्चों को लेने पहुंचीं तो उनका बेटा डरा हुआ था और शिक्षक को धक्का देकर उनके पास भाग आया। घर पहुंचने पर जब बच्चों की हालत देखी गई तो परिजनों के होश उड़ गए। दोनों बच्चों के शरीर पर मारपीट के निशान थे और बेटी की उंगली टूट चुकी थी। इफ्तार के समय बच्चों की हालत देखकर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने मंगलवार की रात जुगसलाई थाना पहुंचकर आरोपी शिक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बच्चों का प्राथमिक उपचार कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपित शिक्षक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

झारखंड में गिरा तापमान, 17 तक बारिश की संभावना

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार को हुई बारिश के कारण अधिकतम तापमान में 02 से 04 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। राज्य भर में 17 मार्च तक विभिन्न जिलों में गर्जन, वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार 12 मार्च को राज्य के उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। 13 और 14 मार्च को मौसम साफ रहेगा, जबकि 15 मार्च को राज्य की उत्तर पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात हो सकती है। वही 16 मार्च को राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसके अलावा 17 मार्च को राज्य के उत्तर पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष भागों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डालटेनगंज में 34.4 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 17.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह में मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। साथ ही मध्यम दर्जे की हवा भी चली। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री और न्यूनतम 19.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार जमशेदपुर में अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 22 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रामनवमी पर डीजे प्रतिबंध से हजारीबाग विधायक ने जताई नाराजगी, सदन के बाहर बैठे धरने पर

एजेंसी। रांची

हजारीबाग में रामनवमी पर डीजे बजाने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कड़ी नाराजगी जताई है। विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे विधायक ने राज्य सरकार पर हिंदुओं के पर्वों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी पूरे राज्य में अपनी भव्यता और परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में डीजे बजाने पर रोक लगाना लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने मांग की कि हजारीबाग के ख्याति प्राप्त इंटरनेशनल श्री चैत रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया जाए और जुलूसों में डीजे बजाने की अनुमति दी जाए। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रशासन इस फैसले पर पुनर्विचार नहीं करता है, तब भी हजारीबाग में हर हाल में रामनवमी के अवसर पर डीजे बजाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को जनता की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार को हजारीबाग जिले में मंगला जुलूस के दौरान डीजे के प्रयोग की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक डीजे को जब्त कर लिया था। वहीं, जिला प्रशासन ने सभी आयोजनकर्ताओं एवं आमजन से अपील की है कि पर्व-त्योहारों के दौरान डीजे का प्रयोग न करें तथा न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें, ताकि सभी पर्व-त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें। पर्व-त्योहारों के दौरान उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार किसी भी प्रकार के डीजे के प्रयोग पर सख्त मनाही है।

रामनवमी में डीजे प्रतिबंध पर सदन में जोरदार हंगामा

एजेंसी। रांची

झारखंड विधानसभा बजट सत्र के 11 वें दिन बुधवार को भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने हजारीबाग में रामनवमी पर डीजे बजाने पर लगाए गए प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने सरकार पर सवाल खड़े किए। नवीन जायसवाल के समर्थन में भाजपा के कई विधायक अपनी-अपनी सीट से खड़े हो गए और विरोध जताने लगे। इस दौरान कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप शोर-शराबे के बीच सदन के वेल में पहुंच गए। भाजपा विधायक के हाथों में तख्तियां थीं, जिस पर लिखा था कि कोयला, बालू और जमीन की लूट नहीं चलेगी। हंगामे के बीच मार्शलों ने विधायकों के हाथों से तख्तियां ले लीं। इस बीच विधायक प्रदीप यादव ने अपनी बात पूरी नहीं होने पर नाराजगी जताई। इसके बाद एक बार फिर भाजपा विधायक वेल में पहुंच गए और काफी देर तक नारेबाजी करते रहे। बाद में संसदीय कार्य मंत्री के हस्तक्षेप के बाद विधायक वेल से वापस अपनी सीटों पर लौटे। सदन में स्थिति सामान्य होने पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रवीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि पहली बार बिना व्यवधान के सदन की कार्यवाही चली है और सभी सदस्यों से अपील की कि वे विधानसभा की कार्यवाही को बाधित न करें। वहीं डीजे बजाने के मुद्दे पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि डीजे बजाने के मामले का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि रात 10 बजे के बाद किसी भी स्थिति में डीजे नहीं बजाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश में हिंदू नहीं, बल्कि हिंदुस्तानी खतरे में नहीं हैं।

विधायक हेमलाल मुर्मू ने अबुआ आवास योजना पर सवाल उठाया- सदन में लिट्टीपाड़ा के विधायक हेमलाल मुर्मू ने राज्य की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने योजना के तहत लाभुकों को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और सरकार की तैयारी के बारे में जानकारी मांगी। इस पर जवाब देते हुए मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में गरीबों को आवास उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने बताया कि बजट में आवास के लिए करीब 4400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि से जहां 6 लाख आवासों को पूरा किया जाएगा। वहीं नए आवास भी स्वीकृत किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार से कई बार बातचीत और पत्राचार किया गया। लेकिन केंद्र की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण
'आत्मा' गढ़वा
www.atmagarhwa.org.in
Email-atmagarhwa2007@gmail.com

लेखापाल –सह–लिपिक नियुक्ति हेतु संशोधित विज्ञापन

आत्मा कार्यालय, गढ़वा अंतर्गत लेखापाल–सह–लिपिक की नियुक्तिु हेतु प्रकाशित विज्ञापन PR No. 367823 (Agriculture)25-26*D के कंडिका संख्या– 9 में क्रमशः निम्नानुसार संशोधन किया जाता है–
9. इंटरमिडिएट अधिकत्तम 10 अंक, ग्रेजुएट (B.com) 30 अंक, M.com (MBA in Finance) अधिकत्तम 10 अंक, कम्प्यूटर ज्ञान (Excel- 7 अंक, Power Point- 3 अंक एवं Word में 10 अंक) कुल 20 अंक, कार्य अनुभव– 20 अंक (सरकारी संस्था से निर्गत प्रति वर्ष 4 अंक, अर्द्ध सरकारी से 4 अंक प्रति दो वर्ष के लिए, एवं निजी संस्था से 4 अंक प्रति तीन वर्ष के लिए), समेति/आत्मा से कार्य किए हुए अभ्यर्थी को 10 अंक दी जाएगी।
नियुक्ति हेतु विज्ञापन की पूर्व में प्रकाशित नियम/शर्तें/कंडिकाएं यथावत रहेंगी।

जिला कृषि पदाधिकारी
गढ़वा

PR 374716 Agriculture(25-26)#D

झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, पलामू

–:पशुपालको हेतु आम सूचना:–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पलामू जिला में दिनांक 28.01.2026 से 14.04.2026 तक सम्पूर्णता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत पशुओं में होने वाले खुरहा एवं मुंहपका रोग से पशुओं को सुरक्षित रखने हेतु पशुओं में निःशुल्क FMD टीका लगाया जाना है।
उक्त के आलोक में जिन पशुपालकों के पशुओं में अभी तक FMD टीका नहीं लगाया गया है उन्हें चिन्हित करते हुए टीका लगाया जा रहा है।
अतः आप सभी को सूचित करना है कि अपने पशुओं में निःशुल्क FMD टीका लगाने एवं पशुओं का निबंधन भारत पशुधन ऐप में करवाने हेतु हमारे कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता एवं टीकाकर्मियों का सहयोग करना चाहेंगे।

जिला पशुपालन पदाधिकारी,
पलामू

PR 374738 Animal Husbandry(25-26).D

कार्यालय, झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना (GeM)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि झारखण्ड शिक्षा परियोजना, परिषद, राँची के पत्रांक–5063 दिनांक–26.11.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में गढ़वा जिले के 26 PM SHRI विद्यालयों में निम्नलिखित सामग्रियों एवं सेवा उपलब्ध कराने हेतु GeM पोर्टल पर निविदा आमंत्रित किया गया। Herbal/Medicinal Garden एवं Enhancement of School Aesthetics में क्रमशः एक एवं दो ही निविदादाता के भाग लिये जाने के कारण जिला क्रय समिति के निर्णयानुसार पुनर्निविदा आमंत्रित की जाती है।

Sl	Item Name/Service	GeM BID No
1	Herbal/Medicinal Garden	GEM/2026/B/7336668
2	Enhancement of School Aesthetics	GEM/2026/B/7336880

1	Date and time for Receipt of Technical and Financial Bid	दिनांकः 19.03.2026 समय अपराह्न 05:30 बजे।
2	Mode of Receipt of Technical and Financial Bid	Gem Portal(https://gem.gov.in)
3	Date & Place of Sample and EMD Submission	दिनांकः 19.03.2026 समय – अपराह्न 2:00 बजे स्थान– झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, गढ़वा।
4	Date of Opening of Technical Bid with Demonstration & Quality Checking of Sample	दिनांकः 20.03.2026 समय – पूर्वाह्न 11:30 बजे स्थान– झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, गढ़वा।

इच्छुक निविदादाता GeM पोर्टल पर निर्धारित शर्तों के अनुसार ऑनलाईन बिड प्रस्तुत कर सकते हैं। पुनर्निविदा प्रपत्र कंडिका–3(C) का उपकंडिका–03 में समर्पित किये जाने वाले दूसरा लिफाफा वित्तीय बिड में अंकित किये जाने वाला दर सभी सामग्रियों/सेवाओं का अलग–अलग दर अंकित करते हुए जमा करेंगें। विस्तृत शर्तें एवं विवरण GeM पोर्टल एवं जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.garhwa.nic.in पर उपलब्ध है।
निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार जिला क्रय समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

PR.NO.374712 Human Resource Developement(25-26):D

Office of the Civil Surgeon-cum-CMO, Palamu,Jharkhand

(Procurement Cell), Very Urgent Procurement Notice
Tender Notice No: 06 / 2025-26 Dated 11/03/2026
Fact Sheet

Sl. No.	Particular	Details
a.	Name of the work	Supply of Calcium Tablet for ANC and PNC (500mg +250 IU Vit D3)
b.	Availability of RFP document at	NIC Palamu portal
c.	Date of Issue of RFP	11/03/2026
d.	Last Date for submission of Proposal	25/03/2026 at 05.00 PM
e.	Date of opening ofTechnical Proposal	27/03/2025 at 05.30 PM
f.	Date of opening ofFinancial Proposal	AFTER FINALIZING TECHNICAL PROPOSAL
g.	Time allowed forcompletion	60 days from the date of the work order.
h.	Earnest money deposit (EMD)(Refundable)	**INR 1,00,000/-(Rupees One Lakh Only)** in the form of Fixed Deposit pledged in favor of" Civil Surgeon-cum-CMO, Palamu" drawn In any Scheduled Commercial Bank payable at Palamu. The bid EMD fee shall be submitted in 1st inner Envelope of the Technical Proposal in original.
i.	Address at which thetenders are to be submitted:	Office of the Civil Surgeon-cum-CMO, Palamu, Jharkhand
J	Mode of submission	By Hand only to the address as specified above during office hours only. Submission of the bid through any other mode or late submission of bids will be rejected.
K	Method of Selection	Cost-Based Selection (CBS)Method; Stage 1: Bid Fee, EMD& affidavit in original After Date of bid publication date to be submitted by the bidders in 1st inner Envelope Stage 2: The eligibility criteria documents as per Annexure-G, To Be submitted by the bidders will be evaluated in the first stage. The bidders meeting the technical evaluation criteria only will be shortlisted for further financial bid evaluation. **Stage 2:** Out of the technically eligible bidders, the agency submitting the **lowest financial bid** will be awarded the project. **The Rate quoted by the agencies should be valid for 3 years.** **Repeat Order Clause**: The contract will have a Repeat Order Clause, wherein the Buyer can order any Qty between 36 months from the date of successful completion of this contrast the cost and terms & conditions remaining the Same. The Bidder is to confirm acceptances of this clause. It will be entirely the discretion of the Buyer to place the Repent order or not.

Civil Surgeon-CMO
Palamu

PR 374778 District(25-26)#D

बारूद की गंध से दूर बस्तर, अब काफी की महक में खिलती है जिंदगी

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर के जंगलों में कभी जिन हाथों में बंदूक और बारूद हुआ करते थे, वही हाथ आज चाय और काफी के कप सजा रहे हैं। चेहरे पर मुस्कान लिए जब फगनी उसेंडी ग्राहकों को चाय परोसती है, तो यकीन करना मुश्किल होता है कि यही हाथ कभी माओवादी दस्तों संग जंगलों में लड़ाई के लिए तैयार रहते थे। वर्ष 2005 में सलवा जुडूम आंदोलन के दौर में 10 साल की फगनी माओवादी संगठन के संपर्क में आई। फगनी बताती है कि ओरछा के आश्रम स्कूल में पांचवीं तक पढ़ने के बाद जब वह अबूझमाड़ के सुदूर जंगलों के बीच बसे अपने गांव डुंगा पहुंची, तो माओवादियों ने उसे अपने साथ जोड़ लिया। पहले उसे 'डॉक्टर टीम' में दवाइयां देना और इंजेक्शन लगाना सिखाया गया। बाद में बोटेर गांव के रिवोल्यूशनरी पॉलिटिकल स्कूल (रिपोस) में बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई। यहां वह करीब 50 बच्चों को माओवादी विचारधारा और संगठन का इतिहास पढ़ाती थी। वर्ष 2016 में बीमारी के कारण वह मुख्यधारा में लौट आई। सरकार की पुनर्वास नीति के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेकर अब बस्तर पंडुम कैफे में काम कर रही है। उसके साथ पदमी, कमलू और सुकालु

जैसे छह अन्य आत्मसमर्पित माओवादी भी यहां काम कर रहे हैं। फगनी कहती है कि अब मैं कभी हथियार नहीं उठाना चाहती, न पुलिस के लिए और न माओवादियों के लिए। हिंसा छोड़ आत्मनिर्भरता की राहबस्तर में बदलाव की कई कहानियां हैं। कोंडागांव जिले के कोडलियार की रहने वाली मंगती माओवादी प्रभाव के कारण वर्ष 2015 में 16 साल की उम्र में संगठन में शामिल हो गई थी। अगले 10 वर्षों तक वह कुतुल एरिया कमेटी में काम करती रही। वर्ष 2025 में अपने पति संतू उर्फ बदरू के साथ मुख्यधारा में लौट आई। पुनर्वास नीति के तहत सिलाई मशीन का प्रशिक्षण मिला। आज वह अपने घर में ही सिलाई की छोटी-सी दुकान चला रही है और हर महीने सात से आठ हजार रुपये की आय अर्जित कर रही है। इसी तरह माओवादी संगठन के सबसे खतरनाक लड़ाकू दस्ते पीएलजीए बटालियन नंबर-एक का माओवादी मड़कम आयता पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण मिलने के बाद आज सुकमा के पर्यटन स्थल तुंगल बांध में नाव संचालन का काम कर रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा के खात्मे के लक्ष्य, सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और पुनर्वास नीति के कारण कई माओवादी अब रोजगार और सम्मान की तलाश में मुख्यधारा की ओर लौट रहे हैं। सरकारी पुनर्वास नीति के तहत उन्हें आर्थिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मतांतरण के लिए हिंदुओं पर दवाब बनाता था मुतवल्ली, पद से हटाया गया

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मुतवल्ली (वक्फ के प्रबंधक) अल्तमस

सिद्दिकी पर हिंदू परिवारों पर मतांतरण के लिए दबाव बनाने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवारों ने मुतवल्ली की शिकायत छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड में की है। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने मुतवल्ली को पद से हटा दिया है, साथ ही एफआइआर दर्ज करवाने के लिए राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखा है। पीड़िता स्मिता वाल्देकर ने आरोप लगाया है कि आरोपित उन पर मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बनाते हुए अपना नाम 'फातिमा' रखने को कहता था। उसने धमकी दी थी कि यदि उसकी बात नहीं मानी, तो दो दिन में नौकरी से निकलवाकर जेल भिजवा देगा। वहीं, मुस्लिम परिवारों ने वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को दिए गए लिखित ज्ञापन में बताया कि अल्तमस सिद्दिकी स्वयं को '22 जमात' का सदर बताता है और पिछले तीन-चार वर्षों से कुछ सुन्नी मुस्लिम परिवारों पर दबाव बनाकर अपनी मान्यता स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। इन परिवारों का आरोप है कि बहिष्कार के बाद उन्हें कब्रिस्तान, मस्जिद, निकाह, शादी-विवाह और सामूहिक दावत जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने से रोक दिया गया। इतना ही नहीं, इन परिवारों के साथ रोटी-बेटी के रिश्ते भी समाप्त कर दिए गए, जिससे वे भय और दबाव में जीवन जीने को मजबूर हैं। अल्तमस सिद्दिकी द्वारा पूर्ण रूप से दादागिरी की जा रही है। जबरदस्ती हिंदू भाइयों पर मुसलमान बनने का दबाव बनाया जा रहा है। शिकायत के बाद मुतवल्ली को पद से हटा दिया गया है। गृहमंत्री को मैंने पत्र लिखा है, मतांतरण का दबाव बनाने के आरोप में अल्तमस पर एफआइआर दर्ज कराएंगे।

कांग्रेस विधायक के बयान पर भारी बवाल, महिला आयोग ने लिया संज्ञान

चंडीगढ, एजेंसी। पंजाब विधानसभा में बजट सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस विधायक

सुखपाल खैहरा के सोशल मीडिया पर दिए गए बयान को लेकर जमकर हंगामा हुआ। हालांकि, खैहरा सदन में मौजूद नहीं थे। वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में खैहरा का एक सोशल मीडिया पर दिया गया बयान पढ़कर सुनाया, जिसमें वह कह रहे हैं कि 1,000 रुपये लेकर औरतें कौन से सूरमे पैदा कर देंगी। चीमा ने इसे अनुसूचित जाति समुदाय की बहू-बेटियों का अपमान बताया। इसके बाद सदन में खैहरा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पास हुआ। दूसरी तरफ पंजाब राज्य महिला आयोग ने भी खैहरा के बयान का कड़ा संज्ञान लिया है। खैहरा के साथ पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को भी 12 मार्च को सुबह 11:30 बजे आयोग के दफ्तर में पेश होने के लिए कहा है। आयोग ने एसएसपी कपूरथला को भी सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आप के हंगामे के बीच सदन में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने खैहरा के बयान के लिए माफी भी मांगी।

बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगेगा बैनः पंजाब सरकार कर रही विचार, मेंटल हेल्थ पर फोकस

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा सत्र में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि सरकार बच्चों के मोबाइल उपयोग पर पाबंदी लगाने पर विचार करेगी। यह आश्वासन डॉ. बलबीर सिंह ने स्पीकर की मांग पर दिया। स्पीकर ने कहा कि बच्चों की मानसिक सेहत पर मोबाइल का बुरा असर पड़ रहा है। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पर अच्छी चर्चा करके कदम उठाए जाएंगे। बच्चों में मोबाइल एडिक्शन एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिस पर अभिभावकों, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों के अत्यधिक मोबाइल इस्तेमाल से उनकी पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए अब सेकेंडरी स्तर पर कई काउंसलिंग कोर्स और गाइडेंस प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, ताकि बच्चों को सही दिशा दी जा सके और उन्हें मोबाइल की लत से बाहर निकाला जा सके। इस समस्या के समाधान के लिए माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के साथ अधिक से अधिक क्वालिटी टाइम बिताएं, बातचीत करें और उनकी गतिविधियों पर ध्यान दें।

चुनावी विवाद में फिर सुलगा मेघालय

पुलिस फायरिंग में दो की मौत; हिंसा के बाद कर्फ्यू, सेना तैनात

शिलांग, एजेंसी। पूर्वोत्तर राज्य मेघालय के पश्चिम गारो पर्वतीय जिले में मंगलवार तड़के गारो पर्वतीय स्वायत्त जिला परिषद चुनाव नामांकन प्रक्रिया को लेकर जारी विवाद और तनाव के बीच हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा की गई गोलीबारी में दो लोगों की मौत

हो गई। इससे इलाके में और तनाव पसर गया। हालात को देखते हुए न सिर्फ वहां कर्फ्यू लगाया गया है बल्कि सेना को भी तैनात किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जिले के पुलिस अधीक्षक अब्राहम टी. संगमा ने बताया कि यह घटना चिबिनांग इलाके में हुई जहां जनजातीय और गैर-जनजातीय समूहों के बीच झड़प हो गई थी। संगमा ने कहा, 'मारे गए दोनों व्यक्ति चिबिनांग के निवासी थे। त॥ष्ठष्ट चुनावों को लेकर जनजातीय और गैर-जनजातीय समूहों के बीच झड़प हुई थी और यह गोलीबारी तब हुई जब हम जमा भीड़ को तितर-बितर कर रहे थे।' उन्होंने कहा कि इलाके में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए जिला प्रशासन ने मंगलवार को पूरे पश्चिम गारो पर्वतीय जिले में दिन भर के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। एसपी ने कहा, 'हमने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है और वे आ रहे हैं।' यह घटना मेघालय सरकार द्वारा जिले में 10 मार्च से 48 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित करने के आदेश के कुछ घंटों बाद हुई है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था को खतरे में डालने वाली भीड़ जुटाने, हमलों और सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के प्रसार की खबरों के बाद यह कदम उठाया गया। हालांकि, वॉयस कॉल और एसएमएस सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं।

जिले के उपायुक्त विभोर अग्रवाल ने मंगलवार को पूर्वी कमान के 101 एरिया के कमांडिंग ऑफिसर को पत्र लिखकर जिले के मैदानी क्षेत्रों के गांवों में सेना से 'फ्लैग मार्च' करने का अनुरोध किया है। उपायुक्त ने पत्र में कहा, 'सशस्त्र बलों की उपस्थिति से जनता को आश्वस्त करने, किसी भी अन्य अप्रिय घटना को रोकने और निवासियों के बीच विश्वास बहाल करने में बहुत मदद मिलेगी।' जीएचएडीसी चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 16 मार्च तक जारी रहेगी जिसे देखते हुए नामांकन केंद्रों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

यह अशांति तब शुरू हुई प्रदर्शनकारियों ने 10 अप्रैल को होने वाले जीएचएडीसी चुनावों के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने सोमवार को तुरा में उपायुक्त कार्यालय पहुंचे फूलबाड़ी के पूर्व विधायक एस्तामुर मोमिन पर हमला कर दिया था। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि इस चुनाव में गैर-जनजातीय लोग भाग न लें। जीएचएडीसी की कार्यकारी समिति ने 17 फरवरी को एक प्रस्ताव पारित किया था जिसके तहत उम्मीदवारों के लिए नामांकन दाखिल करते समय वैध अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया था।

बैंक आफ बड़ौदा का बीसी प्वाइंट चलाते हैं चौधरी

सीबीआई ने बसपा नेता को घूस लेते रंगे हाथों दबोचा, लोन दिलाने के नाम पर मांगे थे 45 हजार

हरदोई, एजेंसी। सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच की टीम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत लोन स्वीकृत कराने के नाम पर घूस लेने के आरोप में हरदोई जिले में बैंक ऑफ बड़ौदा से जुड़े एक रिकवरी एजेंट व बसपा नेता को मंगलवार को गिरफ्तार किया। आरोपी एजेंट को शिकायतकर्ता से 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।

सीबीआई ने यह कार्रवाई सीमा देवी की शिकायत पर की है। बैंक मैनेजर पर आरोप है कि पांच लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर पैसे निकालने की अनुमति देने के लिए 45 हजार रुपये की घूस मांग रहे थे। यह घूस शाखा प्रबंधक की ओर से रिकवरी एजेंट सुरेश चौधरी के जरिये मांगी गई थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने एजेंट सुरेश चौधरी को शिकायतकर्ता से 45 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि जांच की कार्रवाई जारी है और आय से ज्यादा संपत्ति की भी जांच की जाएगी।

सीबीआई की टीम मंगलवार दोपहर पार्टी की समीक्षा बैठक में मौजूद बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र चौधरी और उनके एक साथी को उठा ले गई। टीम ने उन्हें कछौना के रेलवे गेस्टहाउस में

रखा है। मंगलवार देर शाम खबर लिखे जाने तक बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष से सीबीआई टीम पूछताछ कर रही है, जबकि उनके साथी को मोबाइल फोन जमा कराने के बाद छोड़ दिया गया है। रात में सीबीआई की एक टीम बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के घर भी पहुंच गई। गांव निर्मलपुर सपहिया में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र चौधरी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। तभी दिल्ली और लखनऊ नंबर वाली तीन कारों से सीबीआई की टीम पहुंची और उन्हें व उनके एक साथी को अपने साथ रेलवे के कछौना कस्बा स्थित गेस्ट हाउस ले गई। खबर लगते ही पूर्व जिलाध्यक्ष के परिवार के लोग भी गेस्टहाउस पहुंच गए, पर उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया। इस मामले में बसपा के जिलाध्यक्ष सूर्यकांत निराला ने बताया कि अभी उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। वहीं एसपी अशोक कुमार मीणा ने भी सीबीआई टीम के आने या किसी को पकड़कर पूछताछ करने की जानकारी से इनकार किया है। स्थानीय कस्बे के रेलवेगंज पश्चिमी वार्ड के निवासी एवं बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी कस्बे के निकट कुकुही रोड पर अपने जीत काम्प्लेक्स में बैंक ऑफ बड़ौदा का बीसी प्वाइंट चलाते हैं। कोतवाली थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि सीबीआई की कार्रवाई की सटीक जानकारी नही है। बसपा के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष बालामऊ रंजीत राव गौतम ने बताया कि निर्मलपुर सपहिया में बूथ समीक्षा बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र चौधरी आए थे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत पश्चिम उत्तर प्रदेश के सपनों को पंख देने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे से विमान जल्द उड़ान भरेंगे। एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एयरोड्रोम लाइसेंस प्रस्तुत किया। अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और उड़ानों की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। जेवर में विकसित किया जा रहा यह एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ेगा। यहां दस एयरोब्रिज और 28 विमान पार्किंग स्टैंड की व्यवस्था होगी। रनवे पर प्रति घंटा लगभग 30 उड़ानों के संचालन की क्षमता विकसित की गई है। एयरपोर्ट पर स्विस तकनीक और भारतीय आतिथ्य भी दिखेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से मिलकर परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी दी। एयरपोर्ट का एयरोड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता तीन करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता सात करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी। पहले चरण में टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर है, जिसमें 48 चेक इन काउंटर, नौ सुरक्षा जांच लेन और नौ इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं।

आधुनिक कार्गो और लाजिस्टिक्स हब भी तैयार होगा। प्रारंभिक चरण में इसकी क्षमता लगभग 2.5 लाख टन कार्गो प्रतिवर्ष होगी, जिसे 15 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा। यात्रियों के लिए डिजियात्रा आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली, सेल्फ बैगेज ड्राप और डिजिटल पैसेंजर प्रोसेसिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रहीं हैं। एयरपोर्ट के लिए नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य है। परिसर में सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग जैसी सुविधाएं भी होंगी। एयरपोर्ट शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में हवाई यातायात का दबाव कम होगा।

यमुनानगर में 24 वर्षीय युवती ने भगवान श्रीकृष्ण से रचाया विवाह, ठाकुर जी को चुना जीवनसाथी

यमुनानगर, एजेंसी। मीरा के प्रभु गिरधर नागर, दूसरो न कोय। जाके सिर मोर-मुकुट, मेरो पति सोई... इस पंक्ति को यमुनानगर की 24 वर्षीय इशिका ने चरितार्थ कर दिया है। दरअसल, मंगलवार को शहर की हरबंस कॉलोनी में आईटीआई के पास एक घर में शहनाइयां बजीं। दुल्हन इशिका ने अपने आराध्य दूल्हे भगवान श्रीकृष्ण (ठाकुर जी) संग सात फेरे लिए। गोवर्धन से आए पंडित बृजभूषण भारद्वाज ने अपने मुखारविंद से वैदिक मंत्र बोलते हुए फेरों की रस्म पूरी कराई। भक्ति के इस संगम को देखने के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा, जहां इशिका ने भगवान श्रीकृष्ण को जीवन साथी मानते हुए पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ विवाह रचा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल अपनी धर्मपत्नी के साथ पहुंचे। उन्होंने विवाह की रस्म के तहत गठजोड़ा भी कराया। विवाह के बाद इशिका की विदाई डॉ. पायल के घर हुई। डॉ. पायल और उनके पति विशाल ने ठाकुर जी के अभिभावक की भूमिका निभाई। इशिका के पिता राजेश कुमार और माता पूजा ने कन्यादान किया। इशिका स्नातक पास हैं। पिता राजेश कुमार टिंबर व्यापारी हैं। परिवार में भाई-बहनों में इशिका सबसे बड़ी हैं। वे बचपन से ही ठाकुर जी की भक्ति करती रही हैं और मंदिरों में सेवा कार्यों में भी भाग लेती हैं। यह समारोह तीन दिन तक चला। सात फेरों से पहले पारंपरिक रिवाजों के तहत हल्दी व मेहंदी की रस्में भी पूरी की गईं।

फूल बरसाकर बरात का स्वागतः इशिका के घर

से सात किमी दूर प्रोफेसर कॉलोनी से ठाकुर जी भव्य बारात लेकर निकले। जैसे ही बारात प्रोफेसर कॉलोनी से गोविंदपुरी की ओर बढ़ी रास्ते में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर स्वागत किया। यह विवाह लोगों ने घरों की छतों से भी देखा। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बरात इशिका के घर पहुंची, यहां वधू पक्ष ने फूल बरसा गीतों के साथ स्वागत किया। बरातियों के लिए प्रीतिभोज भी था।

प्रमोशन के ढाई माह बाद 779 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की तैयारी, पहली अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने 779 स्कूल प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो कि पदोन्नति आदेश के ढाई माह बाद हो रही है। इस संबंध में फाइल सचिवालय स्तर पर मूवमेंट में है और इसे अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मंजूरी मिलने के बाद नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। पिछले वर्ष 30 दिसंबर को सरकार ने 267 स्कूल प्रवक्ताओं और 512 मुख्य अध्यापकों को पदोन्नत कर प्रधानाचार्य बनाया था। हालांकि, इन प्रधानाचार्यों को अभी तक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और वे अभी स्कूलों में पढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। इस बीच, कई प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे सरकार अब उनके नियुक्ति आदेश जारी करने की प्रक्रिया में है। सूत्रों के अनुसार, इन प्रधानाचार्यों के नियुक्ति आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। वर्तमान में 10वीं और 12वीं बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, इसलिए इन्हें नए स्थानों पर ज्वाइनिंग देने के लिए छूट दी जा सकती है। इसका मतलब है कि बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होने के बाद वे नए स्थानों पर ज्वाइन कर सकते हैं।

शिक्षा विभाग में 31 मार्च तक तबादलों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। पहली अप्रैल से विभाग में व्यापक स्तर पर बदलाव होने की संभावना है, जिसमें 145 सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में प्रधानाचार्य और शिक्षकों की नियुक्ति शामिल है। हालांकि, तबादलों पर लगे प्रतिबंध के बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। यदि नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही तबादलों पर प्रतिबंध हटता है, तो विभाग में 15 से 16 हजार शिक्षकों के तबादले एक साथ हो सकते हैं। पदोन्नति के बाद इन प्रधानाचार्यों के वेतन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, जो किसी भी रिक्त प्रधानाचार्य के पद से जारी किया जा रहा है। विभाग का तर्क है कि इस निर्णय से स्कूलों में प्रशासनिक स्थिरता आएगी और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा।

पसंद के स्कूल में नियुक्ति के लिए प्रयासः प्रधानाचार्य अपनी पसंद के स्कूल में नियुक्ति के लिए प्रयासरत हैं। शिक्षकों के डीओ नोट सचिवालय पहुंच चुके हैं, जहां संबंधित शाखा हर पहलू की जांच कर रही है कि कहीं कोई पद रिक्त न हो जाए।

विचार-मंथन

संपादकीय

जंग की आंच बाजार तक, तेल संकट

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। जब दो या अधिक देशों के बीच युद्ध का मोर्चा खुलता है, तो उसका असर सिर्फ इस रूप में सामने नहीं आता कि एक-दूसरे पर किए गए हमले के नतीजे में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। बल्कि जंग के लंबा खिंचने पर कई स्तरों पर जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित होती है और नतीजतन बाजार में लगभग सभी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं।ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। हाल ही में भारत के शेयर बाजार पर भी इसका असर देखा गया, जहां बड़ी गिरावट की वजह से निवेशकों को लगभग उन्नीस लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।चूंकि युद्ध की तीव्रता में फिलहाल कोई नरमी नहीं देखी जा रही है, इसलिए यह स्थिति अभी कायम रहने की आशंका है। मगर इससे इतर अब युद्ध का असर देश के आम लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंचना शुरू हो चुका है। मसलन, रसोई गैस की कीमत में साठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है।कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की वजह से भारत सहित अन्य कई देशों को नए रास्तों की ओर देखना पड़ रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों के सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाजार के इस रुख का असर कहां तक जा सकता है और अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो वैसे देशों में कैसी मुश्किल पैदा होगी, जहां की अर्थव्यवस्था और जीवनयापन का एक बड़ा हिस्सा बाहर से आपूर्ति पर निर्भर है।इजरायली हमले के बाद प्रतिक्रिया में ईरान ने जो रुख अख्तियार किया है, उससे पहले ही कई मुख्य तेल उत्पादक देशों में असुरक्षा का माहौल है। फिर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते को ईरान ने जिस तरह बाधित कर दिया है, उससे दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी।

कोर्ट का सुप्रीम प्रश्न, रियायती जमीन, मगर गरीबों को इलाज नहीं क्यों

वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने रियायत पर जमीन लिए दिल्ली के सभी निजी अस्पतालों को सरकार के इन नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अगर कोताही बरती जा रही है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीति लागू की थी, जिसके तहत दिल्ली में गरीब लोगों के लिए निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा का प्रावधान था। अस्पताल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। इसी आधार पर निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए सरकार की ओर से रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाती है। मगर इसमें कुछ नियम-शर्तें भी लागू होती हैं, जिनमें आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के लिए तयशुदा सीमा में मुफ्त इलाज की सुविधा भी शामिल है।मगर इन नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं, इसकी चिंता शायद ही सरकार या अस्पताल प्रबंधन को होती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली के 51 अस्पतालों को नोटिस भेजकर नियमों का पालन नहीं करने पर कारण स्पष्ट करने को कहा है। साथ ही पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए।ऐसे में सवाल है कि जो जिम्मेदारी सरकार की है, वह कार्य शीर्ष अदालत को क्यों करना पड़ रहा है? आखिर क्या वजह है कि नियमों की अनदेखी को सरकारी तंत्र में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है?दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीति लागू की थी, जिसके तहत दिल्ली में गरीब लोगों के लिए निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा का प्रावधान था। इसके मुताबिक, निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए इस आधार पर रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी कि उनके आंतरिक रोगी विभाग में कम-से-कम दस फीसद और बाह्य रोगी विभाग में पच्चीस फीसद गरीबों का निशुल्क उपचार किया जाएगा।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

(ललित गर्ग)

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया। जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है।

खेल सिखाते हैं जिंदगी के बड़े सबक, हम खेलों से बच्चों को क्यों कर रहे हैं दूर

(दीनानाथ गुर्जर)

खेलों से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं, पर सीखते नहीं। न ही कभी कोशिश करते हैं। शायद इसीलिए हम अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित नहीं करते, बल्कि खेल के समय में कटौती कर उन्हें पढ़ने पर जोर देते हैं। मानो हम खेलों की अनदेखी कर रहे हों। जबकि पढ़ाई का अपना महत्त्व होता है, तो खेलों की अपनी अहमियत है। खेलों से हम अनुशासन ही नहीं, भाईचारा यानी सौहार्द भी सीखते हैं। खेलों की दुनिया में कोई भी किसी खास धार्मिक पहचान में कैद नहीं होता। सब सूरत से और सीरत से भी सिर्फ खिलाड़ी होते हैं। जाति-धर्म, भाषा-रंग और देश-प्रदेश सब भूल कर जब ये खेल के परिधान में आते हैं, तो एक ही रंग में हो जाते हैं। जीत की तरंग में जिस झंडे के तले खेल रहे होते हैं, उसकी शान में पूरी जान लगा देते हैं।समानता का उदाहरण बताने के लिए यह पर्याप्त होगा कि गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेली जा रही हो या फुटबाल या कोई अन्य खेल, वहां खिलाड़ियों के लिए पानी से भरी एक बाल्टी होती है और उसमें रखा होता है एक गिलास, एक-एक कर खिलाड़ी अपनी प्यास बुझाता है, बिना किसी भेदभाव के। पानी का एक गिलास या एकता का पाठ पढ़ाया करता है। संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के लिए वहां पानी राहत का काम करता है, तो जीत की ओर बढ़ रहे खिलाड़ियों को धैर्य का संदेश देता है। फिर भी न जाने क्यों, हम कुछ नहीं सीखते!देखा जाए तो खेलों से हिम्मत आती है, साहस का संचार होता है। और तो और, एक जिद पनपती है, जिसे दृढ़ इच्छाशक्ति या एक जुनून कह सकते हैं। बेरुखी में दीवानापन का नाम भी दे दिया जाता है। इसकी वजह भी है कि खेलने पर जब हम आते हैं, तो खेलते ही चले जाते हैं। न रात देखते हैं, न दिन। भूखे-प्यासे खेलने में इतने मस्त कि न धूप की चिंता, न बारिश का भय। बिल्कुल बेपरवाह। बचपन में बच्चे खेलते तो अपनी उम्र के हिसाब से ही हैं, पर हंसी इसलिए आती है इन पर कि इनके खेल निराले होते हैंज बचपने भरे। कभी घर-घर खेलते हैं, तो कभी डाक्टर-डाक्टर या छुप्पम-छुपाई जैसे अनेक खेल। खुल कर खेला करते हैं बच्चे। बीच-बीच में खेलते हुए लड़ते हैं, तो लड़ते हुए खेलते हैं। यानी कभी कुट्टी करते हैं, फिर तुरंत ही रजामंदी की पुच्ची भी कर लेते हैं। यही आगे चल कर जीवन-शैली बना ली जाए, तो कहने क्या? असल में बचपन की लड़ाई थोड़ी देर के लिए होती है। प्रमुख होता है खेलनाज खेलते रहना। एक पार्क में कुछ बच्चे आपस में खेल रहे थे। एक बच्चे ने दूसरे को धक्का दे दिया। धक्के से वह बच्चा गिर गया और रोने लगा। धक्का देने वाला बच्चा उसे देख खुद भी रोने लगा। इसे देखा-देखी के असर में रोना कहना उचित नहीं। असल में धक्का देने वाला वह बच्चा जानता है कि उसे इसकी सजा मिल सकती है। इससे बचने की सोची-समझी तरकीब भी समझी जा सकती है। यह भी संभव है कि गिरने वाले बच्चे को रोते देख उसके भीतर डर पैदा हो गया हो और वह भी रोने लगा। वैसे गिराना-उठाना खेलों का हिस्सा होते हैं। खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो। खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6028

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6027

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 6028

1	2		3	4	■	5	■
6		■	7		8		9
	■	10		■	11		
12	13			■		■	
14		■	15			■	■
	■	16		■		■	17
■	18			■	19	20	■
21		■	22		■	23	

संकेतः बाएं से दाएं

1. ये तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरू है, यह एक मंगोलियाई पदवी है, जिसमका मतलब होता है ज्ञान का महासागर (5)
6. बराबर, विभाज्य (2)
7. विम्बलडन नाम इस खेल से जुड़ा है (5)
10. द्वार यंत्र, लॉक (2)
11. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
12. सिंह या शेर को यह भी कहते है (4)
14. पेरिस शहर इस नदी के किनारे बसा है , यह नदी इंगलिश चैनल मे जाकर गिरती है (2)
15. क्रम में प्रथम, आदिम (3)
16. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
17. जननी, मां, मातृ, पैदा करने वाली स्त्री (1)
18. पश्चिमी अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
19. अध्ययन (अंग्रेजी)(2)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का यह नाम था (2)
22. पुराणानुसार एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. धमनी, स्पंद, रग (2)

ऊपर से नीचे

1. दस दिन का आयोजन या कार्यक्रम (6)
2. अलक, जुल्फ (2)
3. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की (8)
4. इज्जत, प्रतिष्ठा, आबरू, मापदंड (2)
5. पवन, वायु, हवा (3)
8. तकनीकी संबंधी जानकारी रखने वाला (6)
9. वायु, पवन, बयार (3)
10. बृहस्पति की पत्नी का नाम (2)
13. महिला ईसाई पादरी (2)
16. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
18. ऐक्सिस, कीलक, धुरी, मेरू (2)
20. किसी महाविद्यालय का प्रमुख (2)

वर्ग पहेली 6027 का हल

ग्री	स	■	फि	रो	जा	बा	द
वा	र	दा	त	■	न	ग	र
■	प	ह	र	■	की	■	मा
ह	र	क	त	■	खै	र	■
द	स्त	■	■	सू	र	ज	■
क	■	जू	न	■	म	क	र
र	ख	ना	■	पा	ना	■	क्षि
ना	त	■	■	क	ना	ग	त

आज का राशिफल

मेष

आज अगर आप पिछले कुछ समय से किसी कन्फ्यूजन या मानसिक उलझन में फंसे थे, तो आज वह ठहराव खत्म होने वाला है। अब हाथ पर हाथ धरकर बैठने का समय गया। मुमकिन है कि चीजें आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं चल रही थीं, लेकिन आज आपके भीतर भावनाओं का एक नया सैलाब उमड़ेगा जो आपको नई शुरुआत के लिए प्रेरित करेगा।

वृष

आज अतीत में मिली किसी हार या धोखे के जख्म अब भरने लगे हैं। देखा जाए तो आप अब एक ऐसे रचनात्मक दौर में प्रवेश कर रहे हैं जहां आप अपनी योजनाओं और रिश्तों को नया जीवन दे सकते हैं। आज आपके भीतर दूसरों का ख्याल रखने और चीजों को बेहतर बनाने की भावना प्रबल रहेगी। आर्थिक मजबूती और स्थिरता की एक नई लहर दिखा रहा है।

कर्क

आज जीवन में किसी बड़ी उथल-पुथल या अचानक आए बदलाव का सामना किया है। मुमकिन है कि किसी घटना ने आपकी मानसिक शांति को थोड़ा विचलित कर दिया हो। देखा जाए तो आज का दिन उस बिखराव को समेटने और आपसी तालमेल बढ़ाने का है। आज रिश्तों में विश्वास और प्रेम बढ़ेगा, जिससे आपको बहुत सुकून मिलेगा।

सिंह

आज बदलाव शुरुआत में चुनौतीपूर्ण लगा हो, लेकिन यह आपकी तरक्की के लिए जरूरी था। देखा जाए तो आज आपकी सहज शक्ति और सोचने की क्षमता बहुत तेज रहेगी। आज आपको किसी भी समस्या का समाधान अपनी अंतरात्मा से मिल जाएगा।चाहे वह पैसों का लेन-देन हो या रिश्तों में प्यार, आज आपको बराबरी का अनुभव होगा।

मिथुन

आज का दिन एक नई और अनजान यात्रा की ओर बढ़ने जैसा महसूस हो सकता है। मुमकिन है कि अतीत में लिया गया कोई साहसी फैसला अब आपको सही दिशा दिखा रहा हो। देखा जाए तो पिछले कुछ समय से मन में जो टीस या पुराना दुख था, वह अब धीरे-धीरे कम हो रहा है।

कन्या

आज का दिन उनके पिछले धैर्य और मेहनत के मीठे फल मिलने का समय है। मुमकिन है कि आप काफी समय से किसी परिणाम का इंतजार कर रहे थे, और अब वह प्रतीक्षा समाप्त होने वाली है। देखा जाए तो आज आपको अपने आस-पास की हर हलचल पर पैनी नजर रखने की जरूरत है।

तुला

आज का दिन संतुलन बनाए रखने की कोशिशों से भरा रहेगा। मुमकिन है कि अतीत की चुनौतियों ने आपको यह सिखा दिया है कि धैर्य रखना कितना जरूरी है। देखा जाए तो आज कुछ बातें अभी भी रहस्यमयी या अस्पष्ट लग सकती हैं, जिससे मन में थोड़ी उलझन पैदा हो सकती है। ऐसी स्थिति में बाहर देखने के बजाय अपने मन की आवाज पर गौर करें।

वृश्चिक

आज का दिन उनके पिछले सही फैसलों का इनाम मिलने जैसा है। मुमकिन है कि आप काफी समय से संतुलन की तलाश में थे, और अब वह स्थिरता आपके जीवन में दस्तक दे रही है। देखा जाए तो आज आपके भीतर नई उम्मीदें और प्रेरणा जन्म लेंगी। यह समय बड़े सपने देखने और उन पर विश्वास करने का है। आर्थिक उन्नति के एक नए और बहुत ठोस अवसर की ओर संकेत कर रहा है।

मकर

आज का दिन पुरानी आशाओं के फिर से जीवित होने का है। मुमकिन है कि आपने चुनौतियों के बावजूद अपना हौसला बनाए रखा, और अब वही हिम्मत आपको नई दिशा दे रही है। देखा जाए तो आज का दिन दूसरों के साथ अपने संसाधनों और खुशियों को साझा करने का है। जीवन में लेन-देन का संतुलन ही आज आपको शांति देगा। लेकिन पूरी तरह रुकने का यह समय नहीं है।

कुंभ

आज का दिन मानसिक और भावनात्मक सुकून की तलाश में एक यात्रा जैसा है। मुमकिन है कि आपने जानबूझकर खुद को उन पुरानी मुश्किलों से दूर कर लिया है जो आपको तनाव दे रही थीं। देखा जाए तो आज आप भावनात्मक रूप से बहुत संतुलित और शांत महसूस करेंगे, जिससे आपके निर्णय और भी सटीक होंगे। करियर और पढ़ाई के क्षेत्र में विकास के एक नए मौके की ओर संकेत कर रहा है।

धनु

पिछले कुछ दिन आपका काफी समय आत्म-मंथन और सच की तलाश में बिताया है। मुमकिन है कि उस एकांत ने आपको अपनी असली ताकत और इच्छाओं से परिचित कराया हो। देखा जाए तो आज आपके सामने कोई महत्वपूर्ण चुनाव आ सकता है, जहां आपको अपने दिल और दिमाग के बीच तालमेल बिठाना होगा। सुख-सुविधाओं और पारिवारिक सुरक्षा के बढ़ने का संकेत दे रहा है।

मीन

आज अतीत में हुई कोई तकरार या तनावपूर्ण स्थिति अब आपके लिए एक सबक बन चुकी है। मुमकिन है कि उन अनुभवों ने आपको पहले से अधिक समझदार बना दिया हो। देखा जाए तो आज आप कई तरह की जिम्मेदारियों को एक साथ निभाने की कोशिश करेंगे। आज आपका लचीलापन और तालमेल बिठाने की कला ही आपको सफल बनाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

वर्ल्डकप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

सूर्या बोले- हमारा अगला टारगेट ओलिंपिक गोल्ड, ईशान ने बच्चों के साथ क्रिकेट खेला

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स अपने-अपने घर पहुंच रहे हैं। जहां सभी का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव, पटना में ईशान किशन और दिल्ली में हेड कोच गौतम गंभीर का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- हमारा अगला गोल है - 2028 में भारत के लिए ओलिंपिक गोल्ड जीतना। उसी साल टी-20 वर्ल्ड कप भी होगा, इसलिए हम टी20 हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

अमेलिया केर की हैट्रिक और अर्धशतक, न्यूजीलैंड की जिम्बाब्वे पर 200 रन से बड़ी जीत

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। अमेलिया केर के शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल है, की बदौलत न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को तीसरे और आखिरी वनडे में जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम पर 200 रनों की बड़ी जीत हासिल करते हुए सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। केर ने 80 रन बनाए और गेंद से शानदार 5 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा न्यूजीलैंड की कप्तान को जिम्बाब्वे के खिलाफ घर पर तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान 140 रन बनाने और 16 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 303/6 का मुश्किल स्कोर बनाया। कप्तान अमेलिया केर ने पारी को संभाला, 106 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 80 रन बनाए। उनकी इस पारी ने एक बड़े स्कोर की नींव भी रखी। मिडिल-ऑर्डर बैटर मैडी ग्रीन अपने शतक से चूक गईं। 33 साल की मैडी 73 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 94 रन बनाकर आउट हुईं।

ग्रीन और केर के अलावा ब्रुक हॉलिडे (40 गेंदों पर 40 रन, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से), इजी शार्प (27 गेंदों पर 25 रन, चार चौकों की मदद से) ने भी बल्ले से जरूरी रन बनाए और न्यूजीलैंड ने 300 रन का आंकड़ा पार किया। जिम्बाब्वे की टेंडाई मकुशा (1/49), एडेल ज़िमुनु (1/41), और प्रेशियस मारेंज (1/49) ने एक-एक विकेट लिया। क्रिस्टाबेल चैटोंज़्वा (2/48) ने दो विकेट लिए। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे को मोमेंटम बनाने में मुश्किल हुई और वे 27.1 ओवर में सिर्फ 103 रन पर आउट हो गए। लोरेन शुमा ने 41 गेंदों पर 34 रन बनाकर थोड़ी मुश्किलों का सामना किया लेकिन न्यूजीलैंड के बॉलर्स के टाइट कंट्रोल की वजह से मेजबान टीम ने रेगुलर इंटरवल पर विकेट गंवाए। न्यूजीलैंड के बॉलिंग अटैक ने शुरुआती विकेट हासिल किए जिसमें रोजमेरी मायर ने 16 रन देकर 2 विकेट लेकर शानदार वापसी की जबकि नेन्सी पटेल ने 16 रन देकर 1 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों पर प्रेशर बनाए रखा। इसके बाद केर ने लोअर ऑर्डर को तहस-नहस करके सेंटर स्टेज पर जगह बनाई। ऑलराउंडर ने सिर्फ 3.1 ओवर में पांच विकेट लिए जिसमें चेज के 24वें ओवर में एक शानदार हैट्रिक भी शामिल है। उन्होंने ऑड्रे माजविशाया, टेंडाई मकुशा और नोमवेलो सिबांडा को लगातार गेंदों पर आउट करके जिम्बाब्वे की इनिंग खत्म की और मेहमान टीम को जबरदस्त जीत दिलाई।

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता: कोच गंभीर

● लग गया था कि संजू बेहतर करेगा, आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

मेरा काम सुपरस्टार नहीं, सुपर टीम बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने भारतीय पिचों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है। टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गया और साथ ही टाइटल डिफेंड करने वाला पहला देश भी बन गया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग फिलॉसफी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम में सुपरस्टार बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत सुपर टीम तैयार करना है।

गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं। गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, बीसीसीआई की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता। गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।

डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं

गंभीर का कहना है, 'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं।

जसप्रीत बुमराह टी-20 कम, वनडे ज्यादा खेलेंगे

2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पर रहेगा फोकस, वर्कलोड मैनेज करेगा बोर्ड

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं।

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद वनडे नहीं खेला- बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

2027 वर्ल्डकप तक टी-20 की प्राथमिकता कम- अक्टूबर-नवंबर 2027 तक टी20 इंटरनेशनल टीम के लिए कम प्राथमिकता वाला फॉर्मेट माना जा रहा है। इसी दौरान जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं। अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्डकप होगा। उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा। 2028 में अगला टी-20 वर्ल्ड कप, ओलिंपिक गेम्स और चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल्ड हैं।

आईपीएल के बाद तैयार होगी रणनीति- आईपीएल के बाद सिलेक्शन कमेटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। आईपीएल में बुमराह मुंबई इंडियंस के पेस अटैक की अगुआई करने वाले हैं।

बड़े टूर्नामेंट में बुमराह की फिटनेस अहम

भारत के बड़े टूर्नामेंट अभियानों में बुमराह की फिटनेस बेहद अहम रहती है। ऐसे में उनके मैचों और फॉर्मेट को लेकर काफी सावधानी बरती जाएगी। बुमराह पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर रहे हैं। उन्होंने 14 विकेट झटके। वे अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द फाइनल भी चुने गए थे।

धोनी आईपीएल 2026 में सभी मैच खेलेंगे

● सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने दिए जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आने वाले एडिशन में सभी मैच खेल सकते हैं, साथ ही यह भी कहा कि उनके खेलने के रोल पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट करेगा। आईपीएल का 19वां एडिशन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और सभी फ्रेंचाइजी ने इस कैश-रिच इवेंट की तैयारी के लिए अपने ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिए हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा रहे खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ेंगे और टूर्नामेंट के लिए ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

सीएसके के लीजेंड धोनी के आईपीएल 2026 में मेन इन येलो के लिए खेलने के साथ उनकी उम्र को देखते हुए विकेटकीपर-

बल्लेबाज के सभी मैचों में हिस्सा लेने को लेकर चिंता थी। हालांकि कासी ने ऐसी सभी चिंताओं को खारिज कर दिया और कहा, मेरे हिसाब से वह सभी मैच खेलेंगे। टीम में अब एक और विकेटकीपर-बैटर सैमसन के होने से टूर्नामेंट में वह क्या रोल निभाएंगे? उन्होंने कहा, यह मैं नहीं कह सकता। यह क्रिकेट का फैसला है जो क्रिकेट स्टाफ लेगा। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ नहीं। इसलिए वे तय करेंगे कि वह बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे या विकेटकीपर-बैटर के तौर पर, या एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर। देश में शुरू होने वाले चुनावी प्रोसेस को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट का शेड्यूल गुरुवार को घोषित होने की संभावना है। कासी ने कन्फर्म किया कि पांच बार के चैंपियन अपने सभी होम मैच चेन्नई में खेलेंगे। उन्होंने कहा, हमें सिर्फ तमिलनाडु में ही खेलना है। इसलिए हम बीसीसीआई द्वारा शेड्यूल अनाउंस किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के अ20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कैंपेन में मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस देने वाले फ्रेंचाइजी के प्लेयर्स संजू सैमसन और शिवम दुबे पर गर्व जताया और कहा, हम बहुत खुश हैं कि भारत ने वर्ल्ड कप जीता है, वो भी बैक-टू-बैक। हम इसलिए खुश हैं क्योंकि सीएसके के दो प्लेयर्स, संजू और शिवम दुबे ने बहुत अच्छा परफॉर्म किया है। इससे हमें टीम पर बहुत कॉन्फिडेंस मिलता है कि वह यहां भी ष्टस्द्म के लिए अच्छा करेगी। कैंप में प्लेयर्स की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, प्रैक्टिस अच्छी चल रही है, अभी तक कोई प्रॉब्लम नहीं हुई है।

फीफा को उम्मीद, युद्ध के बावजूद फुटबॉल विश्व कप में भाग लेगी ईरान की टीम

तेहरान (एजेंसी)। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने उम्मीद जताई है कि मौजूदा हालात और युद्ध के बावजूद ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को अमेरिका आने और आगामी फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने की अनुमति मिल जाएगी। फीफा का मानना है कि टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए ईरान की टीम का अमेरिका में स्वागत किया जाएगा।

● **अमेरिका में खेलेगी अपने ग्रुप मैच -** ईरान की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण के सभी मुकाबले अमेरिका में खेलेगी। टीम अपना पहला मैच 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलेवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा। ग्रुप चरण का आखिरी मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ खेला जाएगा।

● **11 जून से शुरू होगा टूर्नामेंट -** फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक किया जाएगा। इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको संयुक्त रूप से करेंगे।

युद्ध के कारण उठे थे सवाल

हाल ही में ईरान फुटबॉल महासंघ के कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया था कि मौजूदा युद्ध की स्थिति के कारण टीम का विश्व कप में खेलना संदेह के घेरे में आ सकता है। हालांकि फीफा को उम्मीद है कि इन परिस्थितियों के बावजूद टीम टूर्नामेंट में भाग ले सकेगी।

ट्रंप से हुई फीफा अध्यक्ष की बातचीत

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने बताया कि उन्होंने मंगलवार रात को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। इस दौरान टूर्नामेंट की तैयारियों और ईरान की स्थिति पर चर्चा हुई। इन्फेंटिनो के अनुसार, ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान की टीम को अमेरिका आने और विश्व कप में खेलने की अनुमति दी जाएगी।

इंडियन वेल्स-रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अद्भुत रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं। इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरुआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरूआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए।

वर्ल्ड कप जीतने के बाद ट्रेन के थर्ड एसी से अहमदाबाद से मुंबई पहुंचे शिवम दुबे

खुद को कंबल में छिपाया, पत्नी भी थी साथ में

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद, भारतीय क्रिकेटर के लेफ्ट हैंड बल्लेबाज ने अहमदाबाद से मुंबई तक का सफर कुछ अलग ही अंदाज़ में पूरा किया। सभी फ्लाइट बुक होने के कारण और रोड से यात्रा लंबी होने की वजह से उन्होंने ट्रेन के थर्ड एसी को चुना। यात्रा के दौरान बीच-बीच में टीसी (ट्रेन कांस्टेबल) भी आया, लेकिन उन्होंने किसी को अपने पहचान का पता नहीं चलने दिया। पत्नी भी उनके साथ थीं। अब इस खिलाड़ी ने खुद ही सबके सामने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी पहचान छिपाई। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी ओवर में जब शिवम दुबे ने 3 चौके और 2 छक्के जड़कर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाया, तो वो रातों-रात पूरे देश के एक्शन हीरो बन गए। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत के कुछ ही घंटों बाद, मैदान का ये बाहुबली एक ऐसी सीक्रेट मिशन पर निकल पड़ा, जिसकी कहानी किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है। अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स का अकाल पड़ा तो शिवम ने वो रास्ता चुना जो एक वर्ल्ड चैंपियन के लिए लगभग नामुमकिन सा लगता है- ट्रेन का सफर, वो भी जनरल भीड़-भाड़ वाले थर्ड एसी (3-टीयर) कोच में।

छक्के छुड़ाने वाले खिलाड़ी का 'मास्क' वाला अवतार - मैदान पर गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने वाले शिवम दुबे इस बार खुद थोड़े डरे हुए थे। डर आउट होने का नहीं, बल्कि फैंस की भीड़ में घिर जाने का था। अपने 4 साल के बेटे अयान और 2 साल की बेटी महविश से मिलने की बेताबी इतनी थी कि उन्होंने लग्जरी के बजाय समय को चुना। पहचान छिपाने के लिए दुबे ने फुल स्लीव टी-शर्ट, कैप और मास्क का सहारा लिया। स्टेशन पर हंगामा न हो, इसलिए वो ट्रेन छूटने के महज 5 मिनट पहले कोच में दाखिल हुए और चुपचाप अपनी अपर बर्थ पर जाकर दुबक गए। सफर के दौरान सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब टिकट चेकर (टीटीई) वहां पहुंचा। चार्ट पर शिवम दुबे नाम देखते ही टीटीई चौंक गया और पूछा, शिवम दुबे? वही क्रिकेटर? पल भर के लिए सांसें थम गईं, लेकिन शिवम की पत्नी अंजुम ने बड़ी चतुराई से मोर्चा संभाला और मुस्कुराते हुए कहा- अरे नहीं-नहीं, वो यहां कहां से आएगा? ये सुनते ही टीटीई आगे बढ़ गया और भारतीय क्रिकेट का सितारा एक भूरे रंग के रेलवे कंबल में अपनी पहचान छिपाए मुस्कुराता रहा।

पुलिस भी रह गई दंग - पूरे 8 घंटे की यात्रा के दौरान शिवम ऊपर वाली सीट से नीचे नहीं उतरे। लेकिन असली चुनौती थी मुंबई का बोरीवली स्टेशन। दिन के उजाले में वहां से सुरक्षित निकलना टेढ़ी खीर था। आखिरकार उन्हें पुलिस की मदद लेनी पड़ी। जब पुलिस वालों को पता चला कि वर्ल्ड कप का हीरो एयरपोर्ट से नहीं बल्कि ट्रेन के डिब्बे से बाहर आने वाला है, तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गईं। कड़ी सुरक्षा के बीच अंडरकवर दुबे को स्टेशन से बाहर निकाला गया।

आंकड़ों में दुबे का धमाका - मैदान के बाहर सादगी दिखाने वाले दुबे ने मैदान के अंदर पूरे टूर्नामेंट में तबाही मचाई थी। गौतम गंभीर की कोचिंग और सूर्या की कप्तानी में दुबे ने मिडिल ऑर्डर की रीढ़ बनकर काम किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

वारंटी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आलोक में औरंगाबाद पुलिस ने फरार आरोपी के घर विधिवत इश्तेहार का तामिला कराया। यह कार्रवाई बड़ेम थाना पुलिस द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार न्यायालय के आदेश के बावजूद आरोपी अब तक आत्मसमर्पण नहीं कर रहा है। इसके बाद न्यायालय के निर्देशानुसार उसके घर पर इश्तेहार चिपकाकर उसे जल्द से जल्द अदालत में उपस्थित होने की सूचना दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके विरुद्ध आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बड़ेम थाना की पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार इश्तेहार तामिल की कार्रवाई पूरी की और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में इसकी जानकारी सार्वजनिक की। पुलिस ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

साल से ज्यादा मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे नीतीश कुमार : प्रशांत किशोर

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर गुरुवार को औरंगाबाद पहुंचे, जहां उन्होंने एक निजी होटल में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी रणनीति पर चर्चा की और बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रेसवार्ता के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार पांच साल से ज्यादा मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद जन सुराज के वरिष्ठ साथियों के साथ गांधी आश्रम में एक दिन का उपवास रखा गया था और उसी समय यह संकल्प लिया गया था कि बिहार को बदलने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सरकार ने विकास से जुड़े कई वादे किए थे। जन सुराज की ओर से सरकार को उन वादों को पूरा करने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। यह अवधि मई 2026 में पूरी हो जाएगी, इसलिए सरकार को अपने वादों को जल्द पूरा करना चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि आने वाले दिनों में जन सुराज संगठन का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके तहत वे बिहार के हर जिले में तीन-तीन दिन बिताकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान चुनाव के दौरान हुई कमियों और गलतियों पर भी चर्चा की जाएगी और संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही जन सुराज के नए संगठन की घोषणा भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वार्ड स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति तैयार की जाएगी। बिहार में जल्द ही पंचायती राज चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले 15 अप्रैल तक वे पूरे बिहार का दौरा करेंगे और अपने साथियों से विचार-विमर्श करेंगे। इसके बाद यह निर्णय लिया जाएगा कि जन सुराज पंचायत चुनाव में दल के आधार पर हिस्सा लेगी या नहीं।

सीएम की प्रगति यात्रा की घोषणाओं की समीक्षा, डीएम ने योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

हाईवे पर दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा त्वरित इलाज, ट्रॉमा सेंटर का निर्माण जारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

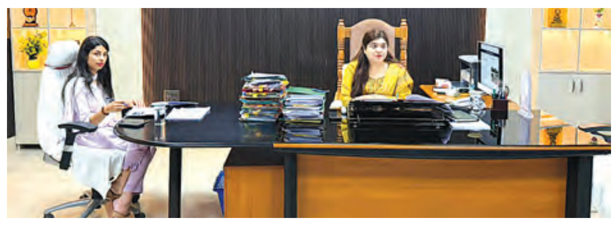

समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को जिला पदाधिकारी औरंगाबाद अभिलाषा शर्मा (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में माननीय मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान औरंगाबाद जिले के लिए की गई विभिन्न घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पथ निर्माण, भवन निर्माण, सिंचाई, स्वास्थ्य तथा नगर विकास विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनावार अद्यतन प्रगति की जानकारी जिला पदाधिकारी को दी। समीक्षा के दौरान बताया गया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अंतर्गत जिले में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का क्रियान्वयन विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। राष्ट्रीय उच्च पथ पर 9.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ट्रॉमा सेंटर के संबंध में बताया गया कि चहारदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा भवन के भू-तल की छत तक का कार्य भी संपन्न कर लिया गया है। योजना का लगभग 15 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और इसे अक्टूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि देव नगर पंचायत में 142.23 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित रिंग रोड निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। धारा 11(1) का प्रकाशन 15 अगस्त 2025 को किया जा चुका है और संबंधित मौजों से प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। 131.54 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित विशुनपुर कैनाल निर्माण योजना का कार्य भी प्रगति पर है। फिलहाल इसकी भौतिक प्रगति लगभग 1.4 प्रतिशत है और इसे 24 अगस्त 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मदनपुर प्रखंड के चाँद बिगहा गांव में केशहर नटी पर 10.6 करोड़ रुपये की लागत से चेक डैम का निर्माण कार्य जारी है।

इसकी भौतिक प्रगति लगभग 45 प्रतिशत हो चुकी है और इसे जुलाई 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। देव नगर पंचायत स्थित सूर्य मंदिर के समीप सूर्य कुंड एवं रूद्र कुंड परिसर से एसएच–101 तक 59.39 करोड़ रुपये की लागत से ग्रीनफील्ड संपर्क पथ (प्रगति पथ) निर्माण योजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। बैठक में बताया गया कि मदनपुर, औरंगाबाद, नबीनगर, हसपुरा, गोह, ओबरा और दाउदनगर प्रखंडों में 116.34 करोड़ रुपये की लागत से नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवनों के निर्माण की योजना स्वीकृत है। इनमें हसपुरा और दाउदनगर में नींव खुदाई का कार्य शुरू हो चुका है, जबकि अन्य प्रखंडों में निविदा और वित्तीय प्रक्रिया जारी है।

अदरी नदी पर रिवर फ्रंट डेवलपमेंट

औरंगाबाद शहर में अदरी नदी पर 74.77 करोड़ रुपये की लागत से रिवर फ्रंट डेवलपमेंट का कार्य भी प्रगति पर है। वर्तमान में इसकी भौतिक प्रगति लगभग 7 प्रतिशत है और इसे जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

जिला विधिज्ञ संघ चुनाव : प्रचार थमा, आज 847 मतदाता 66 उम्मीदवारों के भाग्य का करेंगे फैसला

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के कार्यसमिति चुनाव 2026–28 को लेकर चुनाव प्रचार बुधवार को समाप्त हो गया। आज मतदान कराया जाएगा, जिसमें कुल 847 मतदाता 66 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव को लेकर व्यवहार न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बीच राजनीतिक सरगर्मी चरम पर रही और अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों ने अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। चुनाव समिति के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद सिंह तथा सहायक सदस्य कामता प्रसाद सिंह, सरोज रंजन सिन्हा, राधेश्याम सिंह और अभय कुमार ने बताया कि मतदान गुरुवार की सुबह 10 बजे से शुरू होगा। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कुल तीन मतदान बूथ बनाए गए हैं। पहले बूथ पर क्रम संख्या 1 से 300 तक के मतदाता, दूसरे बूथ पर 301 से 600 तक के मतदाता और तीसरे बूथ पर 601 से 847 तक के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में कार्यसमिति के 27 सदस्यीय पदों के लिए कुल 66 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, अंकेक्षक, निगरानी सदस्य और पुस्तकालय अध्यक्ष जैसे एकल पदों के अलावा पांच बहुसदस्यीय पद भी शामिल हैं। अध्यक्ष और महासचिव पद को लेकर अधिवक्ताओं के बीच विशेष उत्साह देखा जा रहा है और दोनों पदों के उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय, पूर्व सचिव नागेंद्र सिंह और अरुण शर्मा के बीच मुकाबला है। वहीं महासचिव पद के लिए पूर्व सचिव परशुराम सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, अखिलेश कुमार, रामोतार यादव, सतीश कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह और नीरज कुमार मंटू सहित कई उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव समिति ने मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। मतदाताओं को वोट देने के लिए केवल चुनाव समिति की ओर से उपलब्ध कराई गई स्केच पेन का ही उपयोग करना होगा। साथ ही किसी भी उम्मीदवार को मतदान बूथ के अंदर रहने की अनुमति नहीं होगी। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रधान जिला जज, पुलिस अधीक्षक और नगर थाना को सूचना देकर पर्याप्त पुलिस बल की मांग की गई है। चुनाव के दौरान व्यवहार न्यायालय परिसर में न्यायिक कार्य भी सामान्य रूप से संचालित होता रहेगा।

राजस्व कर्मचारियों का आंदोलन तेज, मांगों को लेकर जिला मुख्यालयों पर दिया धरना

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कर्मचारियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। अपनी लंबित मांगों को लेकर बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ (संयुक्त संघर्ष मोर्चा) के आह्वान पर बुधवार को राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर राजस्व कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा पूर्व में किए गए लिखित समझौते अब तक लागू नहीं किए गए हैं, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। संघ के अनुसार 17 सूत्री मांगों को लेकर 11 फरवरी 2026 से राज्यभर के राजस्व कर्मचारी अतिरिक्तकालीन सामूहिक अवकाश पर हैं। आंदोलन के कारण दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित लगभग 68 प्रकार के राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संघ के नेताओं ने बताया कि पिछले वर्ष 27 दिनों तक चले आंदोलन के बाद तत्कालीन अपर मुख्य सचिव (राजस्व) द्वारा 21 जून 2025 को एक लिखित सहमति पत्र जारी किया गया था। इसमें कर्मचारियों की कई मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की बात कही गई थी।

इसके बाद 9 जुलाई 2025 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में भी इन निर्णयों पर सहमति जताई गई थी। संघ का कहना है कि इन निर्णयों के आधार पर अधिसूचना संख्या 611 जारी कर राजस्व कर्मचारियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक करने और ग्रेड-पे 2800 (लेवल-5) सहित अन्य मांगों पर सहमति बनी थी। लेकिन आठ महीने बीत जाने के बावजूद सरकार की ओर से इस पर अंतिम आदेश जारी नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए 2 फरवरी, 5 फरवरी और 9 फरवरी को भी धरना दिया गया था, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद 11 फरवरी से राज्य के लगभग 3500 राजस्व कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर चले गए। संघ के अनुसार 20 फरवरी 2026 को उपमुख्यमंत्री सह राजस्व मंत्री के निर्देश पर संघ के प्रतिनिधिमंडल को प्रधान सचिव के साथ वार्ता के लिए बुलाया गया था। कर्मचारियों का आरोप है कि बैठक के दौरान प्रधान सचिव ने पूर्व में हुए लिखित समझौते को ही खारिज कर दिया, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश और बढ़ गया।

विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक, जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को जिला पदाधिकारी औरंगाबाद अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों तथा लंबित कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, हर घर नल का जल योजना, पंचायत सरकार भवन निर्माण, निःशुल्क दवा की उपलब्धता, जीविका स्वयं सहायता समूह, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति का गठन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाएं, प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगर पंचायत में स्पोर्ट्स क्लब का गठन, पंचायत स्तर पर खेल मैदान निर्माण तथा सुधा बिक्री केंद्र की स्थापना सहित कई योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 30,220 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का लक्ष्य निर्धारित है। इनमें से अब तक 25,316 सोलर स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन किया जा चुका है, जबकि शेष 4,904 लाइट लगाने का कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हर घर नल का जल योजना के अनुरक्षण की समीक्षा में बताया गया कि जिले में कुल 3,024 योजनाएं संचालित हैं, जिनमें से 3,013 योजनाएं क्रियाशील हैं, जबकि 9 योजनाएं अक्रियाशील पाई गई हैं। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि इन सभी अक्रियाशील योजनाओं को 0 से 7 दिनों के भीतर पुनः क्रियाशील किया जाए। सर्वेक्षण के बाद छूटे हुए टोलों में नल-जल योजना की प्रगति की समीक्षा में बताया गया कि 1,498 योजनाओं का लक्ष्य निर्धारित है, जिनमें से 786 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि शेष योजनाओं पर कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थी

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के अंतर्गत जिले में कुल 1,398 लाभार्थियों का चयन किया गया है। विभिन्न श्रेणियों के लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा बड़ी संख्या में लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय किस्त की राशि उपलब्ध कराई गई है। इस योजना के तहत अब तक लगभग 106.42 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है।

दुग्ध उत्पादन और सुधा केंद्र

जिले के 1,884 गांवों में दुग्ध उत्पादन समिति गठन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अब तक 304 गांवों में समिति का गठन किया जा चुका है। शेष 1,580 गांवों में वर्ष 2026-27 तक समिति गठन का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही 202 पंचायतों में सुधा बिक्री केंद्र स्थापित किए जाने हैं, जिनमें से अब तक 3 पंचायतों में स्थापना की जा चुकी है। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, शल्य चिकित्सा इकाई, प्रसूति कक्ष, रक्त भंडारण इकाई, एक्स-रे, ईसीजी, पैथोलॉजी जांच और अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा की गई।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान, जीविका दीदियों को बताए गए आग से बचाव के उपाय

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज प्रखंड के पौथू थाना क्षेत्र स्थित तेमुडा गांव में बुधवार को अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रखंड अग्निशमनालय रफीगंज की टीम ने जीविका समूह की महिलाओं के साथ बैठक कर आग से बचाव और आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायों की जानकारी दी। अभियान के दौरान अधिकारियों ने महिलाओं को बताया कि रसोई गैस, बिजली के उपकरण और अन्य ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतना अत्यंत जरूरी है। छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए सतर्कता ही सबसे प्रभावी बचाव है। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बताया कि यदि कहीं आग लग जाए तो घबराने के बजाय तुरंत आसपास के लोगों को सूचना दें और गैस सिलेंडर तथा बिजली के मुख्य स्विच को बंद कर दें।

साथ ही आग पर काबू पाने के लिए बालू, पानी या अग्निशामक यंत्र का सही तरीके से उपयोग करने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में अग्निक चालक रामनाथ कुमार, प्रधान अग्निक सुनील सिंह, अग्निक रिटन कुमारी और अग्निक मो. एजहार आलम मौजूद रहे। प्रधान अग्निक सुनील सिंह ने कहा कि आग की घटनाओं से बचाव के लिए लोगों का जागरूक होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को आपात स्थिति में सही कदम उठाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस अवसर पर जीविका समूह की कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

औरंगाबाद में रमजान के बीच घरेलू गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, लोगों को हो रही भारी परेशानी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में रमजान के पवित्र महीने के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई लोग घंटों इंतजार करने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों में सिलेंडर की उपलब्धता बेहद सीमित है, जिसके कारण रोजाना सैकड़ों उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने बताया कि वे सुबह करीब 5 बजे से ही एजेंसी के बाहर लाइन में खड़े हैं, लेकिन देर शाम तक भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। रमजान के दौरान रोजा इफ्तार और सहरी के लिए गैस की आवश्यकता अधिक होती है, ऐसे में सिलेंडर की कमी लोगों की चिंता बढ़ा रही है।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसियों में सिलेंडर की आपूर्ति नियमित नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। कई लोगों ने यह भी कहा कि एजेंसी के बाहर अव्यवस्थित तरीके से वितरण होने से भीड़ और बढ़ जाती है, जिससे बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी होती है। हालांकि इस मामले में जिला प्रशासन का कहना है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। प्रशासन का दावा है कि गैस कंपनियों द्वारा नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है और स्थिति सामान्य है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराने की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं का कहना है कि जमीनी स्तर पर स्थिति प्रशासन के दावों से अलग दिखाई दे रही है। लोगों ने जिला प्रशासन और गैस कंपनियों से मांग की है कि होम डिलीवरी व्यवस्था को और मजबूत किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को एजेंसियों के बाहर घंटों लाइन में खड़े होने की मजबूरी न रहे और उन्हें समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि होम डिलीवरी प्रणाली को प्रभावी बनाया जाए और सिलेंडर वितरण की निगरानी सख्ती से की जाए, तो इस समस्या का समाधान संभव है और उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है।

अतिक्रमण विवाद में घायल युवक की मौत, रॉड से पीटकर किया था घायल

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के गोह थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में अतिक्रमण विवाद को लेकर हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान गोपालपुर निवासी धर्मेंद्र चंद्रवंशी के रूप में हुई है। उनकी मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि गांव के ही लक्ष्मण चंद्रवंशी के मकान पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया था। इस कार्रवाई के बाद लक्ष्मण चंद्रवंशी और उनके समर्थकों ने धर्मेंद्र चंद्रवंशी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। इसी बात को लेकर शनिवार को विवाद बढ़ गया और मामला हिंसक झड़प में बदल गया।आरोप है कि लक्ष्मण चंद्रवंशी, पवन चंद्रवंशी, अरुण चंद्रवंशी, किशोरी चंद्रवंशी समेत कई लोगों ने धर्मेंद्र चंद्रवंशी और उनकी पत्नी चंद्रवती देवी पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में धर्मेंद्र चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज, गया भेजा गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया। पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान देर रात धर्मेंद्र चंद्रवंशी ने दम तोड़ दिया। बुधवार दोपहर करीब दो बजे जब उनका शव गोपालपुर गांव पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे पांच छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

पृथ्वीराज चौहान की पुण्यतिथि 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाई गई, सम्मान समारोह का भी हुआ आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ के समीप स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भारत माता के अमर सपूत और वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की पुण्यतिथि 'शौर्य दिवस' के रूप में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर नबीनगर विधानसभा के पूर्व विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू बाबू, फिजिशियन डॉ. ब्रजकिशोर सिंह, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. आशुतोष कुमार, कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, भाजपा नेत्री अनीता सिंह, समाजसेवी अधिवक्ता कौशल कुमार सिंह, दानिका के डायरेक्टर डॉ. रविंद्र कुमार, शशि देवी दानिका तथा प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह और महेंद्र भगत सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह ने किया।

समारोह के दौरान दानिका संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया तथा सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक गीतों की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम में वरीय सदस्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने पृथ्वीराज चौहान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी भारत माता की अस्मिता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका जीवन साहस, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक है। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू बाबू ने ट्रस्ट के भवन के ऊपरी तल पर जरूरतमंद बच्चों के लिए एक पुस्तकालय निर्माण में सहयोग देने की घोषणा की, जिससे समाज के सभी वर्गों के बच्चों को अध्ययन का लाभ मिल सके। वहीं डॉ. ब्रजकिशोर सिंह ने समाज को नई दिशा देने के लिए सामाजिक एकता को आवश्यक बताया। उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की कुलदेवी आशापूर्णा माता के मंदिर के निर्माण के लिए भी ट्रस्ट के सदस्यों से पहल करने का आह्वान किया।

पीरवां पंचायत में सोलर स्ट्रीट लाइट का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

एसवीवी सांवददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी औरंगाबाद अभिलाषा शर्मा ने बुधवार को मदनपुर प्रखंड अंतर्गत पीरवां पंचायत के विभिन्न वार्डों में स्थापित सोलर स्ट्रीट लाइट का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाइटों की स्थापना, स्थान चयन और कार्यशील स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में वार्ड संख्या–2, वार्ड संख्या–4 और वार्ड संख्या–12 का दौरा किया गया। वार्ड संख्या–2 एवं वार्ड संख्या–4 में विभिन्न स्थानों पर लगाई गई सोलर स्ट्रीट लाइटों का मौके पर जाकर अवलोकन किया गया। इस दौरान यह देखा गया कि लाइटों का अधिष्ठापन उचित स्थानों पर किया गया है या नहीं। साथ ही लाइटों के चालू रहने और उनकी कार्यशील स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

वहीं वार्ड संख्या–12 में सोलर स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन का कार्य अभी प्रारंभ नहीं पाया गया। इस संबंध में जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद ने जानकारी दी कि उक्त वार्ड में 12 सोलर स्ट्रीट लाइटों का अधिष्ठापन चौथे चरण में किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए प्रारूप तैयार कर विभाग को भेजा जा चुका है।

महिला दिवस पर नगर पंचायत ने किया सम्मान समारोह

सफाईकर्मी, वार्ड पार्षद और महिला कर्मचारियों को दिए मेडल व प्रमाण पत्र

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रफीगंज नगर पंचायत कार्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत से जुड़ी महिला सफाईकर्मियों, महिला वार्ड पार्षदों और महिला कार्यालय कर्मियों को उनके योगदान के लिए मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना था। समारोह में नगर पंचायत के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी मैमून निशा, मुख्य पार्षद मिरिख दरखाशा और उप मुख्य पार्षद आरती देवी ने संयुक्त रूप से महिला सफाईकर्मियों तथा महिला कार्यालय कर्मियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्रों में महिलाओं को अवसर देने से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। महिलाओं को सशक्त बनाना ही एक विकसित और समतामूलक समाज की नींव है। कार्यक्रम में स्मार्ट ट्रंप प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर गुलरेज इकराम, मिथिलेश कुमार, पप्पू कुमार, प्रधान सहायक पवन प्रकाश सहित कई वार्ड पार्षद और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।